जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 25 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 26 नवम्बर, 2021 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

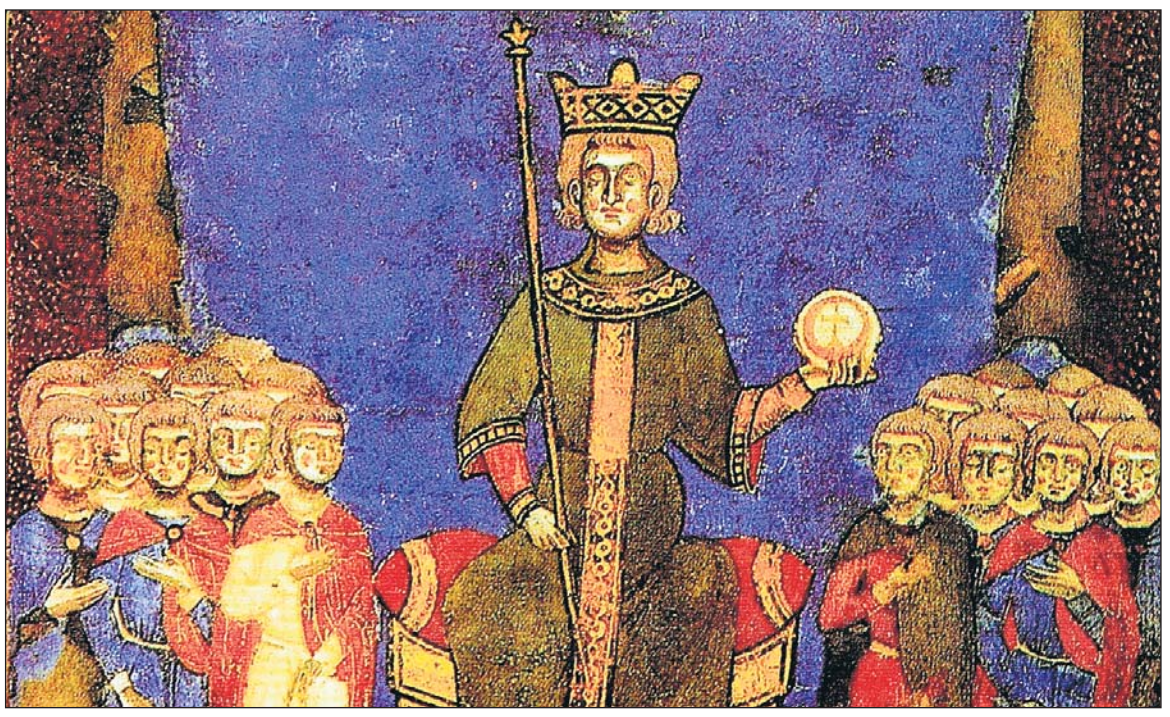

रोमन सम्राट फ्रैडरिक द्वितीय विश्व का पहला आधुनिक ऑर्निथॉलजिस्ट (पक्षी विज्ञानी) था। तेरहवीं सदी में उसने पक्षियों का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया था। पक्षियों में उसकी गहरी रुचि थी, खासकर बाज में। उसे बाज पालने (फैल्कनरी) का शौक था और उसने पक्षियों पर एक किताब भी लिखी थी। फ्रैडरिक द्वितीय द्वारा लिखी किताब "आर्ट ऑफ हंटिंग विद बड्र्स" को आधुनिक ऑर्निथॉलजी की पहली किताब तथा पक्षियों का पहला वैज्ञानिक अध्ययन व आधुनिक ऑर्निथॉलजी की शुरुआत माना जाता है। फ्रैडरिक अरस्तु के जीव वर्गीकरण से बेहद प्रभावित था। उसने अपनी किताब में भी अरस्तु का जिक्र किया था। अरस्तु ने पक्षियों को तीन वर्गों में बांटा था, जलचर, थलचर और उभयचर पक्षी। फ्रैडरिक ने इन वर्गों का, पक्षियों की खान-पान की आदतों के आधार पर और आगे वर्गीकरण किया। शोधकर्ता जैनिस एम. ह्यू ने बताया कि फ्रैडरिक की रुचि पक्षी प्रवास में भी थी। उसकी किताब में प्रवास करने वाले पक्षियों की जानकारी भी है, कि वे कहाँ से आते हैं, कहाँ जाते हैं और प्रवास क्यों करते हैं। सामान्य तौर पर उसने भी यही बताया कि, पक्षी मौसम और भोजन की कमी के कारण दूसरी जगह जाते हैं, पर उसने यह भी बताया कि खास किस्म का भोजन पसंद करने वाले पक्षी मनपंसद भोजन की तलाश में दूर तक भी चले जाते हैं। जनवरी 1194 ईस्वी में जन्मा फ्रैडरिक द्वितीय बेहद प्रतिभाशाली था। उसे "स्टूपर मुण्डी" (विश्व का अजूबा) की उपाधि दी गई थी। उसे पोप से युद्ध करने के लिए भी जाना जाता है। उसने पोप से युद्ध कर इटली को पोप के शासन से मुक्त कराने का प्रयास किया था। वह सभी धर्मों का आदर करता था। उसने सिसली में विज्ञान व साहित्य को बहुत प्रोत्साहन दिया।

राजे की यात्रा के तुरंत बाद शाह के दौरे के कई मायने निकाले जा रहे हैं

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, प्रदेश कार्यसमिति की बैठक और जनप्रतिनिधि सम्मेलन को सम्बोधित करने 5 दिसंबर को जयपुर में

जयपुर, 25 नवम्बर (का.सं.)। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गृहमंत्री अमित शाह के आगामी 5 दिसम्बर के जयपुर दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा ने तैयारियां शुरु कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की धार्मिक यात्रा के तुरन्त बाद अब शाह के दौरे को लेकर कई सियासी चर्चाएं चलने लगी हैं। जैसे कि क्या अब अमित शाह के दौरे के बाद प्रदेश भाजपा की राजनीति में सब कुछ ठीक हो जाएगा? भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर में एक प्रैस वार्ता में बताया कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह 5 दिसंबर को प्रदेश कार्यसमिति बैठक और जनप्रतिनिधि सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक 4 और 5 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होगी गृहमंत्री अमित शाह 5 दिसम्बर को विशेष सत्र को सम्बोधित करेंगे और इसके बाद करीब 10 हजार जनप्रतिनिधियों के सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। इस सम्मेलन में अमित शाह पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, जिला प्रमुख, उप प्रमुख, प्रधान व उपप्रधान, सांसद, विधायक इत्यादि जनप्रतिनिधियों को सम्बोधित कर मार्गदर्शन देंगे। पूनिया ने बताया कि प्रदेश कार्यसमिति बैठक 4 दिसम्बर को शुरु होगी, जिसमें पार्टी की संगठनात्मक समीक्षा, आगामी कार्ययोजना, सम्पूर्ण किसान कर्जामाफी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था इन तमाम मुददों को लेकर आंदोलन की रणनीति और मिशन 2023 की विजय को लेकर विस्तृत चर्चा की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार को सफलतम 7 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, इसको लेकर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अमित शाह के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और मिशन 2023 की विजय को लेकर मील का पत्थर साबित होगाः डॉ.पूनिया**

राज्य में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों में भारी फेरबदल ?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। राजस्थान में मंत्रिमंडल में फेरबदल होने के बाद, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बहुत व्यस्त हो गये हैं।

वे चाहते हैं तथा उन्हें इस बात की जरुरत भी है कि नये और पुराने सभी मंत्रियों को नियंत्रण में रखा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सरकार के सर्वेसर्वा वे ही बने हुए हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि अशोक गहलोत राज्य के बड़े अफसरों, पुलिस तथा प्रशासन में बड़ी फेरबदल करके यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सही मंत्री के साथ सही अफसर लगाया जाए जिससे मंत्रियों पर नजर तथा उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके।

सूत्रों का कहना है कि गहलोत अफसरशाहों की सूची तैयार कर रहे हैं तथा उनमें से कुछ अफसरों को विभिन्न जिलों से राज्य की राजधानी में ला रहे हैं।

सर्वविदित है कि अशोक गहलोत अफसरशाहों के माध्यम से राज्य, सरकार विभिन्न मंत्रियों तथा मंत्रालयों पर नियंत्रण रखते आये हैं तथा यह रवैया राज्य के राजनेताओं के लिए चिंता का विषय रहा है।

- **नये पुराने मंत्रियों पर, सख्त निगाह रखने के लिए मु.मंत्री सही अफसर, सही मंत्री के साथ लगायेंगे।**
- **जैसा कि विदित ही है, मु.मंत्री गहलोत राज्य में प्रशासन पर सख्त नियंत्रण रखते आए हैं। इसी प्रवृत्ति के अधीन अब मंत्रियों पर शिकंजा टाइट रखने के लिए मु.मंत्री सरकारी अधिकारियों का पुनः उपयोग करेंगे।**

मेघालय में एक और झटका लगा कांग्रेस को

सत्रह विधायकों में से 12 ने कांग्रेस छोड़ कर तृणमूल में शामिल होने की घोषणा की

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25नवम्बर। कांग्रेस को गुरुवार को उस समय एक बार फिर जबरदस्त धक्का लगा, जब पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा के नेतृत्व में पार्टी के 17 में से 12 विधायकों ने अपने इस निर्णय की घोषणा कर दी कि वे ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। इस घटना के बाद, कांग्रेस मेघालय विधानसभा में तीसरे नम्बर पर पहुँच गई है, जबकि टी.एम.सी. मुख्य विपक्षी दल के रुप में उभरने की स्थिति में आ गई है।

कांग्रेस को अलविदा कहने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। रायबरेली सदर से पार्टी-विधायक अदिति सिंह जो गांधी परिवार के निकटस्थ मानी जाती थीं, भी बुधवार को भाजपा में शामिल हो गई थीं।

नेताओं के कांग्रेस छोड़कर जाने के संबंध में दो मुद्दे प्रासंगिक हैं। पहला, पार्टी छोड़कर जाने वाले लोग आदतन पार्टी बदलते रहने वाले लोग नहीं हैं, जो किसी भी महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी बदल लिया करते हैं। ऐसी स्थितियाँ नगण्य रही हैं। दूसरा, जो लोग इस समय पार्टी छोड़ रहे हैं, उनके निकट भविष्य में पार्टी में वापस आने की कोई संभावना नहीं है।

कांग्रेस के अधिकांश असंतुष्टों ने अपने लिये उसी पार्टी को चुना है, जो खुले मन से उनका स्वागत कर रही है- यानी, तृणमूल कांग्रेस। 2024 के संसदीय चुनावों में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुख्य चुनौती देने वाले विपक्षी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इस पलायन का एक मतलब यह भी है कि, पार्टी छोड़कर जाने वाले इन विधायकों में से शायद ही कोई शीघ्र ही कांग्रेस में पुनः लौटेगा।**
- **पर एक सवाल यह भी उठ रहा है कि, जिस गति से ममता देश के विभिन्न राज्यों में अपना पार्टी का बोर्ड लगाने के प्रयास में हैं, उसी तरह केजरीवाल की भी दिल्ली में सरकार बना लेने के बाद, पंजाब, गुजरात आदि प्रदेशों में पार्टी का विस्तार करने की महत्वाकांक्षा थी तथा उन्होंने मोदी के खिलाफ बनारस से चुनाव भी लड़ा था, पर ये प्रयास विफल होने के बाद वे दिल्ली में सिमट कर रह गये थे। कहीं ममता बनर्जी का भी यही हश्र तो नहीं होगा।**

त्रिपुरा म्युनिसपल चुनाव

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। त्रिपुरा में गुरुवार को नगरीय चुनाव शुरु होने के दिन ही सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय से कहा कि 20 नगरपालिकाओं में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सैन्ट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्स (सी.ए.पी.एफ.) की दो टुकड़ियां भेजी जाएं।

जस्टिस डी. वाय. चन्द्रचूड़ और विक्रम नाथ की बैंच ने गुरुवार को केन्द्र को और भाजपा शासित त्रिपुरा सरकार को निर्देश दिया कि मतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए।

कोर्ट का आदेश विपक्षी पार्टियों, जिनमें तृणमूल भी शामिल है,के इन दावों के बीच आया है कि भाजपा कार्यकर्ता उनके प्रत्याशियों को धमका रहे हैं और मतदाताओं को मतदान केन्द्र नहीं जाने दे रहे है। नकाबपोश धारी लोगों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **सुप्रीम कोर्ट ने गृह मंत्रालय को तुरन्त केन्द्रीय पुलिस की दो और कंपनी भेजने के आदेश दिये।**

सोनिया गांधी ने ममता बनर्जी से मिलने से इंकार किया

सोनिया गांधी की अध्यक्षता में आयोजित कांग्रेस के "फ्लोर नेताओं" की बैठक में वातावरण ममता बनर्जी के खिलाफ था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25नवम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस प्रकार कांग्रेस नेताओं को तोड़कर अपनी तृणमूल कांग्रेस की ताकत बढ़ा रही हैं उसकी वजह से नाराज़ कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ममता के इस सप्ताह के दिल्ली प्रवास के दौरान उनसे मिलने से मना कर दिया। किन्तु ममता ने सोनिया के इंकार को कोई खास महत्व न देते हुये कहा कि जरुरी नहीं है कि वे (ममता) जब भी दिल्ली आयें तो हर बार सोनिया से मिलें।

तृणमूल और कांग्रेस के बीच तनावपूर्ण समीकरणों के चलते, सोनिया ने वरिष्ठ पार्टी नेता कमलनाथ तथा आनन्द शर्मा के साथ अलग-अलग मीटिंग की, ताकि यह पता लगे कि आखिर ममता क्या चाहती हैं, क्योंकि उनकी करतूतें उस विपक्षी एकता में दरार डाल रही हैं, जिसकी सोमवार से शुरु हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में अत्यधिक जरुरत है ताकि कृषि कानूनों को रद्द किये जाने के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा जा सके।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि सोनिया, ममता से इसलिये भी रुष्ट हैं कि वे बुधवार को यहां भाजपा नेता डॉ. सुब्रमन्यम स्वामी (82) के साथ एक किस्म का मेल-जोल दिखा रही थीं, हालाँकि उन्होंने आनन्द शर्मा के माध्यम से सोनिया तक यह बात पहुँचा दी थी कि डॉ. स्वामी खुद मिलने आए थे, तथा उन्हें कभी भी अपनी तृणमूल कांग्रेस में लेने का प्रश्न ही नहीं है।

सोनिया गांधी ने गुरुवार शाम को अपने निवास 10, जनपथ पर एक रणनीतिक मीटिंग ली। सोनिया की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में उन मुद्दों पर चर्चा हुई, जिन पर संसद सत्र में ध्यान केन्द्रित करना होगा। मीटिंग में राहुल गांधी की समझदारी भरी यह बात छाई रही कि हो सकता है कि विपक्षी दलों के सिद्धान्त तथा रुख भिन्न हों, लेकिन सभी विपक्षी दलों का कॉमन लक्ष्य है- आपस में नहीं, भाजपा से लड़ना।

कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन के रुप में, सोनिया गांधी ने संसद के दोनों सदनों के पार्टी नेताओं की मीटिंग बुलाई थी। नेतागण इस बात पर सहमत थे कि कांग्रेस नेताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर, राहुल गांधी ने समझाने-बुझाने का काम किया और कहा कि, अभी भाजपा के खिलाफ एक जुट होकर लड़ने का समय है, अतः ममता द्वारा चुभोई जा रही सुई से ज्यादा विचलित न हों। केवल भाजपा को हराने के लिए पूर्ण प्रयास करें, छोटी-छोटी बातों से विचलित न हों।**

संधू के खिलाफ केस वापस

जयपुर, 25 नवम्बर (का.सं.)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत एकल पट्टा प्रकरण से जुड़े मामले में पूर्व आईएएस जीएस संधू और और पूर्व आरएएस निष्काम दिवाकर सहित आरएएस औंकार मल सैनी के खिलाफ केस वापस लेने की राज्य सरकार की अर्जी पर शुक्रवार को फैसला देगी।

राज्य सरकार की ओर से पेश अर्जी में कहा गया कि राज्य स्तरीय कमेटी ने इन तीनों के खिलाफ केस वापस लेने की सिफारिश की है। एसीबी ने भी अनुसंधान में माना है कि मामले में विवादित भूमि सरकारी नहीं है। ना तो मूल पट्टेधारियों और ना ही राज्य सरकार या जेडीए ने एसीबी में कोई शिकायत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राज्य सरकार ने ए. सी. बी. मामलों की विशेष अदालत में संधू सहित तीन अफसरों के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार का केस वापस लेने की अर्ज़ी दी है, जिसका शुक्रवार को फैसला होगा।**

'क्या हर दिल्ली यात्रा के दौरान सोनिया गांधी से मिलना संवैधानिक अनिवार्यता है'

ममता बनर्जी का एक पत्रकार के सवाल पर यह तीखी प्रतिक्रिया देना, शायद संकेत है कि अगले आम चुनाव में कांग्रेस के साथ कोई भी गठबंधन की संभावना नहीं है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। अब यह अधिकारिक हो गया है। तृणमूल कांग्रेस वर्ष 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में औपचारिक रुप से कांग्रेस से संबंध तोड़ रही है, यह बात तब साफ हो गई, जब ममता बनर्जी ने अपनी एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में एक संवाददाता से पलटकर प्रश्न किया: क्या सोनिया गांधी से भेंट करना अनिवार्य है? क्या यह एक संवैधानिक जरुरत है?

उन्होंने जिस उत्साह के साथ यह विपरीत प्रश्न-पूछा, उससे अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर के विपक्ष में कांग्रेस के प्रति उनकी नापसंदगी प्रदर्शित होती है।

लेकिन इसी दौरान उनकी टीम मेघालय में नेताओं का दलबदल करवाने के काम में जोर-शोर से लगी हुई थी, जो बाद में सामने आ गया।

आज, गुरुवार को ममता ने सबसे क्रूरतम प्रहार किया। तृणमूल कांग्रेस ने मेघालय के कांग्रेस विधायकों का एक बड़ा दल-बदल करवाया।

मेघालय में, कांग्रेस अब तक मुख्य विपक्षी पार्टी थी। अब कांग्रेस के 12 विधायकों में तृणमूल में शामिल हो जाने के बाद, यहां तृणमूल मुख्य विपक्षी दल बन गया है।

यह उसकी तस्दीक है, जिसके बारे में तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी एक लम्बे अर्से से सोचती रही हैं। मेघालय में मुख्य विपक्षी दल बनने के बाद ममता को अब यह कलंक नहीं ढोना पड़ेगा कि उनकी पार्टी सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित एक राज्य स्तरीय पार्टी मात्र है।

इस घटनाक्रम का परिणाम यह है कि अगले लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा को अधिकतम राजनीतिक बढ़त सुनिश्चित हो गयी है। वास्तव में वे देश में कहीं भी कांग्रेस पार्टी के लोगों को अपनी पार्टी में शामिल करने के उद्देश्य को लेकर चलती रही हैं। उनका उद्देश्य कांग्रेस को तबाह कर उसका स्थान ग्रहण करना है।

इससे पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी में राजनीतिक कुशाग्रता का अभाव है, जिसकी वजह से ममता बनर्जी विभिन्न राज्यों में कांग्रेस पर सामने से प्रहार कर सकीं।

पर एक बात साफ है कि सिर्फ बेलगाम लोग ही तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, जिन्हें या तो उनकी पार्टी से बाहर किया गया या वे अपनी जमीन कहीं अन्य तलाश रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर आसानी से देखा जा सकता है कि, ममता बनर्जी को संभवत: विपक्षी एकता के चेहरे के रुप में आत्मसात नहीं किया जाएगा। लेकिन अन्तत: वे एक ऐसी राज्य स्तरीय नेता बनकर रह जाएंगी जिनका अन्य कहीं भी जनाधार नहीं होगा।

भाजपा के मजबूत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव का मजबूत प्रदर्शन टी.एम.सी. के नॉथ इंडिया में पैर जमाने की संभावना पहले ही खत्म कर देगा।

अशोक तंवर कोई वास्तविक नई शुरुआत करने के बजाए राहुल गांधी द्वारा साइड लाइन किए जाने के कारण एक बार फिर से बैरभाव दर्शा रहे हैं। बिहार में जद (यू) के पूर्व नेता अपनी पसंद की पार्टी में पृष्ठभूमि में धकेल दिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इसी संदर्भ में मेघालय में कांग्रेस के 12 विधायकों को तृणमूल ने अपनी पार्टी में शामिल किया।**
- **यह घटनाक्रम ममता बनर्जी का राष्ट्रीय नेता के रुप में उभरने की दिशा में ठोस कदम है, पर इसका सीधा लाभ भाजपा को होगा।**
- **अब इस घटनाक्रम के बाद ममता बनर्जी की विपक्ष के सर्वमान्य नेता के रुप में उभरने की संभावना भी खत्म हो गयी।**
- **इस घटनाक्रम के बाद विपक्ष का भाजपा के खिलाफ संगठित होने का "चांस" भी अगर खत्म हो जाता है, तो इसका सीधा लाभ भाजपा को ही मिलेगा।**

'शहीद हुए आंदोलनकारियों को मुआवजा दें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। किसान-आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम.) ने गुरुवार को अपील जारी की है कि 26 नवम्बर को दिल्ली की सीमाओं तथा राज्यों की राजधानियों में शान्तिपूर्ण प्रदर्शन किया जायेगा तथा शुक्रवार को अपना एक वर्ष पूरा कर रहा ये संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस नहीं ले लेती तथा उन आधा दर्जन माँगों को स्वीकार नहीं कर लेती, जो इस सप्ताह के शुरु में प्रधानमंत्री को लिखे गये पत्र में उठाई गईं थी।

एस.के.एम. ने कहा है कि हजारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **संयुक्त किसान मोर्चा ने यह मांग उठायी, तथा 26 नवम्बर को दिल्ली बॉर्डर पर शान्ति पूर्ण तरीके से प्रदर्शन की योजना बनाई।**

विचार बिन्दु

आत्मा एक चेतन तत्त्व है, जो अपने रहने के लिए उपयुक्त शक्ति का आश्रय लेता है और एक शरीर से दूसरे शरीर में जाता है। भौतिक शरीर इस आत्मा को धारण करने के लिए विवश होता है। –गेटे

अतिथि तुम कब जाओगे!

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों कृषि कानूनों को एक पक्षीय (इक तरफा) वापिस लेने की घोषणा की है और कहा है एमएसपी यथावत रहेगी। एक पक्ष का कहना है कि यह मोदी का सही व साहसिक कदम है। उनका यह भी कथन है कि विवादों को निपटाने का यह भी एक रास्ता था। कुछ का कथन है कि वे विलम्ब से आये, किन्तु दुरूस्त आये। अन्य का कहना है कि पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों से ठीक पहले कृषि कानूनों को वापिस लेने की घोषणा चुनावों की नाटकबाजी है। यूपी आदि राज्यों में चुनावों की हार को देखते हुये घबराकर मोदी ने यह कदम उठाया है। कई लोगों ने यह आरोप लगाया है कि घटना सरकार के हृदय परिवर्तन की नहीं है अपितु राजनीतिक फायदे-नुकसान को देखकर लिया गया निर्णय है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा माफी मांगने मात्र से किसी का भला नहीं होगा अपितु उनका भला तो जब होगा तब वे एमएसपी पर कानून बनायें और उनकी अन्य मांगों को भी पूरा करें तथा स्वामी नाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करें। कृषि विशेषज्ञ देविन्दर शर्मा ने स्पष्ट किया कि एमएसपी (Minimum Support Price) पर कानून बनाने से सरकार को नुकसान नहीं होगा अपितु किसानों को उनकी कीमत की गारन्टी मिलेगी। एक अन्य बात भी उन्होंने समझाने का प्रयत्न किया कि एमएसपी पर पूरा माल सरकार को ही खरीदना पड़ेगा यह कहना उचित नहीं है। इसका अर्थ है कि कोई भी खरीददार एमएसपी की दर से कम में अनाज को खरीद नहीं सकेगा। भारत सरकार के जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सरकार एमएसपी रेट पर अनाज खरीद रही है। अभी तक सरकार 260 लाख टन धान व 433 लाख टन गेंहू खरीद चुकी है। वरिष्ठ लेखक डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने कहा है ''75 साल बाद भी एमएसपी पर खरीद कुछ फसलों तक की सीमित है। वहीं एमएसपी को युक्ति संगत बनाना आवश्यक है।'' अनिल धनबाद जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति के सदस्य हैं उनकी राय है कि एमएसपी के लिये कानून बना तो उससे किसानों को नुकसान होगा।

मोदी की घोषणा के बाद आन्दोलनकारी किसान फिलहाल आन्दोलन समाप्त कर हटने को तैयार नहीं हैं। लखनऊ में हुई किसान महापंचायत ने अपने निर्णय में कहा आन्दोलन का कार्यक्रम निर्धारित कार्यक्रम से चलता रहेगा, जब तक उनकी मांगें पूरी स्वीकार नहीं की जावे वे नहीं हटेंगे। उनकी प्रमुख 6 मांगे इस प्रकार हैं:-

(1) खेती की सम्पूर्ण लागत पर एमएसपी की कीमत सभी सभी कृषि उपज पर लागू हो (यहां यह लिखना समीचीन होगा कि पंजाब में केन्द्रीय सरकार के कानून को संशोधित कर केवल धान व गेंहू पर एमएसपी की बात की है, और अपना कानून बनाया है। पंजाब विधान सभा द्वारा पारित कानून की तर्ज पर ही राजस्थान राज्य ने अपना कृषि कानून बनाया है राज्य ने सात अनाजों पर एमएसपी लागू की है एक कानून का नाम ''कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन व सरलीकरण) (राजस्थान संशोधन) अधिनियम 2020 उसके उद्देश्य व कारणों में जो कथन है उसके अनुसार कृषि कानून सम्वर्तित सूची की अनुसूची के अनुरूप है उसमें केन्द्र के कानून में सुधार के प्रस्ताव को स्वीकार किया है और इन्हें समवर्ती सूची का विषय समझा है और राज्यों को और केन्द्र दोनों को अनुच्छेद 254(2) के अनुसार कानून बनाने का अधिकार है।

(2) विद्युत अधिनियम संशोधन विधेयक 2020-21 का ड्राफ्ट वापिस लिया जावे।

(3) कानून में किसानों को सजा का प्रावधान समाप्त हो (पराली के बाबत)

(4) आन्दोलन के दौरान किसानों पर हुये केस विद्ड्रो हों।

(5) आन्दोलन में जिन 700 किसानों ने शहादत दी उन किसानों के परिवार को मुआवजा व पुर्नवास की व्यवस्था। शहीद किसानों की स्मृति में उनके स्मारक बनाने के हेतु भूमि दी जावे।

(6) लखीमपुर खीरी हत्याकाण्ड के सूत्रधार केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त किया जावे।

आन्दोलनकारी किसानों ने घोषणा की है कि वे आन्दोलन को बंद नहीं करेंगे बातचीत सड़कों पर ही होगी। बिना सभी मांगों को माने वे नहीं हटेंगे। जब तक एमएसपी का कानून नहीं बनेगा वे आन्दोलन चालू रखेंगे। जनता सब कुछ देख रही है। सरकार भी अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट नहीं कर रही है।

यह सत्य है किसान को अपनी उपज की श्रमिक को उसके श्रम की वास्तविक कीमत मिलनी चाहिये। यह भी सत्य है कि गरिमामय जीवन जीने के लिये जितनी आवश्यकता है उतनी मजदूरी लाभ व वेतन प्रत्येक नागरिक को प्राप्त करना चाहिये। यह भी सत्य है कि देश जिस तरह विकासशील देश के स्थान पर विकसित देश बनने जा रहा है, उसके अनुसार न्यूनतम वेज के स्थान पर Fair Wage. हम तो कम से कम अवश्य मिले। यह भी सत्य है कि अपनी जायज मांग के हेतु अहिंसक आन्दोलन करना भी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने अभी कुछ निर्णयों में स्पष्ट कर दिया है कि आन्दोलन करना तो अधिकार कर किन्तु आन्दोलन के हेतु सड़कों को रोकना उचित नहीं है तथा अपने मूल अधिकारों की सुरक्षा के हेतु आप अन्य के मूल अधिकार का हनन नहीं कर सकते।

संविधान के अनुसार केन्द्र के अधिकार क्षेत्र के कानून बनाने का अधिकार संसद को है और उसे निरस्त (Repeal) करने का अधिकार भी संसद को है और ये दोनों कार्य संसदीय प्रणाली के अनुसार होने चाहिये न कि दबाव और आन्दोलन के भय से। यही कारण है कि तीनों कानूनों को वापिस लेने की मोदी की घोषणा का अर्थ था सरकार संसद में इन कानूनों का (Repeal) करने हेतु बिल लेकर आयेगी और फिर कानून वापिस होगा। साधारण रूप से संसद द्वारा कानून को वापिस (Repeal) उस समय लिया जाता है जब उसका अभिप्राय समाप्त हो जावे, या वह किसी महत्व का नहीं रहे, या वह अवैध हो। किन्तु यहां तो तीनों कानूनों की वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी हुई है और याचिका वहां जेरकार (Pending) है। उन केसेज में प्रार्थना थी कि इन्हें निरस्त किया जावे, क्योंकि केन्द्र ने कानून बनाकर राज्यों के अधिकार क्षेत्र में दखल किया है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस कानूनों का विषय राज्य सूची का विषय है जबकि पंजाब व राजस्थान ने जो अपने अपने कृषि कानून बनाये हैं, उनमें बिल के उद्देश्यों में स्पष्ट तौर पर यह माना है कि ये केन्द्र के कानूनों में राज्य द्वारा संशोधन कर बनाये हैं। राजस्थान ने राज्य के हेतु कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य संवर्धन व सरलीकरण राजस्थान संशोधन अधिनियम 2020 बनाया है उसके उद्देश्यों में राज्य सरकार ने स्वीकार किया है कि उसने केन्द्र के कानून में संशोधन किया है और अनुच्देद 254(2) के अनुसार राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित रखा गया है। वस्तुत: इन्हें गवर्नर के माध्यम से राष्ट्रपति के पास भेजा गया है। राजस्थान व पंजाब की स्थिति समान है।

संविधान के अनुसार यदि केन्द्र सरकार पहले कानून बनाती है तो राज्य सरकार कानून में संशोधन कर बना सकती है किन्तु वह कानून उस समय वैध होगा जब उस पर प्रेसीडेन्ट महोदय की असेन्ट (स्वीकृति) ली गई हो। कृषि कानून को पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ राज्य ने बनाये हैं उन्हें भी प्रेसीडेन्ट महोदय को भेजा हुआ है। इसका प्रावधान संविधान के अनुच्देद 254(2) में किया गया है। यदि इन पर अनुमति प्राप्त होगी तो राज्य के कृषि कानून स्वत: लागू हो जाता और केन्द्र का कानून स्वत: रिपील हो जाता।

हमारे सामने कृषि कानूनों को लेकर एक अन्य विषय भी है कि केन्द्र के तीनों कृषि कानून संसद द्वारा पारित किये गये हैं, फिर क्या संसद के कानून को सड़कों पर आन्दोलन कर समाप्त किया जा सकता है। सार्वजनिक मार्गों को रोको आन्दोलन करो पब्लिक को परेशान करो, सरकार को झुकाओ और सरकार को कानून की विद्ड्रो करने पर विवश कर दो। किसानों ने आन्दोलन किया और मोदी ने बाध्य समय की नजाकत को देखते हुये जनहित में इसे वापिस लेने की घोषणा कर दी वह भी 12 माह से अधिक समय में कुछ लोगों ने इसे उचित माना और अन्य ने इसका राजनैतिक करण कर दिया। तीनों कृषि कानूनों को वापिस लेने की मोदी की घोषणा को केबिनेट की स्वीकृति मिल गई है और बिल भी संसद में पेश होगा किन्तु इसका विपरीत असर भी हो सकता है। यह उदाहरण बन सकता है। ओवैसी ने एक केन्द्रिय कानून को रिपील करने हेतु आन्दोलन करने की घोषणा करदी है और इसी प्रकार अन्य नेता भी कानून की वापसी की मांग कर सकते हैं। मन्दिर-मठों को सरकारी नियन्त्रण से मुक्त कराने के हेतु साधु-सन्तों ने कानून बनाने की मांग की और चेतावनी दी है कि किसान जब रास्ता रोककर ऐसा कर सकते हैं तो फिर साधु-सन्त क्यों नही?

यहां एक और भी प्रश्न उठता है हम कृषि कानूनों की वापसी से क्या सबक लेना चाहते हैं? तीनों कृषि कानूनों के पारित होने की प्रक्रिया को देखें तो स्पष्ट होगा कि ये कानून वस्तुत: बिना विचार व विमर्श के तथा राज्य सभा संसद में बिना बहस के बाद पारित हुये। वस्तुत: ऐसे कानूनों को जो जनता की जिन्दगी पर प्रभाव डाल सकते हैं अध्यादेश द्वारा नहीं लाना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट ने अभी कुछ समय पूर्व यह नसीहत दी थी कि जब बिल बिना बहस के तथा अस्पष्ट ड्राफ्टिंग के पास होते हैं तो उनके सही Interpretation पर दिक्कत आती है।

आन्दोलनकारी किसानों ने घोषणा की है कि वे आन्दोलन को बंद नहीं करेंगे बातचीत सड़कों पर ही होगी। बिना सभी मांगों को माने वे नहीं हटेंगे। जब तक एमएसपी का कानून नहीं बनेगा वे आन्दोलन चालू रखेंगे। जनता सब कुछ देख रही है। सरकार भी अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट नहीं कर रही है।

आन्दोलनकारी किसान हमारे अतिथि हैं हम यह कहने की हिम्मत भी नहीं कर पा रहे हैं ''अतिथि तुम कब जाओगे''।

–अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

संविधान दिवस पर विशेष

संस्कृति से जुड़ा हमारा संविधान

संविधान विधान भर नहीं है। यह भारतीय संस्कृति है। इसलिए कि भारतीय संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है, हमारी जो उदात्त जीवन परम्पराएं हैं- संविधान उसे एक तरह से व्याख्यायित करता है। मैं यह मानता हूं कि राष्ट्र कोई भू-भाग भर नहीं होता है।देश को विचार संज्ञा में देखने का अर्थ ही है, ऐसा राष्ट्र जिसमें स्त्री-पुरूष में, जाति और धर्म के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। जहां अनुभव और ज्ञान सहभागी हैं। सारे विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सूत्र के साथ अपना परिवार मानने का संदेश हमारे राष्ट्र ने दिया है। हमारा संविधान इस उदात्त विचार का एक तरह से लिखित रूप है। संविधान का मूल, हमारी वह महान परम्परा है, जिसमें कहा गया है-

'लोका: समस्ता सुखिनो भवतु'

लोक कल्याण में ही सबका सुख निहित है। संविधान का मूल आधार यही परम्परा है। संविधान को इसीलिए मैं भारतीय संस्कृति से अभिहित करता हूं।

भारत असल में राज्यों का संघ है। देश जब स्वतंत्र हुआ तो सबसे बड़ी चुनौती हमारे समक्ष यही थी कि कैसे कम समय में इस विशाल देश के संविधान का निर्माण किया जाए। संविधान निर्माण के लिए बनी सभा के अथक प्रयासों से 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन तक निरंतर परिश्रम के बाद परिष्कृत होकर देश का संविधान भारत की जनता के सामने आया। संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष के तौर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की नियुक्ति हुई थी। दुनिया के सभी संविधानों को बारीकी से परखने के बाद हमारे संविधान को देश की विविधता की हमारी सामाजिक संस्कृति और समाज को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार कर लागू किया गया।

यह बहुत महत्वपूर्ण है कि संविधान के मूल प्रारूप में भारतीय संस्कृति का कलात्मक चित्रण है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आग्रह पर शांतिनिकेतन के कलागुरू नंदलाल बोस ने संविधान में कलात्मक चित्र उकेरे। राजस्थान के कलाकार श्री कृपाल सिंह शेखावत ने भी संविधान प्रारूप के कलात्मक स्वरूप में योगदान किया। महर्षि अरविंद के आध्यात्मिक राष्ट्रवाद, वैदिक काल से 20वीं सदी तक की सनातन भारतीय परम्परा, भारतीय

सभ्यता के आधारभूत ढांचे की समझ के साथ रामायण, महाभारत और भारतीय संस्कृति से महान परम्पराओं का संविधान के प्रारूप में विशेष चित्रण किया गया है।

मैंने संविधान का जितनी भी बार अध्ययन किया, यह पाया है कि देश के आदर्शों, उद्देश्यों व मूल्यों का यह संचित प्रतिबिंब है। मानवीय अधिकारों और कर्तव्यों का एक तरह से हमारा संविधान वैश्विक दस्तावेज है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी की यह बात मुझे सदा याद आती है कि कर्त्तव्यों के हिमालय से ही अधिकारों की गंगा बहती है। संविधान हमें अधिकारों और कर्त्तव्यों के संतुलन की सीख देता है।

संविधान की प्रस्तावना में इसकी शक्ति सीधे जनता में निहित की गयी है। संविधान उद्देशिका के 'हम भारत के लोग' शब्दों से लोकतंत्र का आदर्श स्वत: स्पष्ट होता है। मैं यह मानता हूं कि 'हम भारत के लोग' केवल वाक्य भर नहीं हैं। यह हमारी महान भारतीय संस्कृति का एक तरह से जीवन दर्शन है।

मैंने राजस्थान में राज्यपाल बनने के बाद अपनी सबसे पहली प्राथमिकता विश्वविद्यालयों में संविधान पार्कों के निर्माण की रखी। इसके पीछे उद्देश्य यही रहा है कि देश की जो नई पीढ़ी है, युवा-जनमानस है-उसमें संविधान के प्रति आस्था और विश्वास जागृत हो। मुझे इस बात की प्रसननता है कि राजस्थान के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क बनाए जाने की मेरी मंशा पूरी हो रही है। मैं चाहता हूं, भारत के प्रत्येक नागरिक में यह आस्था बनी रहे।

संविधान और शासन की मूलकार्य प्रणाली को लोकतांत्रिक स्वरूप देते हुए हमने अपने देश को सच्चे अर्थों में गणतंत्र या रिपब्लिक घोषित किया है। गणतंत्र का तात्पर्य उस शासन व्यवस्था से है जिसका संवैधानिक मुखिया जनता के द्वारा चुना जाता है। भारत में संसदीय शासन व्यवस्था हैं इसीलिए राष्ट्रपति भारतीय गणतंत्र के सर्वोच्च नायक हैं।

26 जनवरी 1950 से शुरू हुई भारतीय गणतंत्र की यात्रा में भारत ने संसार में सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है। संविधान में इसीलिए व्यावहारिक मौलिक अधिकार, कर्त्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व दिए गये हैं।

भारतीय संस्कृति कर्म प्रधान संस्कृति है। समय के जो परिवर्तन होते हैं, उन सभी को स्वीकार करते हुए निरंतर इसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा पर बल है। संविधान इसी की हमें निरंतर प्रेरणा देता है। भारतीय संविधान समता आधारित ऐसी व्यवस्था है जिसमें सभी को निर्भय रहते उच्च आदर्शों का जीवन जीने पर ही जोर दिया गया है। संविधान दिवस पर आईए, हम सभी महान संविधान निर्माताओं को नमन करते हुए लोककल्याण और लोकआराधन के कार्यों के साथ राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के सहभागी बनें।

कलराज मिश्र,
राज्यपाल, राजस्थान

संविधान दिवस पर विशेष

शासन में सर्वाधिक प्रभाव है, संविधान के अधिनियम 1935 के 250 अनुच्छेदों का

ब्रिटिश सरकार ने द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद जुलाई 1945 में भारत के संबंध में अपनी नई नीति घोषित की। भारतीय संविधान सभा गठन के लिए एक तीन सदस्यीय कैबिनेट मिशन भारत भेजा। 15 अगस्त 1947 को भारत आज़ाद होने के बाद संविधान सभा की घोषणा हुई। संविधान सभा के लिए 389 सदस्य चुने गए। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद एवं संविधान सभा प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर चुने गए।

भारतीय संविधान सभा ने कुल 12 अधिवेशन किए तथा अंतिम दिन 284 सदस्यों ने इस पर हस्ताक्षर किए। संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए 166 दिन बैठकें कीं। इन बैठकों में प्रेस और जनता को भाग लेने की स्वतन्त्रता थी। इस संविधान में सर्वाधिक प्रभाव भारत शासन अधिनियम 1935 का है। इसमें लगभग 250 अनुच्छेद इस अधिनियम से लिए गए हैं।

26 नवम्बर 1949 को यह संविधान पारित हुआ। इस दिन को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। भारत के संविधान

- **भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा लिखित संविधान है**
- **उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधान परिषद हैं**

का मूल आधार अधिनियम 1935 को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के गणतान्त्रिक देशों का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। भारतीय संविधान में वर्तमान में केवल 395 अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियाँ हैं और ये 25 भागों में विभाजित हैं। इसके निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित थे, इसमें केवल 8 अनुसूचियाँ थीं।

भारतीय संविधान में सरकार के संसदीय स्वरूप की व्यवस्था की गई है। जिसकी संरचना कुछ अपवादों के अतिरिक्त संघीय है। भारत के संविधान की धारा 79 के अनुसार, केन्द्रीय संसद परिषद में राष्ट्रपति तथा दो सदन हैं जिन्हें राज्यों की परिषद राज्यसभा तथा लोगों का सदन लोकसभा के नाम से जाना जाता है।

भारतीय संविधान की धारा 74 (1) में यह व्यवस्था की गई है कि राष्ट्रपति की सहायता करने तथा उन्हें परामर्श देने के लिए मंत्री परिषद के प्रमुख प्रधानमन्त्री हैं। राष्ट्रपति इस मन्त्रिपरिषद की सलाह के अनुसार अपने कार्यों का निष्पादन करते हैं। इस प्रकार वास्तविक कार्यकारी शक्तियां मन्त्रिपरिषद में निहित है जिसके प्रमुख प्रधानमन्त्री हैं। मन्त्रि परिषद सामूहिक रूप से लोगों के सदन लोक सभा के प्रति उत्तरदायी है। प्रत्येक राज्य में एक विधानसभा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक ऊपरी सदन है, जिसे विधान परिषद कहा जाता है।

राज्यपाल राज्यों के प्रमुख हैं। प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल है। राज्य की कार्यकारी शक्तियां उनमें निहित हैं। मन्त्रिपरिषद के प्रमुख मुख्यमन्त्री हैं। वे राज्यपालों को उनके कार्यकारी कार्यों के निष्पादन में सलाह देते हैं। राज्यों के मन्त्रिपरिषद राज्यों की विधानसभाओं के प्रति उत्तरदायी हैं। संविधान की सातवीं अनुसूची में संसद तथा राज्य विधायिकाओं के बीच विधायी शक्तियों का वितरण किया गया है। अवशिष्ट शक्तियाँ संसद में विहित हैं। केन्द्रीय प्रशासित भू-भागों को संघराज्य क्षेत्र कहा जाता है।

अम्बेडकरवादी विचारधारा और बौद्धों द्वारा कई दशकों पूर्व से संविधान दिवस मनाया जाता रहा है। भारत सरकार द्वारा पहली बार 26 नवम्बर 2015 को संविधान दिवस मनाया गया। संविधान दिवस पर संविधान के महत्व और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और अवधारणाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

बेटी को घोड़ी पर बैठाकर दिया समानता का संदेश

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत पाथरेडी में बेटी पिंकी के शादी के अवसर पर बान-बनवारों में घोड़ी पर बैठाकर समानता का संदेश दिया। भाई विकास, राहुल तथा रजकेश मीणा ने बताया कि पिंकी वर्तमान में बीएससी व एमएससी फाइनल कर चुकी है। हमारे परिवार में कभी भी लड़का-लड़की में भेदभाव नहीं किया गया। हमारी बहन के लिए भी बेटों की तरह शिक्षा-दिक्षा से लेकर शादी तक समानता का दर्जा रखा है। पिंकी के पिता संतकुमार मीणा ने बताया की घोडी से बिंदौरी निकालने का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता का दर्जा देना है।

मुंबई में आतंकी हमले की कहानी चश्मदीद कमांडो राव हिम्मतसिंह की जुबानी

पिण्डवाड़ा, (निसं)। मुंबई में मारकोस कमांडो टीम का हिस्सा रहे हिम्मतसिंह राव मूलत सिरोही जिले के पिंडवाडा उपखंड क्षेत्र के बसंतगढ़ के रहने वाले है । कमांडो राव हिम्मतसिंह 18 साल के थे। तब 1999 में बतौर इंजीनियरिंग मैकेनिक भारतीय नेवी में शामिल हुए। कम समय में ही 2004 में वे सबसे जांबाज माने जाने वाले मारकोस कमांडो के लिए क्वालिफाइ हुए व मार्कोस बने । कहीं प्रकार के कठिन प्रशिक्षणों के साथ स्नाइपर, माउंटेनियरिंग बेसिक व एडवांस की ट्रेनिंग भी ली। वर्ष 2014 में सेना से सेवानिवृत्ति के बाद दो साल उदयपुर में रहकर आरएएस की तैयारी की। वे चित्तौड जिले के कपासन में आबकारी निरीक्षक के पद पर भी रह चुके है। दोबारा आरएएस की परीक्षा देकर तहसीलदार सेवा के लिए चयनित हुए। राव ने 26 नवम्बर 11 की 14 वीं बरसी पर अपने अनुभव साझा किए।

राव ने बताया कि 26 नवंबर 2008 रात करीब 9.30 बजे थे। मारकोस कमांडो टीम के रूप में हमारी पोस्टिंग नवी मुंबई के पास आइलैंड में थी। अचानक टीवी ब्रेकिंग न्यूज फ्लैश होती है। मुंबई में फिर गैंगवार। कई लोगों के मरने की खबर। कुछ देर बाद पता चला कि यह गैंगवार नहीं, आतंकी हमला है। गेट वे आफ इंडिया के पास लियो पार्ड केफे, होटल ताज, होटल ट्राइडेन्ट, व नरीमन हाउस इन जगहों पर आंतकियों ने अंधाधुंध फायरिंग के साथ कुछ जगहों पर लोगों को बंदी बना लिया। हम वह खबर सुनकर ही अलर्ट हो गए क्योंकि ऐसे मामलों में अकसर मारकोस को एप्रोच की जाती है।

10 से 15 मिनट में कॉल आ भी गई। मै तीसरी टीम का सदस्य था। जहां हमले हुए, वह जगह दूर थी। हमारी टीम समुद्री रास्ते से पहुंचती है। इसके बाद अलग-अलग जगह बंट गई। मार्कोस टीम होटल ताज व होटल ट्राइडेन्ट में घुसी । होटल ताज में टीम की दो बार आंतकियों से सीधी मुठभेड़ होती है। चूंकि वहां वीआईपी गेस्ट सहित कई लोग फंसे होते हैं, इसलिए हमारे लिए सीधी फायरिंग करना आसान नहीं था। हमारी प्रायोरिटी आतंकियों को और डेमेज करने से रोकना और सभी बंदियों को सही सलामत रिहा करवाना था। हम इसमें कामयाब रहे। रात 11.30 बजे से सुबह तक चले रेस्क्यू में हमने 175 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। होटल ताज में आतंकियों के ग्रेनेड, जिंदा कारतूस, हथियार और कुछ वस्तुएं बरामद कीं। हमारे एक कमांडो प्रवीण गम्भीर रूप से चोटिल हुए।

26 नवम्बर 11 का यह रेस्क्यू जीवन का सबसे महत्वपूर्ण व यादगार मिशन रहा, लेकिन ऐसे भीषण समय में खुद को बचाने के लिए क्या सोच रखा था? इस सवाल पर हिम्मतसिंह कहते हैं कि यह बात तो जहन में आती ही नहीं है। हमारे सामने सिर्फ और सिर्फ मिशन होता है। मार्कोस की तैयारी व हमारा साजो सामान इतना आला दर्जे का होता है कि वो किसी भी विपरीत परिस्थिति में कॉल मिलते ही निकल कार्यवाही करने में सक्षम होते हैं ।

हिम्मतसिंह राव ने बताया कि आतंकियों से मुठभेड के समय वे गेट वे आफ इंडिया पर अपनी स्नाईपर के साथ तैनात थे। ताकि कहीं से कोई आतंकी किसी भी रास्ते से भागने के मंसूबे को अंजाम ना दे सके। ताज होटल वहां से तीन सौ मीटर दूरी पर है। तब तक अंदर व बाहर दूर तक कई लोग जमा थे। जैसे ही उन्हें पता चला कि मारकोस कमांडो आ चुके हैं, वे नारे लगाते हुए हमारा उत्साह बढ़ाने लगे। मान लिया जैसे अब कोई खतरा नहीं। उनके चेहरों पर यह चमक देखी तो सुकून मिला। लगा जीवन का लक्ष्य पा लिया।

राशिफल शुक्रवार 26 नवम्बर, 2021

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2078, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 8:26 तक, ब्रह्म योग प्रात: 8:01 तक, विष्टि करण सायं 5:13 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 8:30 पर सिंह राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज रवियोग रात्रि 8:31 तक है। भद्रा सायं 5:13 तक है। आज संविधान दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:17 तक, लाभ-अमृत 8:17 से 10:55 तक, शुभ 12:14 से 1:33 तक, चर 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:54, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला हिंसा विरोधी दिवस पर रैली निकाली

भरतपुर, (निस) । रामेश्वरी देवी राजकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राश्ट्रीय सेवा योजना के तहत अन्तर्राष्ट्रीय महिला हिंसा विरोधी दिवस पर स्वयंसेविकाओं की रैली को मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धीरेन्द्र देवर्शि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली महाविद्यालय से रवाना होकर संग्रहालय, बिहारी जी मंदिर से होते हुए वापस महाविद्यालय परिसर पहुंची, इस दौरान छात्राओं ने " महिलाऐं हैं देश की तरक्की का आधार उनके प्रति बदलो अपने विचार ' एवं ' जब महिलाओं पर होने वाली हिंसा रूकेगी तभी देश, समाज और परिवार तरक्की करेगा आदि नारों से आसमान गुंजायमान किया। रैली के समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन्द्र देवर्शि ने महिला हिंसा के विरोध में तथा महिला सषक्तिकरण के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि महिलाऐं स्वयं शिक्षित होकर सशक्त तथा आत्मनिर्भर हो तभी वह देश उन्नति तथा वैभवशाली राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी का निर्वहन कर सकेंगी।

पाइपलाइन जगह-जगह लीकेज, लोगों ने प्रदर्शन किया

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर में पानी की पाइप लाइन जगह-जगह लीकेज होने से रास्तों में कीचड़ जमा है । इस समस्या से परेशान लोगों ने प्रदर्शन कर जलदाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की और जिला कलेक्टर से इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है ।

■ **जिला कलेक्टर से इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है**

हिण्डौन सिटी में पानी की पाइप लाइन जगह-जगह लीकेज होने से रास्तों में कीचड़ जमा होने का लोगों ने विरोध किया।

शहर निवासी मुकेश, दीपक, दिलीप, सचिन, मनीष, तनीश, जुगल, राजेश, महेश, दिनेश आदि ने प्रदर्शन कर आरोप लगाया है कि शहर में जलदाय विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते जगह-जगह पानी की पाइप लाइन लीकेज हो रही है । जिससे शहर की कॉलोनियों में रास्तों में पानी जमा हो रहा है । उन्होंने बताया कि रास्ते कीचड़ों में तब्दील हो चुके हैं। जिससे एक और लोगों को जहां आवागमन में भारी परेशानी हो रही है । वहीं कीचड़ में मच्छर आदि पनप रहे हैं। जिससे पूरा शहर मौसमी बीमारियों की चपेट में है। आरोप है कि इस मामले में कई बार जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को लिखित और मौखिक रूप में अवगत करा दिया गया। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। विभाग के अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है । इस मामले में उन्होंने जिला कलेक्टर से लापरवाह अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ शीघ्र कार्यवाही करने एवं आमजन की समस्या का समाधान करवाने की मांग की है ।

कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह का सम्मान किया

कुम्हेर (निस) । डीग कुम्हेर विधायक विश्वेंद्र सिंह के कैबिनेट मंत्री बनने पर कुम्हेर के लोगों द्वारा जयपुर पहुंच कर कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह का सम्मान किया। कुम्हेर में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया। कुम्हर बेलारा कला कलुआ राम जाटव, पूर्व डेरी चेयरमैन कुशल पाल अबार, बौरई सरपंच पती सुरेश गुर्जर, पूर्व सरपंच लखो गुर्जर, बा बेन सरपंच पती सेर सिहं, पौहपन जाटव आदि ने कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह जयपुर निवास पहुंचकर फूलो गुलदस्ता भेट कर स्वागत सम्मान किया। कैबिनेट मंत्री विश्वर सिंह गुरुवार पर्यटन विभाग का पद ग्रहण संभाला।

प्रदेश की राजधानी जयपुर स्थित सरकारी आवास पर समर्थकों की भीड़ जुट रही है कुम्हेर तहसील के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है कार्यकर्ताओं ने बताया कि विश्वेंद्र सिंह राजस्थान सरकार में दूसरी बार कैबिनेट मंत्री बने हैं अब कुमेर क्षेत्र का विकास तेजी से होगा, भरतपुर जिले की जनता का कहना है कि भरतपुर जिले में अब चार मंत्री हैं ।

सार-समाचार

भोजन स्थल पर गंदगी मिली

गंगापुर सिटी (नि.स)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर सचिव श्वेता गुप्ता के तत्वाधान में कोविड-19 के सुरक्षात्मक प्रोटोकॉल के तहत अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति एडीजे-1 गंगापुर सिटी के निर्देशन में न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिमन्यु सिंह ने उपकारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों के बनने वाले भोजन, पीने योग्य पानी सहित भोजन स्थल का निरीक्षण किया। जहां समुचित सफाई नहीं मिलने पर सफाई कराने के निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान जेलर रामचरण मीणा, चिकित्साकर्मी गयूर खान ने बताया की वर्तमान में 63 कैदी उपकारागृह में हैं। जिनमें किसी को भी कोविड नहीं हैं। कारागृह में एक चिकित्सक अंशकालीन तथा एक अन्य चिकित्साकर्मी स्थायी रूप से नियुक्त हैं जिनके द्वारा कैदियों की समय-समय पर चिकित्सा संबंधी देखभाल की जाती हैं। उपकारागृह में बीपी मशीन, स्टेथोस्कोप, शुगर मशीन, वेट मशीन, पल्स ऑक्सीमीटर आदि सहित दवाइयाँ निरीक्षण के दौरान पाई गई जो की चिकित्सा विभाग के द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं। निरीक्षण में सभी सीसीटीवी कैमरे चालू पाये गये।

पायल चौधरी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के नेहरू युवा केन्द्र करौली के जिला युवा अधिकारी हितेश कुमार के निर्देशानुसार एनवाईवी रोविन सोलंकी एवं जय सिंह डागुर के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत ब्लाक स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन केशव विधा मन्दिर मे किया गया।

एनवाईवी रोविन सोलंकी ने बताया कि यह एक ब्लाक स्तरीय खुली प्रतियोगिता थी जिसमे पूरे ब्लाक भर से दर्जनो विद्यार्थियों और युवाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मंच संचालन जय सिंह डागुर ने किया। मुख्य अतिथि केशव विद्या मन्दिर के व्यवस्थापक उत्कर्ष गौतम रहे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरुस्कार पायल चौधरी , दुसरा रिंकू खैडी हैवत, तीसरा मीनाक्षी शर्मा, चौथा आशिका और पाचवां पुरूस्कार अंजली चौधरी ने प्राप्त किया। विजेताओ को नकद इनाम राशि व शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। व्याख्याता अरविन्द कुमार, आदि दर्जनौ विद्यार्थी और युवा मौजूद थें।

कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन का विरोध, भाजपा ने हल्ला बोला

भरतपुर, (निस) । आज भारतीय जनता पार्टी, जिला भरतपुर द्वारा राज्य में मौजूदा कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन व कुशासन, जनविरोधी नीतियों, राजस्थान में बिजली की बढ़ी हुई दरों, फ्यूल चार्ज में बढोतरी एवं अपराधें में लगातार वृद्धि को लेकर गहलोत सरकार के खिलाफ जिलाध्यक्ष डॉ. शैलेश सिंह व हल्ला बोल कार्यक्रम संयोजक गिरधारी तिवाड़ी के नेतृत्व में कुम्हेर गेट चौराहे से लक्ष्मण मंदिर, गंगा मंदिर, मथुरा गेट, बिजली घर होते हुये कलेक्ट्रेट तक पार्टी पदाधिकारियों व जिले भर से आये हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं द्वारा जुलूस के रूप में पैदल मार्च निकाला गया। जुलूस में कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उसके बाद अतिरिक्त जिला कलक्टर सिटी को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया। जुलूस के दौरान लक्ष्मण मंदिर चौक पर सभा को संबोधित करते हुये डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि गहलोत सरकार ने पैट्रोल व डीजल पर नाममात्र की कटौती की है

कांग्रेस सरकार के कुशासन का विरोध करते हुए भाजपा जनो ने प्रदर्शन किया ।

जबकि राजस्थान के पड़ौसी राज्य हरियाणा, उत्तर प्रदेश में पैट्रोल व डीजल की कीमतों में काफी अंतर है। गहलोत सरकार को अधिक वैट कम कर जनता को राहत प्रदान की जानी चाहिये इसी प्रकार बिजली के बिलो में लगातार हो रही बढ़ोतरी व फ्यूल चार्ज में बढ़ोतरी को लेकर आमजन त्रस्त हैं। कांग्रेस सरकार ने बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने का वादा किया था लेकिन सरकार अपने वादे से मुकर रही है। वादाखिलाफी करने वाली इस सरकार को जनता माफ नहीं करेंगी। राजस्थान अब अपराध व अराजकता का अड्डा बन चुका है।

'भव से तारने वाली कथा है भागवत कथा'

गंगापुर सिटी (नि.स)। समीपवर्ती टोंकसी गांव में खेडा वाले बालाजी पर गुरूवार से कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का प्रारंभ हुआ। कलश यात्रा में श्रद्धालु धार्मिक भजनों पर नाचते हुए चल रहें थे। भागवताचार्य पंडित बनवारी लाल शास्त्री ने प्रथम दिन भागवत कथा के महात्म्य पर प्रकाश डाला।

भागवताचार्य ने कहा की भागवतकथा भव से तारने वाली कथा और भटके हुए मन को व व्यक्ति को सुमार्ग पर लाकर उसे सद्कर्म के लिए प्रेरित करती हैं। जिससे की वो भगवान के चरणों में अपना ध्यान लगाकर सद्कर्म करते हुए मोक्ष को प्राप्त कर सकता हैं।

भागवतकथा को सात दिन तक निश्छल मन व परमात्मा में तल्लीन होकर उसके चरणों में लय लगाकर जो कोई प्राणी सुनता हैं। वो निश्चित रूप से भव से तर जाता हैं ।

इस अवसर पर केदारलाल गुप्ता, जयदयाल, वेदप्रकाश, शिवदयाल, सुरेश चंद, पूरण चंद, पंडित मोहनाचार्य सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

8 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली दो सड़कों का शिलान्यास

भरतपुर, (निस)। तकनीकी षिक्षा एवं आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने गुरूवार को नगर विकास न्यास द्वारा शहर में करीब 8 करोड रूपये की लागत की दो सडकों के चौडाईकरण एवं नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास किया । इन सडकों के बनने के बाद शहर में आवागमन सुलभ हो सकेगा और आमजन को हो रही परेशानियों से राहत मिल सकेगी। इन सडकों के अलावा नगर निगम क्षेत्र में 30 किलोमीटर लम्बी सडकों का निर्माण भी शीघ्र शुरू होगा जिससे शहर की लगभग सभी सडकें दुरूस्त हो जायेंगी।

शिलान्यास के बाद आयोजित समारोह में बोलते हुये डॉ. गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पहली बार भरतपुर जिले के चार मंत्री बनाकर सबसे बडी सौगात दी है सभी मिलकर भरतपुर के विकास को गति दिलायेंगे ताकि भरतपुर जिला विकसित जिलों में शामिल हो सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अभियंताओं को चाहिये कि वे निर्माण कार्यों का समय समय पर पर्यवेक्षण करें ताकि सडकों के निर्माण में गुणवत्ता बनी रह सके। उन्होंने कहा कि संवेदकों को चाहिये कि वे निर्धारित समय में निर्माण का कार्य पूरा करें यदि कोई संवेदक समय पर कार्य पूर्ण नहीं करता है तो नगर विकास न्यास द्वारा उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जानी चाहिये।

डॉ. गर्ग ने कहा कि आगामी माहों में भरतपुर जिले की सभी सडकों के जीर्णोद्वार का कार्य शुरू होगा और नई सडकों के निर्माण के प्रस्तावों को भी स्वीकृत कराने का भी प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि भरतपुर शहर में कराये जाने वाले जिन कार्यों की निविदाऐं आमंत्रित कर खोली जा चुकी हैं और ऐसे कार्यों के निर्माण के आदेश शीघ्र जारी करें। उन्होंने प्रशासन शहरों के संग अभियान में आमजन के किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुये बताया कि राज्य सरकार ने पट्टा देने की प्रक्रिया में काफी बदलाव किया है और 82 प्रतिशत की छूट देने के आदेश जारी कर दिये हैं। उन्होंने अभियान से जुडे सभी अधिकारियों व कार्मिकों को निर्देश दिये कि वे आपसी समन्वय से आमजन की समस्याओं का निस्तारण करें ।

देश भक्ति व राष्ट्र निर्माण पर उत्साह से भाषण दिया छात्रों ने

गंगापुर सिटी (नि.स)। नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा युवाओं में संवैधानिक मूल्यों के साथ राष्ट्र निर्माण और देश भक्ति की भावना पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 23 नबंबर को राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की गई।

इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ चढकर भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता का विषय देश भक्ति व राष्ट्र निर्माण, सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्रों ने इस प्रतियोगिता में उत्साह से हिस्सा लिया।

इस भाषण प्रतियोगिता में भगवती बीएड कॉलेज के छात्र अभिषेक उपाध्याय ने प्रथम स्थान, अंजलि सैनी ने द्वितीय स्थान व कुहू स्कूल के दुर्गेश शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विश्व विरासत सप्ताह के तहत हुई प्रतियोगिता

करौली (निं.सं.)। भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटैक चैप्टर करौली के तत्वावधान में मनाए जा रहे विश्व विरासत सप्ताह के अंतर्गत धरोहर संरक्षण विषय पर स्कूली विद्यार्थियों की भाषण प्रतियोगिता का आयोजन शिवा एकेडमी सीनियर सैकण्डरी स्कूल हिण्डौन गेट में गुरुवार को किया गया। इंटैक के विरासत शिक्षा एवं संचार सेवा प्रभारी राजेंद्र दीवान ने बताया की इंटेक चैप्टर करौली के संयोजक पूर्व नरेश कृष्ण चंद्र पाल की प्रेरणा एवं सह संयोजक राव शिवराजपाल सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हैरिटेज भाषण प्रतियोगिता में रामस्नेही कीर्ति राम उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर की नवमी कक्षा की छात्रा आरुषि पाराशर को सर्वश्रेष्ठ भाषण देने पर विजेता घोषित किया गया। तथा दाखा देवी आदर्श बालिका माध्यमिक विद्या मंदिर की कक्षा आठवीं की छात्रा रेनू तिवारी प्रतियोगिता की उप विजेता रही। नि:शब्द मूक बधिर विद्यालय एकट बोध ग्राम की छात्रा सकीना माली को अपनी विशिष्ट सांकेतिक भाषा में उत्कृष्ट भाषण प्रस्तुति देने पर विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करौली राज परिवार के युवराज विवस्वत पाल ने सभी विजेता एवं सहभागी प्रतिभागियों को पारितोषिक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवा एकेडमी के निदेशक सुधीर नायर द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विरासत शिक्षा एवं संचार सेवा प्रभारी राजेंद्र दीवान ने इंटेक की गतिविधियों के बारे में सविस्तार जानकारी दी।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व शिक्षा अधिकारी किशन पाल सिंह जादौन ने विरासत संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इंटैक के वरिष्ठ सदस्य पुर्ष्पेंद्र बंसल, कर्नल कृपाल कृपाल सिंह एवम् संतोष सिंह एडवोकेट प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सम्मिलित रहे।

धूमधाम के साथ कलश यात्रा निकली

करौली (निं.सं.)। विजय हनुमान और गिरीश्वर महादेव हनुमान भक्त मण्डल सेवा समिति के तत्वावधान में विशाल दूसरी कलश यात्रा सीताराम जी के मंदिर से नगरपरिषद उपसभापति सुनील सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कलश यात्रा मे भक्त और बाल गोपाल नाचते हुए चल रहे थे। आचार्य सच्चिदानंद शरण सोनू व्यास ससेडी वाले कलश यात्रा के दौरान पीछे पीछे घोड़े पर चल रहे थे।कलश यात्रा भुडारा बाजार से गणेश गेट होते हुये अम्बेडकर सर्किल होते हुई कथा स्थल विजय हनुमान मंदिर परिसर पर पहुची।

इस दौरान नगरपरिषद के सफाई इंस्पेक्टर मीना, राधेश्याम, रमेश शुक्ला, राम खिलाड़ी, कल्याण, धर्मा, जगमोहन, मोहर सिंह, राम दयाल, मंडल अध्यक्ष करण सिंह, मदन मोहन, जतन सिंह, मंदिर महंत नाहर सिंह महिलाएं उपस्थित थी।

जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। लोगटीपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के खेल मैदान पर चल रही जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का गुरुवार को समारोह पूर्वक समापन किया गया ।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भामाशाह एवं सरपंच प्रतिनिधि राम रूप जाटव अध्यक्षता प्रधानाचार्य राजेश कुमार मीणा विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह गुर्जर, ब्लॉक खेलकूद प्रभारी श्रीनिवास शर्मा जिला शारीरिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राजेश सहारिया जिला शारीरिक शिक्षक संघ के मंत्री भगत सिंह बेनीवाल वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक महेंद्र कुमार शर्मा प्रधानाध्यापक मुकेश चंद्र गुप्ता प्रधानाध्यापक हरिशंकर शर्मा रहे। खेलकूद प्रतियोगिता में ट्रेक इवेंट्स 100, 200, 400, 600, मीटर दौड़, 4100 रिले दौड़, फील्ड इवेंट्स में, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, तश्तरी फेंक के विजेता रहे खिलाड़ियों मेडल एवं पुरस्कार सामठी भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक एवं प्रधानाध्यापक राजेश शर्मा तेज गांव एवं मीडिया प्रभारी नरेंद्र बाबा ने बताया कि समापन कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर के सामने दीप प्रज्ज्वलन कर की गई । समापन कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक राजेश शर्मा अन्य लोगों ने अतिथियों का साफा एवं माला पहना कर अभिनंदन किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि खेलों में गांव के लड़कों को अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए । अध्यक्ष अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य राजेश कुमार मीणा ने कहा कि किलो के साथ-साथ पढ़ने में भी विशेष ध्यान देना चाहिए और स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है । छात्र वर्ग 100 मीटर दौड़ में राजकीय उच्च माध्य विद्यालय जगदीशपूरा शिव हरी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता आज

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संविधान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा । इस अवसर पर जिला एवं राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा। निबंध प्रतियोगिता का विषय डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं भारतीय अर्थव्यवस्था होगा। जिसकी शब्द सीमा 2000 शब्द होगी। आयोजित प्रतियोगिता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन जयपुर द्वारा आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले को पुरस्कार दिया जाएगा। इसी तरह राज्य स्तर पर प्रथम स्थान, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले को नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

समझौता शिविर में 515 खाता धारकों ने किया एनपीए खातों का निपटारा

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। ग्राम खानुवा में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा एक मुस्त समझौता शिविर का आयोजन जयपुर अंचल शस्त्रा प्रमुख जी आर सचदेवा की अध्यक्षता में किया गया एवं मुख्य अतिथि के रूप में भरतपुर के मण्डल प्रमुख अश्वनी कुमार सिंह उपस्थित रहें। शिविर के संयोजक एन सी जैन भरतपुर मण्डल शस्त्रा प्रमुख ने बताया की इस शिविर में शाखा खानुवा, रूपवास, रुदावल एवं उच्चैन के खाताधारकों ने बड़ चड कर भाग लिया और अधिक से अधिक समझौते किए गए।

अंचल शस्त्रा प्रमुख सचदेवा ने बताया की बैंक के जो भी खाता धारक किसी परिस्थिति के कारण बैंक का ऋण समय पर चुकता नहीं कर पाया जिसकी वजह से खाता एनपीए हो जाता है तो बैंक उनके लिए एक मुस्त समझौता कर मदद प्रदान करता है। मण्डल प्रमुख अश्वनी कुमार सिंह ने बताया की सभी ऋणियों को समय पर लोन चुकता करना चाहिए एवं विषम परिस्थितियों में ही समझौता कराना चाहिए इसके लिए बैंक भी उनकी मदद के लिए तैयार रहता है। अंत में खानुवा शाखा प्रबंधक जैशवाल द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया। शिविर के प्रभारी चंद्रकांत भारद्वाज ने अवगत कराया है की इस शिविर में 515 समझौते किए गए। मण्डल शस्त्रा से मनीष कुमार, मानसिंह मीणा, अनिरुद्ध चौधरी एवं भोंट एसोसिएट से हरेन्द्र सिंह , पिंटू चौधरी, सतेन्द्र सिंह और विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहें।

श्रीमहावीरजी ने झालावाड को हराया

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। गावं खेडा जमालपुर स्थित सौरभ एजूकेशन कैम्पस में गुरूवार से शुरू हुई अन्तर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान विजय सिंह पथिक कॉलेज श्रीमहावीरजी ने राजकीय महाविद्यालय झालावाड को पराजित कर दिया ।

कोटा विश्वविद्यालय कोटा द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सौरभ एजुकेशन के सचिव ज्वाला सिंह बेनीवाल व अध्यक्षता सौरभ एजुकेशन के निदेशक शिवकेश मीणा ने की विशिष्ट अतिथि व्याख्याता शारीरिक शिक्षा करौली मानसिंह मीणा, प्रतियोगिता पर्यवेक्षक अरमान मलिक यूनिवर्सिटी प्रशिक्षक आशीष यादव ने की प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. देवेंद्र अठावाल एवं प्रतियोगिता संचालन सचिव शारीरिक शिक्षक प्रियकांत बेनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कोटा विश्वविद्यालय कोटा के अंतर्गत क्रिकेट प्रतियोगिता का सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्वलन कर अतिथियों ने शुरुआत की । मुख्य अतिथि ज्वाला सिंह बेनीवाल थे।

नहरों में छोड़ा गया पानी बरसाती नाले में व्यर्थ बह गया

मण्डरायल (निं.सं.)एक और जहां क्षेत्र के किसान सिंचाई के लिए पानी की बूंद बूंद के लिए तरस रहे हैं वहीं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के चलते नींदर बांध से सिंचाई के लिए नहरों में छोड़ा गया पानी व्यर्थ ही बरसाती नाले व खेतों में बह रहा है।

किसान राधा रमन सारस्वत,रशीद खान, श्रीपत प्रजापत, ब्रजनंदन शर्मा, निसार खां, भरत माली, मनीष चौधरी आदि ने बताया कि बुधवार बीती रात गोपालपुर माइनर की पाल फिरोजपुर सड़क के समीप टूट गई जिससे रात भर पानी व्यर्थ ही आसपास के खेतों में बहता रहा जिससे आसपास के गांव जलमग्न हो गए किसानों ने बताया कि प्रात: जाकर किसानों ने ही खाली कट्टों में मिट्टी भरकर उस में मिट्टी डालकर नहर की टूटी पाल की मरम्मत की उन्होंने बताया कि गत सोमवार रात को भी समीप ही नहर की पाल टूटी थी। जिसकी किसानों ने ही मरम्मत की थी लेकिन विभाग का कोई भी अधिकारी कर्मचारी आज तक मौके पर नहीं पहुंचा किसानों ने बताया कि 10-15 दिन पूर्व ही खेतों में गेहूं की फसल की बुवाई की गई लेकिन खेत लबालब पानी से भर जाने से गेहूं व सरसों की फसल नष्ट हो गई इसी प्रकार मण्डरायल-रोधई सड़क के समीप मंगलवार रात मण्डरायल नहर की पाल में एक बड़ा हॉल हो जाने से पानी रात भर बरसाती नाले में बहता रहा किसान गिर्राज पाल,सुरेंद्र सिंह,अजीज खां आदि ने बताया कि बुधवार को किसानों ने मौके पर पहुंचकर व्यर्थ बह रहे पानी की पाल की मरम्मत कर उसे रोकने की कवायद की लेकिन कोई भी विभागीय कार्मिक मौके पर नहीं पहुंचा।

ज्ञात रहे कि उपखंड कार्यालय में गत 11 नवंबर को उप जिला कलेक्टर प्रदीप कुमार चौमाल की अध्यक्षता में नींदर बांध जल वितरण कमेटी व किसानों के साथ आयोजित की गई बैठक में 17 नवम्बर को नींदर बांध का पानी नहरों में छोड़े जाने का निर्णय लिया गया था। इस दौरान उप जिला कलेक्टर चौमाल ने बैठक में मौजूद जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को बांध से पानी छोड़े जाने से पूर्व नहरों की मरम्मत एवं सफाई के निर्देश दिए थे। जिस पर विभाग के अधिकारियों द्वारा नहरो की मरम्मत व सफाई के नाम पर औपचारिकता पूरी कर ली गई ।

करतार चौधरी जाट प्रतिभा सम्मान समारोह के जिला संयोजक नियुक्त

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। महाराजा सूरजमल अन्तर्राष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान समारोह जयपुर राजस्थान के अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने करतार सिंह चौधरी धंधावली को जिला करौली का संयोजक मनोनीत किया है ।

महाराजा सूरजमल अन्तर्राष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान समारोह जयपुर राजस्थान कि ओर से जाट प्रतिभा व शहीद आदरांजलि एवं प्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 26 दिसम्बर 2021 को प्रात: 10.00बजे जाट भवन, राज. जाट संस्थान सैक्टर-4 , विद्याधर नगर जयपुर में किया जा रहा है । करतार चौधरी के जिला संयोजक मनोनीत होने पर शिवसिंह डागुर , दलवीर चौधरी , गुमान चौधरी , नरेश सोलंकी , भबलेश लहकोडिया , ओमवीर चौधरी , नटवर डागुर , नेकराम बैनीवाल , धर्मेन्द्र चौधरी , सन्तोष चौधरी , कप्तान चौधरी मकनपुर , सानू सोलंकी , रामप्रकाश डागुर , दीपक चौधरी , संजय सोडवाल आदि ने हर्ष जताया है ।

वरघोडा निकलने पर शहर का माहौल हुआ

करौली में जैन समाज की ओर से दीक्षार्थी अरिहंत और दिव्या के निकले वरघोडा में शामिल लोग।

करौली (निं.सं.) । जैन समाज की परंपरा के अनुसार दीक्षा ले रहे अरिहंत और भव्या का शहर में वरघोड़ा निकलने के दौरान माहौल भक्ति में हो गया। दीक्षार्थी अरिहंत और भव्या का गाजे बाजे के साथ वरघोड़ा निकाला गया। लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

बरघोड़ा में शामिल सकल जैन समाज के लोग भजन गाते और जिनेंद्र के जयकारे लगाते चल रहे थे। करौली में प्रवास कर रहे जैन मुनि धैर्य सुंदर महाराज के सानिध्य में हुए आयोजन की शहर भर में चर्चा रही। पल्लीवाल जैन मंदिर से शुरू हुए वरघोड़ा में एक आकर्षक सजे वाहन में दीक्षार्थी अरिहंत और भव्या विराजित थे। मुनि धैर्य सुंदर विजय के साथ निर्मोह सुंदर विजय,हर्ष सुंदर और परम सुंदर विजय के सानिध्य में बरघोड़ा शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए निकला तो लोग बाजारों में और छतों पर देखने के लिए उमड़ पड़े। दिगंबर जैन मंदिर फूटाकोट,श्वेतांबर जैन मंदिर सीताबाड़ी सहित विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। दीक्षार्थी अरिहंत और भव्या त्याग का संदेश देते हुए अपने हाथों से पैसे और विभिन्न वस्तुएं लुटा रहे थे। इन्हें लूटने के लिए जैन समाज ही नहीं अन्य समाजों के लोगों में भी होड़ मची।

दो जने घायल

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर के बाईपास चौराहे पर गुरुवार को एक ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी । जिससे मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां एक जने की हालत गंभीर होने कारणों से जयपुर हल कर दिया राजकीय अस्पताल के डॉक्टर प्रेम सिंह गोगा ने जानकारी देते हुए बताया कि पप्पू पुत्र धर्म सिंह उम्र 35 साल जाति गुर्जर गांव राजापुरा व अजब सिंह पुत्र अमूल सिंह उम्र 40 साल गांव राजापुरा मोटरसाइकिल से हिंडौन सिटी से अपने गांव जा रहे थे । इसी दौरान रास्ते मे जाते समय वाईपास के समीप एक ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी । जिससे दोनों जने घायल हो गए ।

प्रारूप-5 (नियम 62 (2)देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका मण्डावरी जिला दौसा

संख्या: 166 दिनांक:- 23.11.2021

श्री यशवंत कुमार जोशी पुत्र /पत्नी श्री खेमराज जोशी जाति ब्राह्मण निवासी मण्डावरी ने नीचे वर्णित भूमि मे के अपेन अधिकार.... प्रयोजन के लिए (पूर्व में ग्राम पंचायत मण्डावरी द्वारा पट्टा संख्या 89 दिनांक 19.10.1994 को श्रीमति कलावती देवी पत्नि श्री चंदन लाल भैडोल्या के नाम से जारी किया गया था जिसे जरिए..... से श्री ... ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष अभ्यर्पित कर दिए गए है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भूखण्ड संख्या	उत्तर दिशा दर्शित हुए लम्बाई और सहित क्षेत्र (मीटर में)
मण्डावरी जिला दौसा	वार्ड नं. 5	पूर्व-खाली भूखण्ड पश्चिम-रामचरण जी का मकान उत्तर - स्वयं का मकान दक्षिण-बिलासी का मकान	361.99 व.ग.

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता हैकि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क के अधीन पूर्ण स्वमित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पित करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के पन्द्रह दिन के भीतर किसी भी कार्यदिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्पित दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जावेगा।

अत: सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका मण्डावरी

बीएसटीसी अभ्यर्थियों को राहत, लेवल प्रथम में बीएड उत्तीर्ण लाखों अभ्यर्थी अपात्र घोषित

हाइकोर्ट ने एनसीटीई का नोटिफिकेशन खारिज किया

सादुलपुर/जोधपुर, (निसं)। रीट भर्ती 2021 मामले में गुरुवार को राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर की ओर से बीएसटीसी अभ्यर्थियों के लिए बडी राहत की खबर आई है। वहीं चीफ जस्टिस अकील कुरैशी व जस्टिस सुदेश बंसल की खंडपीठ ने प्राथमिक अध्यापक लेवल एक में बीएड उत्तीर्ण लाखों अभ्यर्थियों को अपात्र मानते हुए उक्त पद के लिए केवल बीएसटीसी डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को ही पात्र घोषित किया है। साथ ही प्राथमिक अध्यापक लेवल एक हेतु बीएड डिग्री उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शामिल करने के एनसीटीई के नोटिफिकेशन को भी खारिज कर दिया है । इस मामले में मुख्य न्यायाधीश की कोर्ट ने तीन दिन रोजाना ढाई से तीन घंटे तक सुनवाई की। इसके साथ ही अध्यापक लेवल एक के लिए केवल बीएसटीसी डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उक्त भर्ती में शामिल करने की लम्बे समय से चली आ रही मांग पर भी मुहर लगने से जहां बीएसटीसी अभ्यथियों में खुशी की लहर है। वहीं उक्त भर्ती में विशेष शिक्षकों के करीब पांच हजार पद सृजित करने की प्रदेश के बेरोजगारों की मांग अभी भी अधूरी है। विशेष शिक्षा में डिप्लोमा उत्तीर्ण पात्र अभ्यर्थी लगातार अपनी मांग को लेकर जयपुर में धरने पर हैं।

साथ ही रीट परीक्षा उत्तीर्ण लाखों

- **विशेष शिक्षकों के करीब पांच हजार पद सृजित करने की प्रदेश के बेरोजगारों की मांग अभी भी अधूरी**

बेरोजगार पिछले कई दिनों से रीट भर्ती-2021 में सरकार द्वारा घोषित 31000 पदों की संख्या को बढ़ाकर 50 हजार करने की मांग को लेकर भी पुरजोर तरीके से अपनी मांग सरकार के सामने रख रहें हैं। बेरोजगारों का कहना है कि कोरोना काल के चलते राज्य सरकार समय पर भर्ती नहीं करा पाई। इसलिए अब पद बढाए जाने चाहिए। वहीं पदों की संख्या में बढोतरी की मांग के पीछे बेरोजगारों का यह तर्क है कि घोषणा के दो साल बाद भी भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई। दो साल में बीएड और बीएसटीसी के करीब ढाई लाख नए अभ्यर्थी शिक्षक भर्ती की दौड में शामिल हो गए। तथा लगातार रिटायर हो रहे शिक्षकों के कारण खाली पदों की संख्या बढ गई है। दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर नजर डालें तो वर्तमान में प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विशेष आवश्यकता वाले एवं दिव्यांग छात्र का नामांकन 70000 से भी अधिक है, लेकिन उनके अध्यापन के लिए केवल 1326 विशेष अध्यापक ही कार्यरत हैं जो कि आरटीई के नियमों का उल्लंघन भी है तथा विशेष श्रेणी के छात्रों की समुचित शिक्षा व्यवस्था पर बडा प्रश्न चिह्न भी है। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुपात में उन्हें पढाने के लिए नियुक्त विशेष अध्यापकों की संख्या बहुत ही कम है। जिसके परिणाम स्वरूप नामांकित दिव्यांग बच्चे पिछले वर्षो में बडे स्तर पर सरकारी स्कूलों से ड्रॉप आउट हुए हैं।

नाइजीरियन गैंग चला रहा हेरोइन तस्करी का नेटवर्क

ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी हेरोइन नशे के आदी हो रहे हैं

हनुमानगढ़, (निसं)। हरियाणा और पंजाब की सीमा से सटे हनुमानगढ़ जिले में हेरोइन की खपत और तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी हेरोइन नशे के आदी हो रहे हैं। तस्करी का नेटवर्क बड़े पैमाने पर फैल गया है। इस पूरे नेटवर्क की जड़ें दिल्ली में नाइजीरियन गैंग से जुड़ी बताई जाती हैं, लेकिन पुलिस के लिए इन तक पहुंचना बेहद मुश्किल है। इसकी वजह नाइजीरियन गैंग की कार्यप्रणाली है। एक थानाधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि दिल्ली में दबिश देकर इस गैंग के सदस्यों को पकड़ना करीब-करीब नामुमकिन हो जाता है।

- **पिछले कुछ साल से तेजी से बढ़ रहा कारोबार, दिल्ली से जुड़े हैं तार**

थानाधिकारी के अनुसार नशे की तस्करी से जुड़े नाइजीरियाई लोग अपना ठिकाना किसी को नहीं बताते। छोटे शहरों व कस्बों में तस्करी करने वाले लोगों को मेट्रो के अलग-अलग पिलर नम्बर का एड्रेस दिया जाता है। पुलिस किसी तरह पता लगाकर उस जगह पहुंच भी जाए तो नाईजीरियन तस्कर सीधे वहां नहीं आते। उनके आने से पहले कुछ स्थानीय लोग रैकी करते हैं। कुछ भी संदिग्ध मिलता है तो मुख्य सप्लायर बताई हुई जगह पर पहुंचता ही नहीं है।

हनुमानगढ़ जिले में हेरोइन का नेटवर्क बेहद खतरनाक ढंग से बढ़ रहा है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक इस साल 2 हजार 500 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई है। पिछले साल महज 635 ग्राम हेरोइन ही जब्त हुई थी। यही मात्रा 2016 में सिर्फ 18 ग्राम थी। हेरोइन की बड़ी मात्रा में बरामदगी पुलिस की कामयाबी है लेकिन इससे क्षेत्र में बढ़ रहे नेटवर्क की भी पुष्टि होती है।

भारतीय नेवी में तैनात जवान की शादी से चार दिन पहले मौत

राजकीय सम्मान के साथ गांव जाटका में की गई जवान की अंत्येष्टि

किशनगढ़बास, (निसं)। भारतीय नेवी में तैनात अधिकारी राहुल की शादी में आने का हर किसी को इंतजार था। किसी ने नहीं सोचा था की घोड़ी चढ़ने से पहले राहुल की अर्थी को कंधा देना पड़ेगा। अलवर जिले के किशनगढ बास के गांव जाटका के भारतीय नेवी कोटा

- **तिरंगे में लिपटे राहुल को देख मचा कोहराम**
- **हृदयगति रूकने से मौत होने की संभावना, सेना की टीम करेगी मौत के कारणों की पुष्टि**

हाउस नई दिल्ली में तैनात युवक राहुल खेरिया की शादी से 4 दिन पहले हृदय गति रुकने से मौत हो गई हालांकि युवक राहुल का पार्थिव देह लेकर जाटका पहुंचे नौसेना के अधिकारियों की टीम ने इसकी पुष्टि नहीं की है और कहा है कि रिपोर्ट आने पर बताया जाएगा।

युवक की 30 नवंबर को शादी थी और वह छुट्टी लेकर 24 व 25 नवंबर को घर आने की तैयारी कर रहा था कि अचानक सीने में दर्द उठा और सांस वहीं रुक गई। युवक राहुल का पार्थिक देह गुरुवार को जब नौसेना के अधिकारी गांव लेकर पहुंचे तो हर किसी की आंखों में आंसू थे। नौसेना के अशोक कुमार ने बताया कि राहुल सी ई ए आई वन के पद पर नई दिल्ली कोटा हाउस में तैनात था 23 नवंबर दोपहर करीब 2 बजे राहुल खेरिया वीरगति को प्राप्त हो गए। राहुल शादी के कार्ड छप गए लोगों को निमंत्रण भेज दिए गए थे।

विधायक दीपचंद खैरिया को राहुल के निधन होने की सूचना मिलने पर वे सारे कार्यक्रम निरस्त कर राहुल के परिजनों का ढ ांढस बंधाने घर पहुंचे। तिरंगे में लिपटे राहुल खेरिया के पार्थिव शरीर पर विधायक दीपचंद खैरिया, एसडीएम ओमप्रकाश सहारण, प्रधान बद्री प्रसाद सुमन, थाना अधिकारी अमित चौधरी सहित पहुंचे अधिकारी जनप्रतिनिधियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर नमन किया।

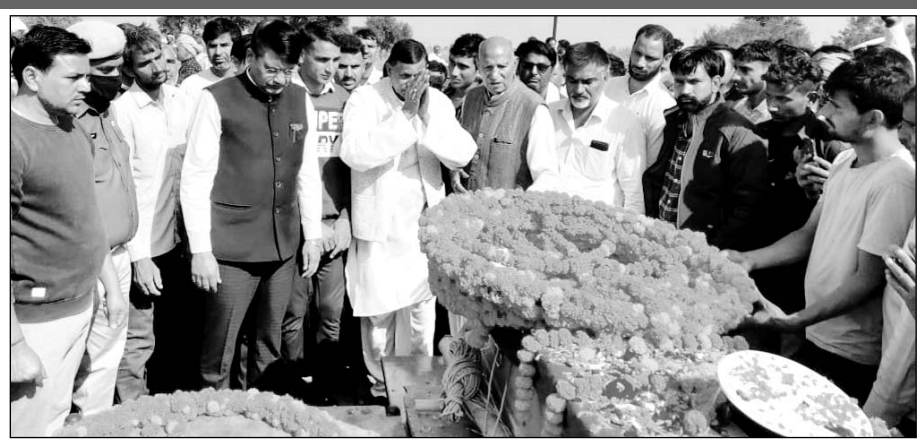

किशनगढ़बास के गांव जाटका में विधायक, प्रधान, एसडीएम सहित अधिकारी एवं गणमान्य लोगों ने सैनिक राहुल के पार्थिक देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया।

मंडोर खुली जेल में पिता बना हैवान

जोधपुर, (कासं)। शहर की खुली जेल मंडोर में एक पिता अपनी ही मासूम पुत्री से हैवानियत पर उतर आया। झगडालू पति से तंग आकर उसकी पत्नी अपने पीहर सिरोही चली गई। रेवदर थाने में बच्ची ने पिता द्वारा किए जा रहे हैवानियत की कहानी बयां की और केस दर्ज करवाया। मामला मंडोर पुलिस के अनुसार सिरोही जिले के रेवदर हलके में रहने वाली एक महिला ने यह रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि

- **जीरो नंबर एफआईआर पर मंडोर थाने में केस दर्ज**

उसका पति गणेशराम हत्या के केस में सजा काट रहा है। वह खुली जेल में पति के साथ रहती थी। पति गणेशराम ने अपनी 12-13 साल की बच्ची से दुष्कर्म किया। बाद में उसकी हैवानियत बढ़ती गई। पति के आए दिन मारपीट एवं झगड़े से तंग आकर वह पीहर आ गई। पीहर से रेवदर थाने में केस दर्ज करवाया। मंडोर पुलिस ने बताया कि घटना चूंकि मंडोर खुली जेल की है। ऐसे में रेवदर से मिली जीरो नंबर की एफआईआर पर पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी गुरमेल सिंह आज सुबह बच्ची के बयान लेने के लिए गए है। फिलहाल प्रकरण में गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

पालिका की हठधर्मिता, सीएचसी स्टाफ गंदगी में रहने को मजबूर

थानागाजी सीएचसी के पास लगा कचरे का ढेर।

थानागाजी, (निसं)। कस्बे की नगरपालिका की ओर से नगरपालिका क्षेत्र का कचरा सीएचसी के पीछे डाला जा रहा है जिसकी दुर्गंध के कारण सीएचसी स्टाफ को आवासीय क्वार्टर तक खाली करने पड़ रहे हैं इतना ही नहीं वार्ड में भर्ती मरीजों का भी हाल बेहाल रहता है मरीजों के साथ आने वाले परिजन दुर्गंध के कारण वार्ड में मरीज की देखरेख करने के लिए नहीं रूक पाते हैं। जबकि इसकी शिकायत सीएचसी प्रभारी डॉ. दुलीचंद मीणा के द्वारा नगरपालिका को लिखित शिकायत कर दी गई हैं लेकिन अभी तक कोई स्थाई समाधान के लिए नगरपालिका के कान में जूं तक नहीं रेंग रहीं। इतना ही

- **नगरपालिका की ओर से कचरा सीएचसी के पीछे डाला जा रहा है**

नहीं नगरपालिका की ओर से डाले जा रहे कचरा की जगह के सामने आईटीआई कॉलेज भी है जहां पर सैकड़ों प्रशिक्षणार्थी रोज कॉलेज आतें हैं फिर भी नगरपालिका की ओर से अनदेखी की जा रही हैं।

सीएचसी के डॉ. देशराज मीणा ने बताया कि नगरपालिका की ओर से सीएचसी के पीछे डाले जा रहे कचरे की दुर्गंध से क्वार्टरों में रहना तो दूर मरीजों का इलाज करना तक दुर्लभ हो रहा है इसके कारण दो सीएचसी स्टाफ ने क्वार्टर खाली कर दिए नगरपालिका को लिखित शिकायत करने के बाद इसका कोई समाधान नहीं किया गया है। समय रहते नहीं किया समाधान तो सीएचसी स्टाफ करेगा कार्य बहिष्कार कर विरोध।

नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी अरूण शर्मा से बात की गई तो सफेद झूठ बोला गया था कि वहां पर पडे कचरे पर मिट्टी डाल दी गई हैं तथा जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर अन्यत्र जगह कचरा डालने का स्थान मांगा गया है। मौके पर कोई मिट्टी नहीं डाली गई हैं नगरपालिका अपनी जिम्मेदारी से मुहं मोड रही हैं तथा अधिकारी झूठे बयान दे रहे हैं।

नगरपालिका ने पूर्ण हो चुके कामों की जारी कर दी निविदा

डीडवाना, (निसं)। लगातार कई मामलों में भ्रष्टाचार व अनियमितताओं के आरोपों के बाद डीडवाना नगर पालिका का एक नया भ्रष्टाचार सामने आया है। नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशाषी अधिकारी चहेते ठेकेदारों के साथ मिलकर सरकारी कोष को चूना लगाने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में नगर पालिका की ओर से 45 लाख रुपए के तीन अलग-अलग कामों के टेंडर जारी किए गए हैं। हैरत की बात तो यह है कि इनमें से दो काम तो पहले ही हो चुके हैं, जबकि तीसरा काम जिस स्थान पर होना दर्शाया गया है वह क्षेत्र नगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है।

डीडवाना नगर पालिका द्वारा हाल ही में 3 कामों के टेंडर जारी किए गए, जिसमें एक पोल स्टार स्कूल के पास, नागौर रोड पर और मेगा हाईवे पर डब्ल्यूबीएम सडक निर्माण कार्य के

- **45 लाख रुपए की बंदरबांट की आशंका, भ्रष्टाचार हुआ उजागर**

लिए 23.19 लाख, स्टेशन रोड से टिकट खिड़की तक सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 13 लाख रुपए का टेंडर जारी किया गया है। वही वार्ड नंबर 37 में भी सडक के दोनों और नाला निर्माण के लिए 7.07 लाख की निविदा जारी की गई है। जबकि विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उपरोक्त कार्य टेंडर निकाले जाने से पूर्व ही किए जा चुके हैं। अब इन कामों के नाम पर केवल बजट उठाने के लिए टेंडर निकाले गए हैं, ताकि सरकारी पैसे का बंदरबांट की जा सके। यह भी आश्चर्यजनक पहलू है कि अस्पताल चौराहा से रेलवे स्टेशन तक सडक स्टेट हाईवे 60 है, जो कि पीडब्ल्यूडी के अधीनस्थ आती है। वही रेलवे परिसर की बाउंड्री से टिकट खिडकी तक का क्षेत्र रेलवे का अधिकार क्षेत्र है।

अस्पताल चौराहे से लेकर रेलवे स्टेशन तक पीडब्ल्यूडी की सीसी सड़क बनी हुई है और रेलवे परिसर में भी ब्लॉक सडक मौजूद है। इसके बावजूद इस सडक के नाम पर 13 लाख रुपए की बंदरबांट के लिए निविदा जारी कर दी गई, जो स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इस मामले में नगर पालिका ने निविदा शुल्क व निविदा धरोहर राशि, डीडी व बैंक का चेक जमा कराने की तिथि 27 नवंबर निर्धारित की है, जो कि शनिवार अवकाश का दिन है। ऐसे में यह भी सवाल उठता है कि इस प्रक्रिया के लिए शनिवार को छुट्टी का दिन ही क्यों चुना गया।

बीकानेर में कोरोना के 5 एक्टिव केस, गुरूवार को एक नया कोरोना पॉजिटिव

बीकानेर, (कासं)। जिले में तीन दिन में पांच कोरोना पॉजिटिव सामने आने के बाद गुरुवार को बीकानेर में एक पॉजिटिव आया। इसके साथ ही हेल्थ डिपार्टमेंट अब एक्शन मोड पर आ गया है। जिन सरकारी अस्पतालों में कोविड जांच नहीं हो रही है, वहां के डॉक्टर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सीएमएचओ डॉ. ओ.पी. चाहर ने बताया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी हॉस्पिटल्स में कोरोना जांच की सुविधा उपलब्ध है। यहां आरटीपीसीआर के अलावा रेंडम जांच किट भी दी गई है। किसी भी जांच में पॉजिटिव पाए जाने पर कोरोना रिकार्ड में दर्ज किया जा रहा है।

डॉ. चाहर ने बताया कि कुछ अस्पतालों में जांच का लक्ष्य पूरा नहीं हो रहा है। इस पर संबंधित डॉक्टर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हर अस्पताल को अलग अलग जांच के टारगेट दिए गए हैं। डॉ. चाहर ने बताया कि अधिकांश बुखार के रोगी कोरोना जांच नहीं करवा रहे। कोरोना के बजाय डेंगू की जांच करवाते हैं। अधिकांश रोगी स्वयं के वैक्सीनेट होने की बात कहते हुए कोरोना जांच से दूर हो रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से सभी डॉक्टर्स को कोरोना जांच अधिक से अधिक कराने के निर्देश है। इसके बाद भी रोज तीन सौ जांच भी नहीं हो रही है। पूरे जिले में ढाई सौ के आस-पास जांच हो रही है जबकि हर ब्लॉक का टारगेट तीन सौ है।

आज होगा जैसलमेर में सेना की एक्सरसाइज का समापन

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में चल रही ये एक्सरसाइज का आज समापन होगा , इस दौरान करीब 400 पैराट्रूपर्स एक साथ पैरा जंप करेंगे। ये पहला मौका है जब पाकिस्तान से सटी सीमा पर नई टेक्नोलॉजी से वॉर एक्सरसाइज की जा रही है। भविष्य के युद्ध परमाणु शक्ति से लैस देशों के बीच कम समय में और सीमित स्थान पर लडे जा सकते हैं। ऐसे में उनमें इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप बनाए जाने लगे हैं।

इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप की कमान मेजर जनरल रैंक के एक अधिकारी के पास होगी। इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप में सेना , थलसेना और वायुसेना के माहिर जवान होंगे। इस ग्रुप में टैंक , तोप , इंजीनियर्स , लॉजिस्टिक , सपोर्ट यूनिट भी होगी। अब तक ये सब अलग - अलग यूनिट के तौर पर तैनात हैं। युद्ध के वक्त एक साथ आते हैं , लेकिन अब सबको मिलाकर छोटा और मारक ग्रुप बनाया जा रहा है। इसका सिचुएशनल ट्रायल भी चल रहा है।

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में होगा कार्यक्रम**

भारतीय सेना इन दिनों भारत - पाकिस्तान बॉर्डर पर दक्षिण शक्ति नाम से सबसे बड़ा युद्धाभ्यास कर रही है। करीब 500 किलोमीटर के दायरे में चल रहे इस युद्धाभ्यास में थल सेना के साथ वायुसेना भी शामिल है। दोनों ही मोर्चों पर दुश्मनों पर हमले का अभ्यास किया जा रहा है। गुजरात के कच्छ में भी ऐसा ही युद्धाभ्यास चल रहा है , जिसमें एक साथ आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की वॉर एक्सरसाइज चल रही है , जिसे दक्षिण शक्ति का नाम दिया गया है। इसमें कुल 30 हजार जवान हिस्सा ले रहे हैं।

इस युद्धाभ्यास का समापनआज शुक्रवार को होगा। समापन समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हो सकते हैं। गुरुवार को थल सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे इसके साक्षी रहे। तीनों सेना थार के रेगिस्तान से लेकर कच्छ के रण तक युद्धाभ्यास कर रही है। करीब 500 किलोमीटर के दायरे में चल रहे इस वॉर एक्सरसाइज में सेना ने पूरी ताकत झोंक दी है। युद्धाभ्यास दक्षिण शक्ति के तहत सेना ने रेगिस्तान में अपनी क्षमता को परखा।

युद्धाभ्यास में दुश्मन के स्ट्रेटेजिक पॉइंट पर कब्जा भी किया जा सके। इसी को ध्यान में रखकर एयर स्पेस , साइबर , इलेक्ट्रॉनिक एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी को आजमाया जा रहा है। इस युद्धाभ्यास में देश में ही विकसित हल्के लडाकू हेलिकॉप्टर के अलावा ड्रोन का भी उपयोग किया जा रहा है। इस वॉर एक्सरसाइज में आर्मी , नेवी , एयरफोर्स के अलावा कोस्ट गार्ड , बीएसएफ , पुलिस और दूसरी इंटेलिजेंस एजेंसियां शामिल हुई हैं। इन सबके बीच तालमेल को परखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग कोरोना की दूसरी डोज लगाए बिना ही मोबाइल पर भेज रहा संदेश

करौली, (निं.सं.)। राज्य सरकार और जिला प्रशासन कोरोना महामारी बचाव के लिए कोविड टीकाकरण में अव्वल रहने की वाहवाही लूट रहा हो मगर सत्यता यह है कि यहां कोविड टीका लगाए बिना ही लोगों के कोविड का टीका लगना दर्शा कर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसका उदाहरण करौली के निकटवर्ती सोहनपुरा निवासी दीपक शर्मा, राहुल शर्मा और रमा शर्मा है जिनके कोविड का पहला डोज तो लगा है मगर दूसरा डोज आज तक नहीं लगा और चिकित्सा प्रशासन ने अपने नंबर बनाने की खातिर दूसरी डोज लगाए बिना ही कागजों में दूसरी डोज लगना दर्शा कर उनके मोबाइल पर मैसेज डाल दिया।

गौरतलब यह है कि जब दीपक शर्मा,राहुल शर्मा और रमा शर्मा के मोबाइलों पर कोरोना महामारी से बचाव के दूसरी डोज़ लगाने का मैसेज पहुंचा तो तीनों व्यक्ति सकते में आ गए कि हमारे दूसरी डोज लगी नहीं और

- **'मामले की जांच कराएंगे कि आखिर ऐसा क्यों हुआ'**

चिकित्सा प्रशासन ने दूसरी डोज कागजों में लगाना दर्शा दिया। जिसकी सूचना उन्होंने संवाददाता को मोबाइल पर देकर स्पष्ट की है। राहुल और दीपक शर्मा के सायं 5:07 बजे पर टीका लगने का मैसेज डाला गया है पहली बात तो यह है कि क्या दोनों के एक ही समय में टीका लगाया गया जो संभव नहीं है। दूसरी ओर राहुल बीते लंबे दिनों से यहां मौजूद ही नहीं है। जो अहमदाबाद में किसी निजी अस्पताल में काम करता है। उसके उपरांत भी चिकित्सा प्रशासन ने उसके कोई टीका लगाना दर्शा दिया । इस मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश मीणा ने कहा कि मामले की जांच कराएंगे कि आखिर ऐसा क्यों हुआ है वहीं जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहांग का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

वीजा पासपोर्ट में लगाए फर्जी दस्तावेज

जोधपुर, (कासं)। शहर के गांगाणी, झंवर और सालवास क्षेत्र में कई पाक विस्थापित निवास कर रहे हैं। इन्हें स्वदेश भेजे जाने की प्रकिया भी चलती आ रही है। गत दिनों काफी संख्या में पाक विस्थापितों को करवड क्षेत्र में रोका गया था। इनके दस्तावेजों की जांच इंटेलीजेंस द्वारा की जा रही है। दस्तावेजों की जांच में दो शख्स के खिलाफ फर्जी कागजात का दुरूपयोग कर पासपोर्ट वीजा के लिए आवेदन करना सामने आया।

इस पर अब पारपत्र एवं विदेशी अनुसंधान इंटेलीजेंस के प्रभारी निरीक्षक मोहनदास की तरफ से उदयमंदिर थाने में धोखाधडी का केस दर्ज करवाया गया है। दर्ज रिपोर्ट में पारपत्र एवं विदेशी अनुसंधान इंटेलीजेंस के मोहनदास ने बताया कि झंवर रोड स्थित अलकोसर निवासी महराज पुत्र हरको भील एवं धर्मकांटे के सामने रामनगर बोरानाडा निवासी नृसिंह पुत्र धूडाराम ने फर्जी तरीके से पासपोर्ट वीजा के लिए आवेदन किया था। इनके दस्तावेजों की जांच के बाद खुलासा हो पाया।

श्रीनाथजी पीठ : 24 एकड़ भूमि पर बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया भूमिपूजन और शिलान्यास

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल एवम कुलाधिपति कलराज मिश्र ने गुरुवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (सुविवि.) के नए विस्तारित परिसर के रूप में श्रीनाथजी पीठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। यह परिसर प्रसिद्ध वैष्णवतीर्थ नाथद्वारा के पास स्थित बिलोता गांव में 24 एकड़ भूमि पर बनेगा जो कि विश्वविद्यालय के नार्थ कैम्पस के तौर पर जाना जाएगा। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि आज के दौर में नवाचार के माध्यम से कौशल विकास किया जाए शिक्षा सीधे रोजगार से जुड जाएगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा में अकादमिक कार्यों के साथ ही संस्थागत विकास और विस्तार भी बहुत जरूरी है और इस परिसर का विस्तार इसी का एक हिस्सा है। मिश्र ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में नए शोध और विश्व स्तरीय नवाचारों के लिए भी चिंतन करना चाहिए। महिला महाविद्यालय खोलने की बात पर राज्यपाल ने प्रसन्नता जाहिर की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि आज एजुकेशन में एक्सटेंशन के बारे में सोचने व चिंतन करने का समय आ गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और कई नए विषयों के बारे में ग्रामीण युवाओ और खेतीहर लोगों को भी बताना बहुत जरूरी है।

मोहनलाल सुखाड़िया विवि. के कुलपति प्रो अमेरिका सिंह ने सभी अतिथियों का पगड़ी और उपरना पहना कर स्वागत किया। प्रो सिंह ने कहा कि परिसर में नवाचारों से युक्त रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। वल्लभ दर्शन, मंदिर प्रबंधन, हवेली संगीत, पिछवाई कला, ज्योतिष सहित भागवत दर्शन के कई कोर्स संचालित होंगे। उन्होंने बताया कि यहां एक श्रीनाथ गैलरी भी बनाई जाएगी, साथ ही वल्लभ दर्शन पर आधारित लाइव शो भी शुरू किया जाएगा। यहां कौशल विकास केंद्र भी खोला जाएगा जिसमें करीब 25 रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने विश्वविद्यालय के नए परिसर के शिलान्यास पर सभी को बधाई दी। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि बिलोता में परिसर विस्तार विवि के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने नाथद्वारा के समीप बिलोता गांव में सुखाड़िया विवि के श्रीनाथजी पीठ-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भूमिपूजन-शिलान्यास किया।

- **शिक्षा में संस्थागत विकास और विस्तार भी जरूरी : राज्यपाल कलराज मिश्र**

बार एसोसिएशन ने मांगी माफी, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की अवमानना कार्रवाई

- **सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर में जयपुर हाईकोर्ट के वकीलों द्वारा एक जज की कोर्ट का न्यायिक बहिष्कार करने और एक दिन की हड़ताल के मुद्दे पर अवमानना का स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था**
- **एसोसिएशन ने आश्वस्त किया कि वे भविष्य में हड़ताल नहीं करेंगे। यदि कोई समस्या होगी तो उसके लिए भी सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशानुसार विधिपूर्वक कार्रवाई की जाएगी**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट के एक जज की कोर्ट का बॉयकाट करने व न्यायिक बहिष्कार करने के अवमानना मामले में राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष व महासचिव पूरी कार्यकारिणी ने सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांग ली है। एसोसिएशन ने आश्वस्त किया कि वे भविष्य में हड़ताल नहीं करेंगे। वहीं यदि कोई समस्या होगी तो उसके लिए भी सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशानुसार विधिपूर्वक कार्रवाई की जाएगी। एसोसिएशन की ओर से शपथ पत्र और बार के प्रस्ताव को भी अदालत में पेश किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करने और सीजे पर रोस्टर में बदलाव नहीं करने की भी बात कही गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह व संजीव खन्ना की खंडपीठ ने बार एसोसिएशन को राहत देते हुए कार्यकारिणी के खिलाफ लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में अवमानना की कार्रवाई को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बार व बेंच एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों के बीच सामंजस्य का होना जरूरी है। वहीं सदैव बेंच सही हो और बार गलत हो, ऐसा होना भी जरूरी नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि एसोसिएशन भी सही हो सकती है, लेकिन उसके विरोध का तरीका गलत था। वकील विधिपूर्वक अपना विरोध दर्ज करा सकते हैं और इस संबंध में उन्हें सीजे के समक्ष प्रतिवेदन भी देना चाहिए। वहीं अदालत ने मामले में मध्यस्थता के लिए बीसीआई के चेयरमैन मनन मिश्रा से भी चर्चा करते हुए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के खिलाफ अवमानना के मामले को रद्द कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में बार व बेंच के बीच होने वाले विवादों के निपटारे के लिए हर हाईकोर्ट में एक ग्रीवांस रिड्रेसल कमेटी गठित करने के संकेत दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कमेटी में सीजे, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित अन्य सदस्य होंगे। इस कमेटी में विवाद का निपटारा नहीं होने पर वकील विधिपूर्वक विरोध दर्ज करा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गत सितंबर माह में जयपुर हाईकोर्ट के वकीलों द्वारा एक जज की कोर्ट का न्यायिक बहिष्कार करने और एक दिन की हडताल करने के मुद्दे पर अवमानना का स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व सदस्यों को अवमानना नोटिस जारी कर उन्हें तलब किया था। मामले में 17 नवंबर को सुनवाई के दौरान बार पदाधिकारियों ने मामले में माफी मांगने से इंकार करते कहा कि उन्होंने न्यायिक कार्य का बहिष्कार नहीं किया है। जबकि रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट में न्यायिक कार्य का बहिष्कार करने की बात कही थी। इस पर अदालत नाराज हो गई और बार के अध्यक्ष व महासचिव सहित पदाधिकारियों व सदस्यों को व्यक्तिगत शपथ पत्र पेश कर हाजिर होने का निर्देश दिया था।

समय पर जवाब पेश नहीं करने पर चिकित्सा विभाग पर हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्स ग्रेड द्वितीय के पद पर कार्यरत कर्मचारियों को लंबे समय से वेतन नहीं देने के मामले में लंबित याचिका में बार-बार समय देने के बावजूद जवाब पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने चिकित्सा विभाग पर दस हजार रुपए का हर्जाना लगाते हुए राशि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने को कहा है। वहीं अदालत ने प्रकरण की सुनवाई तीन दिसंबर को तय करते हुए स्पष्ट किया है कि यदि जवाब पेश नहीं किया गया तो प्रकरण को मेरिट पर सुनकर तय कर दिया जाएगा। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश रामचरण शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए।

सुनवाई में विभाग के अधिवक्ता ने जवाब पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि 14 दिसंबर 2020 को जवाब के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया था। इसके बाद गत 14 अप्रैल 2021 को फिर से दो सप्ताह का समय देते हुए जवाब पेश करने का अंतिम मौका दिया गया था।

4 जिलों के पंचायती चुनाव में संगठन को मिलेगी टिकट वितरण में तवज्जो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने गुरूवार को चार जिलों के प्रभारियों की बैठक ली।

- **डोटासरा ने उम्मीद जताई कि जिस तरीके से पिछले पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस को जीत मिली थी, उसी तरीके से इन चुनावों में भी सरकार के बेहतर काम पर जनता मुहर लगाएगी और चारों जिलों में कांग्रेस पंचायती राज चुनाव जीतेगी**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंत्री पद से हटने के बाद अब चार जिलों में पंचायत राज चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं और इसके संबंध में गुरुवार को उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संबंधित नेताओं और प्रभारी मंत्रियों की बैठक ली।

बताया जा रहा है कि बैठक में तय किया गया है कि टिकट वितरण के काम प्रभारी मंत्री और विधायकों की रायशुमारी के साथ ही टिकट वितरण में अब कांग्रेस संगठन की रायशुमारी ज्यादा महत्वपूर्ण होगी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने गुरुवार को चार जिलों श्रीगंगानगर, कोटा, बारां और करौली में होने वाले पंचायत राज चुनाव के लिए प्रभारी मंत्रियों के साथ ही संगठन के संभाग प्रभारियों और जिला प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में यह तय किया गया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, जनरल सेक्रेटरी और सेक्रेटरी और जिलों के इंचार्ज के साथ हर पंचायत समिति में 1-1 कोऑर्डिनेटर लगाया जाएगा। ये अगले 3 दिन में अपने जिले और पंचायत समिति में विधानसभा वार जाकर फीडबैक लेंगे। यह फीडबैक विधायक, लोकल लीडर्स, एक्स एमएलए, प्रधान, जिला प्रमुख और संगठन के नेताओं से लिया जाएगा। यह सब पीसीसी की ओर से किया जाएगा। डोटासरा ने कहा कि प्रभारी मंत्री भी जिन जिलों के प्रभारी हैं। वह अपना फीडबैक संगठन को दे देंगे, जिससे कि बेहतर तरीके से टिकट वितरण हो सके। उन्होंने बताया कि जिलों में जाना, फीडबैक लेना और टिकट वितरण का काम करना अब पूरी तरीके से प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से ही किया जाएगा। डोटासरा ने उम्मीद जताई कि जिस तरीके से पिछले पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस को जीत मिली थी, उसी तरीके से इन चुनावों में भी सरकार के बेहतर काम पर जनता मुहर लगाएगी और चारों जिलों में कांग्रेस पंचायती राज चुनाव जीतेगी। इस बैठक में चारों जिलों के प्रभारियों के तौर पर मंत्री अशोक चांदना, टीकाराम जूली, बीडी कल्ला और लालचंद कटारिया को शामिल होना था, लेकिन इस बैठक में करौली के प्रभारी मंत्री अशोक चांदना और बारां के प्रभारी मंत्री टीकाराम जूली शामिल हुए। गंगानगर के प्रभारी मंत्री बीडी कल्ला के बैठक में नहीं आने पर गोविंद डोटासरा ने कहा कि उनका फोन स्विच ऑफ था। हालांकि लालचंद कटारिया को लेकर गोविंद डोटासरा ने कहा कि उनके परिवार में शादी होने के चलते वह इस बैठक में शामिल नहीं हो सके।

जलदाय विभाग के संचालित कार्यों की रैंडम चैकिंग करने के निर्देश

जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी ने गुरुवार को जल भवन में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ पहली बैठक को सम्बोधित किया।

- **परियोजनाओं में डेडलाइन की सख्ती से पालना हो : महेश जोशी**

जयपुर, (का.सं.)। जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी ने प्रदेश में विभाग के तहत संचालित होने वाले नियमित अभियानों में गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यों की समयबद्ध रूप से 'रैंडम चैकिंग' सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हैण्डपम्प मरम्मत अभियान, नए हैंडपम्प एवं ट्यूबवेल लगाने तथा जल परिवहन जैसे अभियानों में रैंडम चैकिंग आवश्यक रूप से हो, जिससे यह तय किया जा सके कि कार्य पूर्ण होने के बाद मौके पर जनता को उनका फायदा ठीक प्रकार से मिल रहा है।

डॉ. जोशी गुरुवार को जल भवन में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित पहली बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्विस डिलीवरी को किस प्रकार और बेहतर बनाते हुए राज्य में जनहित के सर्वश्रेष्ठ कार्य हो सकते हैं, विभागीय अधिकारी इस दिशा में भी सोचे और अपने सुझाव दें।

जलदाय मंत्री ने कहा कि सभी पेयजल परियोजनाओं में डेडलाइन की सख्ती से पालना की जाए और कार्यों में निर्धारित मानदंडों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण सामग्री का ही उपयोग हो, इसके लिए मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत बनाते हुए जांच एवं निरीक्षण की संख्या में बढ़ोतरी की जाए। जल जीवन मिशन (जे.जे.एम.) सहित सभी पेयजल परियोजनाओं के कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा कर लोगों को लाभांवित करने के लिए और सघन प्रयास किए जाए। उन्होंने प्रदेश में लम्बित पेयजल परियोजनाओं के कार्यों में गैप के बारे में अधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

डॉ. जोशी ने बैठक में कहा कि सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद रखें और उनके स्तर से आने वाले समस्त प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध समाधान की कार्यवाही सुनिश्चित करे। उन्होंने आमजन की पेयजल सम्बंधी शिकायतों और समस्याओं को भी पूरी गम्भीरता से लेते हुए उन पर नियमित रूप से त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि विभाग से सम्बंधित मुख्यमंत्री की घोषणाओं, बजट घोषणाओं तथा अन्य घोषणाओं के कार्यों को समय पर पूरा करने का भी पूरा फोकस हो।

जलदाय मंत्री ने कहा कि कच्ची बस्तियों और कई स्थानों पर लीकेज की वजह से लोगों के उपयोग में आने से अधिक मात्रा में पानी व्यर्थ बह जाता है। प्रदेश में इस प्रकार की स्थितियों को रोकने के लिए हर संभव उपाय किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियंता को अपने क्षेत्र में कहीं पर भी लीकेज के कारण पानी के अपव्यय की सूचना मिले तो उस पर तुरंत एक्शन लिया जाए। यदि लीकेज का प्रकरण किसी दूसरे अभियंता के क्षेत्र से सम्बंधित हो तो भी आपसी सामंजस्य से उसकी रिपेयर के लिए तत्काल उपाय किया जाए।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के वक्ताओं की दूसरी सूची जारी

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर लिट.फेस्ट 15वें संस्करण-2022 में हिस्सा लेने वाले 180 वक्ताओं में से फेस्टिवल ने 25 नामों की घोषणा की गई। दूसरी लिस्ट में अखिल कात्याल, एंड्रू लॉनी, अनिंदिता घोष, डेविड मिशेल, डेविड वेनग्रो, एलिफ शफाक, जयराम रमेश, के. सच्चिदानंदन, के मिलर, महफूज़ अनम, मनु एस. पिल्लई, माया जेसनोफ, मोनिका अली, नंदना देव सेन, नौशाद डी. फोर्ब्स, रितु मेनन, रोबर्ट मैकफर्लेन, रुपर्ट एवेरेट, रुथ पेडल, सैकत मजुमदार, शेहान करुणातिलक, सोनाली बेंद्रे, तनुज सोलंकी, विद्या दहेजिया और विनोद कापरी सरीखे लेखक शामिल हैं।

जयपुर में 28 जनवरी से 1 फरवरी तक चलने वाले वार्षिक जयपुर फेस्टिवल में एक बार फिर से विचारों का ग्रैंडे मैराथन बनने जा रहा है, जहां विविध क्षेत्रों और संस्कृतियों के आदर्शवादी, यथार्थवादी, दूरदर्शी, बौद्धिक और कलम-सेवी हिस्सा लेंगे। लेखक, इतिहासकार और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के को-डायरेक्टर विलियम डेलरिम्पल ने कहा कि हम दुनियाभर से विशेष साहित्यिक प्रतिभाओं को लेकर फिर से वापस आ रहे हैं।

राजस्थान की मांग के अनुसार कोयला होगा उपलब्ध : अनिल जैन

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय कोयला सचिव अनिल जैन ने विश्वास दिलाया है कि राजस्थान के थर्मल तापीय विद्युत गृहों के लिए कोयले की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए राजस्थान को उपलब्ध रेल व रोड किसी भी मोड से कोयले की अधिक से अधिक रैक मंगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

केन्द्रीय कोयला सचिव अनिल जैन गुरुवार को विद्युत भवन में अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल के साथ संबंधित विभागों व संस्थाओं की उच्च स्तरीय बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कोयले के भावों में तेजी के चलते आयातित कोयला अधिक महंगा होने से आयातित कोयला आधारित इकाइयों में कोयले की मांग में बढ़ोतरी हो गई है। इससे उनकी मांग बढ़ने से स्थानीय कोयला खानों पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि देश में अभी कोयले का संकट खत्म नहीं हुआ है ऐसे में जहां से भी और जिस माध्यम से भी कोयला उपलब्ध हो, तापीय विद्युत गृहों में भण्डारित कर लिया जाए ताकि कोयले की आसन्न कमी से विद्युत उत्पादन प्रभावित ना हो सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार द्वारा कोयला की आपूर्ति में राजस्थान को पूरा सहयोग दिया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव, माइंस एवं एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने प्रभावी तरीके से राज्य का पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य के तापीय विद्युत गृहों के लिए कम से कम 20 दिन के कोयला के अग्रिम भण्डारण की आवश्यकता को देखते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करवाई जाए। वर्तमान में राज्य के पास औसत सात दिन का स्टॉक भण्डारित हो रहा है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि राज्य में लिग्नाईट के विपुल भण्डार है। उन्होंने नेवेली लिग्नाइट से राज्य सरकार के समक्ष ठोस प्रस्ताव लाने का सुझाव दिया ताकि प्रदेश में संयुक्त आधार पर विद्युत उत्पादन की संभावनाओं को और अधिक बढ़ाया जा सके।

17 जिलों में ट्रैफिक पार्कों के निर्माण के लिए 3 करोड़ 74 लाख रुपए मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के 17 जिलों में ट्रैफिक पार्क की स्थापना के लिए 3 करोड़ 74 लाख 64 हजार रूपए मंजूर किए हैं। इन ट्रैफिक पार्क के माध्यम से आमजन को मिनी इलेक्ट्रिक व्हीकल अथवा गोल्फ कार्ट के मॉडल, सिग्नल्स, सिम्युलेटर आदि के माध्यम से यातायात के नियमों की जानकारी दी जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों तथा आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए राज्य के प्रत्येक जिले में ट्रैफिक पार्क स्थापित करने तथा इस कार्य के लिए 16 करोड़ 50 लाख रूपए व्यय करने की बजट घोषणा की थी।

रजिस्ट्री में फर्जी चालान बनाकर लोगों से ठगी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। शहर में विभिन्न उप पंजीयक (डिप्टी रजिस्ट्रार) कार्यालयों में फर्जी ई-चालान बनाकर मकानों की विक्रय पत्र पंजीयन (रजिस्ट्री) करवाकर सरकार को करोड़ों रूपयों का राजस्व नुकसान पहुंचाने के मामले में एक और आरोपी जितेन्द्र कुमार शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विशेष अनुसंधान दल ने की। मामले की जांच एडिशनल डीसीपी (क्राइम एंड विजीलेंस) करन शर्मा के सुपरविजन में तीन सदस्यीय टीम कर रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर आनन्द श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी जितेन्द्र कुमार शर्मा (27) निवासी प्लॉट नं. 83, श्री कृष्णा एक्लेव, गोविन्दपुरा सांगानेर का रहने वाला है। उसको गुरूवार को कोर्ट में पेश कर 28 नवंबर तक रिमांड पर लिया है। आरोपी से करोड़ों रुपए के घोटाले में प्रयुक्त इलेक्ट्रोनिक उपकरणों की बरामदगी और धोखाधड़ी कर प्राप्त की गई रकम की बरामदगी का प्रयास किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक आरोपी जितेन्द्र शर्मा पिंजरापोल गौशाला पर रिद्धि-सिद्धि के नाम से टाइपिंग की दुकान चलाता है।

आरोपी जितेंद्र कुमार रजिस्ट्री करवाने वाले व्यक्तियों से रजिस्ट्री की सम्पूर्ण राशि नकद लेता था व अपना मेहनताना कमीशन के रूप में अलग से लेता था। आरोपी जितेंद्र रजिस्ट्री टाइप कर जयपुर कलेक्ट्रेट में स्थित उप पंजीयक कार्यालयों में जोगेन्द्र कुमार व अर्जुन चौधरी से मिलकर फर्जी ई-चालान तैयार कराकर रजिस्ट्री करा देता था। फर्जी तैयार किये गये ई-चालान की राशि को अन्य आरोपियों के साथ आपस में बांट लेते थे। इस संबंध में गत 1 अक्टूबर को बनीपार्क थाने में प्रकरण सं. 134 / 21 दर्ज करवाया गया था। इससे पहले एसआईटी ने फर्जी ई-ग्रास चालान जीआरएन नंबर तैयार करने वाले अपराधियों को नामजद कर सबसे पहले गिरोह के एक सदस्य जोगेंद्र कुमार उर्फ योगेंद्र कुमार को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि इस गिरोह के सदस्यों ने उप पंजीयक जयपुर द्वितीय के कार्यालय में 105 दस्तावेजों का फर्जी ई-ग्रास चालान बनाकर सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व की हानि पहुंचाई थी। गिरोह के सदस्यों ने फर्जी चालान बनाकर रजिस्ट्रेशन के नाम पर लोगों से करीब 9 करोड़ रुपए की राशि हड़प ली। जब लोगों के पास सब रजिस्ट्रार कार्यालय से 12 प्रतिशत ब्याज के साथ राशि जमा कराने के नोटिस पहुंचे, तब उनको ठगी का पता चला।

एसएमएस अस्पताल में सर्जरी से अमेरिकी युवती की हाईट बढ़ाई

जयपुर । एसएमएस अस्पताल के डॉक्टरों ने अमेरिकी युवती की सर्जरी करके 15 सेमी. हाईट बढ़ाई है। एसएमएस हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर और हॉस्पिटल के पूर्व अधीक्षक डॉ. डी.एस. मीणा ने बताया कि एंजेलिना (नाम परिवर्तित) की अनुवांशिक तौर पर हाईट छोटी है। रशियन तकनीक (लेंथिंग ओवर नेल) से सर्जरी करके पैरों की हाईट 15 सेमी. तक बढ़ाया गया है। इस सर्जरी में डॉ. राजकुमार हर्षवाल, डॉ. श्रीफल मीणा, डॉ. सोनाली ने भी सहयोग दिया।

युवा संसद में युवाओं ने बताया कैसी हो उनकी नीति

- **नवीन नीति युवाओं को सशक्त बनाने वाली होगी : चांदना**

जयपुर, (का.सं.)। युवा मामले और खेल विभाग राज्य मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि राज्य के युवा वर्ग को अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए सशक्त व सक्षम बने इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा के अनुरूप नवीन राज्य युवा नीति तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक समग्र नीति के निर्माण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाए। नीति केवल कागजों में तैयार नहीं होनी चाहिये, बल्कि ऐसी हो जिससे प्रदेश का युवा सशक्त बने।

चांदना राजस्थान युवा बोर्ड द्वारा गुरूवार को पंचायती राज संस्थान मंस आयोजित युवा संसद को संबोधित कर रहे थे। युवा संसद के तहत नवीन राज्य युवा नीति पर राज्य स्तरीय परिसंवाद का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर चांदना ने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं की राज्य तथा राष्ट्र के विकास में भागीदारी बढ़ाने और उनमें कौशल विकास, उद्यमिता तथा सामाजिक मूल्यों के संवर्धन के लिए नवीन युवा नीति लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल डिग्री हासिल करने की मानसिकता से मुक्त होने की जरूरत है। युवाओं में अपार संभावनाएं हैं। उनके सामने शुरूआत से ही विजन होना चाहिये कि वे क्या करना चाहते हैं और क्या बनना चाहते हैं।

परिसंवाद में नवीन युवा नीति के मसौदे पर यूनिसेफ, यूएनएफपीए, यूनेस्को, डब्ल्यूएचओ, यूएनडीपी आदि विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ-साथ एनसीसी, एनएसएस, स्काउट के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं ने भी अपने विचार रखे और नीति को प्रभावी तथा भविष्योन्मुखी बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिये। युवाओं ने नई नीति में रोजगारोन्मुखी शिक्षा, बाल विवाह रोकने, नशे से दूरी, कौशल विकास से संबंधित प्रावधानों को जोड़ने का सुझाव दिया। युवाओं ने सुझाव दिया कि नई नीति से बालिका शिक्षा, बालिकाओं में पोषण के स्तर में सुधार का लक्ष्य भी समाहित होना चाहिये।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से विशाल राज्य है और यहां अलग अलग स्थानों पर युवाओं की समस्याएं अलग अलग हैं। युवाओं के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी है और सरकार सामने चुनौती है कि इन युवाओं को कौशल से कैसे जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि युवा रचनात्मक हैं। वे नए विचारों को जन्म देते हैं और रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं। नवीन युवा राज्य नीति उनकी इस ऊर्जा को सही दिशा देने वाली होनी चाहिये। इस अवसर पर क्रीड़ा परिषद सचिव राजूलाल गुर्जर, सदस्य सचिव राज्य युवा बोर्ड कैलाश पहाड़िया, नेहरू युवा केन्द्र संगठन के राज्य निदेशक पवन कुमार अमरावत सहित युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान युवा बोर्ड के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रताप नगर में 250 करोड़ की बेशकीमती जमीन पर हाऊसिंग बोर्ड ने लिया कब्जा

विभाग ने 27 वर्ष पहले अवाप्त की थी यह भूमि, मुआवजा कोर्ट में जमा होने के बावजूद भी खातेदार ने इस जमीन पर मैरिज गार्डन बनाकर कब्जा जमा रखा था

प्रताप नगर करीब 27 साल पहले अवाप्त की हुई जमीन का हाउसिंग बोर्ड ने गुरूवार को कब्जा लिया। कमिश्नर पवन अरोड़ा ने खुद मौके पर पहुंचकर इस जमीन पर बने मैरिज गार्डन को जेसीबी से तुड़वाया।

- **अदालत ने पिछले दिनों इस खातेदार की याचिका को खारिज करके जमीन अवाप्ति को सही माना था**

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने प्रताप नगर में करीब 27 साल पहले अवाप्त की हुई जमीन का गुरूवार को कब्जा लिया। कमिश्नर पवन अरोड़ा ने खुद मौके पर पहुंचकर इस जमीन पर बने मैरिज गार्डन को जेसीबी से तुड़वाया। जमीन का कब्जा लेते ही मौके पर आवासन मंडल की संपत्ति का साइन बोर्ड लगवाया गया है। इस जमीन का बाजार मूल्य करीब 250 से 300 करोड़ रुपए माना जा रहा है।

हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर पवन अरोड़ा ने बताया कि प्रताप नगर में हल्दीघाटी मार्ग स्थित यह 9 बीघा 5 बिस्वा जमीन साल वर्ष 1994 में अवाप्त की थी। जमीन अवाप्ति के बाद मुआवजा राशि कोर्ट में जमा करवा दी थी। उसके बाद भी खातेदार ने मौके से कब्जा नहीं छोड़ा। नवंबर 2009 में खातेदार ने जमीन पर मैरिज गार्डन बना लिया। साथ ही हाउसिंग बोर्ड की अवाप्ति को चैलेंज करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका लगा दी। इस याचिका पर सुनवाई के बाद पिछले दिनों कोर्ट ने अवाप्ति को सही मानते हुए खातेदारों की याचिका को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद गुरूवार को इस बेशकीमती जमीन का मौके पर कब्जा लिया गया है। मौके पर मैरिज गार्डन में 7-8 कमरे बना रखे थे, जिन्हें जेसीबी से तोड़ा गया है। हाउसिंग बोर्ड इस जमीन की अवाप्ति के बदले प्रभावितों को अब नकद राशि के बजाए विकसित जमीन का मुआवजा देने की तैयारी कर रहा है। अरोड़ा ने बताया कि इन लोगों को उस समय जितना मुआवजा अवाप्ति के समय मिला करता था, उतनी ही जमीन मुआवजे के रूप में दी जाएगी। कार्रवाई के दौरान हाउसिंग बोर्ड के चीफ इंजीनियर के.सी. मीणा, राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दशरथ सिंह, संयुक्त महामसचिव गोविंद नाटाणी समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

कनावर बिजलीघर पर अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाया

बयाना । विद्युत निगम की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त वोल्टेज व नियमित आपूर्ती की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहां के गांव कनावर के बिजलीघर में भी अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। निगम के सहायक अभियंता विवेक शर्मा ने बताया वर्तमान में कनावर बिजली घर से 11 केवी क्षमता के 4 फीडर निकल रहे है। जिनसे 10 हजार ग्रामीण उपभोक्ता जुडे हुए है। विद्युत उपभोग बढने के साथ ही बिजलीघर के सिस्टम पर लोड बढने से कई समस्याऐं हो रही थी। जिनके समाधान व उपभोक्ताओं को प्र्याप्त वोल्टेज और नियमित आपूर्ती के लिए वहां एक ओर 3.15 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। निगम की इस पहल का ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए अधिकारीयों के प्रति आभार जताया है। नए ट्रांसफार्मर की तकनीकी जांच व चार्जिंग के बाद उसे चालू किया गया। इस दौरान तकनीकी टीम के अभियंता गायत्री यादव, कनिश्ठ अभियंता पंकज सिंह, फीडर इंचार्ज कमल सैनी, धारा जाटव, मदनलाल कोली, सुखदेव व उदय सिंह आदि भी मौजूद रहे।

औषधालय का निरीक्षण, मौसमी बीमारियों से सजग रहें

मासलपुर (निसं)। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक ने क्षेत्र के रतियापुरा एवं चैनपुर गांव के औषधालय का निरीक्षण किया।

आयुर्वेद विभाग करौली के उपनिदेशक डॉ. गोविंद शरण शर्मा ने राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय रतियापुरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उपनिदेशक डॉ. शर्मा ने व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए चिकित्सक सुनील कुमार शर्मा को मौसमी बीमारियों पर सजगता बरतने एवं आरोग्य समिति के पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। उपनिदेशक ने औषधालय व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए ग्रामीणों से अच्छा संपर्क होने तथा औषधालय स्टाफ द्वारा कोविड-19 में ग्रामीणों को काढ़ा पिलाने की की गई सेवा की प्रशंसा की निरीक्षण के दौरान चिकित्सक सुनील कुमार शर्मा, वरिष्ठ कंपाउंडर पंखी लाल मीणा,परिचारक रामबाबू मीणा सहित ग्रामीण उपस्थित थे। इसके अलावा उपनिदेशक शर्मा ने आयुर्वेद औषधालय चैनपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा अधिकारी और कार्मिकों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए ज्यादा से ज्यादा बीमारों को आयुर्वेद से लाभान्वित करें। उन्हें औषधीय कॉढा पिलाएं और कार्मिकों के कार्य से उपनिदेशक संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने परिवार कल्याण में आवंटन लक्ष्य पूर्ति के भी निर्देश दिए। आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. रमनस्वरूप लवानिया ने बताया कि और औषधालय चैनपुर में परिचारक और कंपाउंडर का पद नहीं है जिसे भरा जाए।

■ कोविड-19 में ग्रामीणों को काढ़ा पिलाने की की गई सेवा की प्रशंसा का

आयुर्वेद विभाग करौली के उपनिदेशक डॉ. गोविंद शरण शर्मा ने राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय रतियापुरा व चैनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया।

प्रशासन गांवों के संग अभियान में स्मार्ट कार्ड सौंपा

गंगापुर सिटी, (निसं)। गुरूवार को प्रशासन गांवों के संग अभियान छाबा गांव पंचायत में आयोजित किया गया। कैंप में धीरज पुत्र खेमराज निवासी छाहरा उपस्थित हुआ और उसने बताया की मैं दिव्यांग हूं उसके बाबजूद रोडवेज का स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए काफी समय से घूम रहा हूं। परंतु कागजों की कमी बताकर मुझे वापिस लौटा दिया जाता हैं। उसने शिविर में हीं एसडीएम अनिल चौधरी से स्मार्ट कार्ड बनवाने की मांग की। धीरज के आवेदन पर कैंप में हीं आवेदन की जांच कर रोडवेज विभाग के प्रतिनिधि मोहम्मद ताजमुल को बुलाकर उसे निर्देश देकर कार्यवाहीं करवाई गई और उक्त आवेदन पर तत्काल कार्यवाहीं कर सारी कागजी कार्यवाहियां पूरी कर रोडवेज का स्मार्ट कार्ड जारी किया गया। वहीं शकुंतला पत्नी भोरी लाल ने कहा की उसके पास आजीविका का कोई साधन नहीं हैं और उसे पेंशन नहीं मिल रहीं हैं उसने पेंशन बंधवाने की मांग की। जिसपर एसडीएम ने शिविर में हीं सारी कार्यवाहीं पूरी कर उसकी पेंशन स्वीकृत करवाई गई और वह अभियान की प्रशंसा करते हुए अपने घर लौट गई।

सार-समाचार

किसान की आकस्मिक मौत

बयाना । बयाना उपखंड के गांव खटनावली में आज खेतों पर काम करने गए एक कृषक युवक की अचानक तबीयत बिगडने पर परिजन बयाना के अस्पताल लाए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक थान सिंह जाटव पुत्र भगवान सिंह आयु 28 वर्ष बताया है। मृतक युवक की मां कैलाशीदेवी ने बताया कि उसके पुत्र की आज खेतों पर काम करते समय अचानक तबीयत बिगडने पर उपचार के लिए बयाना अस्पताल लाए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में मृतक का पंचनामा व पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

हादसे में तीन छात्र घायल

बयाना । बयाना हिण्डौन स्टेट हाइवे पर आज गणेश मोड के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाई सवार तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दूसरा बाईक चालक मौके से भाग गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से इन तीनों घायलों को बयाना अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के बाद इनकी हालत में सुधार बताया है।

मजदूरों को श्रम कार्ड वितरित किये, दो लाख का बीमा मिलेगा

सूरौठ (नि.सं.)। भारत सरकार के श्रम विभाग द्वारा असंगठित कामगारों के लिए श्रम कार्ड बनाने की योजना चलाई जा रही है। जिसके तहत गांव भुकरावली निवासी सीएससी वीएलई वीपी सिंह मीना कई महीनों से सैकड़ों अंसगठित श्रमिकों व मजदूरो के ईश्रम कार्ड बनाकर उन्हें वितरण कर चुके है वीएलई वीपी सिंह गांवो में कैम्प लगातार मजदूर महिला एवं पुरूष व असंगठित श्रमिको के ई श्रम कार्ड बनाकर उन्हें वितरण कर रहे है ई।

श्रम कार्ड रजिस्ट्रेशन के लिए सीएससी केंद्र पर जाकर अपना पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण के बाद श्रमिक का एक श्रम कार्ड बनेगा जिस पर श्रमिक का यूनिक कार्ड नंबर जारी होगा जिससे दो लाख का बीमा व सरकारी योजना का लाभ के साथ श्रमिको को रोजगार मिलने में मदद मिलेगी । पंजीयन के लिए पात्रता असंगठित क्षेत्र के श्रमिक , मजदूर दिहाड़ी करने वाले व्यक्ति जिनकी आयु 16 से 59 वर्ष बीच है। जिसमे घर का सफाईकर्मी, रिक्शा चालक, दुकानदार, दर्जी, पेंटर, मिस्त्री, ठेला सब्जी वाला, कुली, पशुपालक, श्रमिक , आशा सहयोगिनी, आगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि पात्र होंगे सूचना मंत्रालय द्वारा संचालित कॉमन सर्विस सेंटर के करौली जिला प्रभारी विश्वेन्द्र सिंह बेनीवाल एवं दीपक शर्मा ने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही ई श्रम कार्ड योजना देश के असंगठित वर्ग के श्रमिकों का डेटा तैयार करने के लिए है । जिला प्रशासन के निर्देशन में करौली जिले के अंतर्गत लगभग 5 लाख अंसगठित श्रमिकों का डेटा तैयार होना है जिसके लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर पंजीकरण किया जाएगा । जिससे भविष्य में श्रमिकों के डेटा के अनुसार उन्हें लाभ देने की योजनाएं बन सके एवं जिसका सीधा लाभ श्रमिकों तक पहुचं सके।

बच्चों ने नन्हे हाथों से विभिन्न तरह की रंगोली उकेरी

करौली, (निसं)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज फाउंडेशन की सहायता से जतन संस्था के द्वारा ब्लाक स्तर पर ज्ञानोदय संस्था द्वारा चलाऐ जा रहे।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया।

ब्लॉक लेवल पर ग्राम पंचायत गुनेसरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय- नोनेट (करौली) में ज्ञानोत्सव का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड. मैम्बर कल्याण ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान सुनीता कसेरा साथ में मौजूद रहीं कार्यक्रम में बच्चों ने चित्रकला, हाथों से विभिन्न तरह की रंगोली,नृत्य व खेलकूद प्रतियोगिता आदि गतिविधियों का आयोजन कराया। जिसमें विद्यार्थियों ने ज्ञानोत्सव के प्रति अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि समझ विकसित तथा पढ़ाई के प्रति आकर्षित होने का बहुत अच्छा विकल्प है।

ट्रांसफार्मर के करंट से बच्चे झुलसे

भरतपुर (निस) । जवाहर नगर हाउसिंग बोर्ड सेक्टर एक में स्थित पार्क के कॉर्नर पर लगे ट्रांसफार्मर से लगे करंट से दो चौदह वर्ष के बच्चे झुलस गए।

वार्ड 43 के पार्षद दीपक मुदगल के मकान के सामने पार्क में अनुराग पुत्र श्याम सुंदर उम्र 14 वर्ष, मोहित पुत्र योगेश कुमार उम्र 14 वर्ष निवासी गोविंद नगर पार्क में खेल रहे थे दोनो बच्चे खेलते हुए पार्क की बाउंड्री से लगे ट्रांसफार्मर से निकले वायरों से छिम गए जिससे बहुत तेज ब्लास्ट होने की आवाज आई और दोनो बच्चे जमीन पर पार्क के अंदर गिर पड़े और बेहोश हो गए ।

ब्लास्ट की तेज आवाज सुनकर स्थानीय पार्षद दीपक मुदगल पार्क में पहुंचे साथ ही सभी पडोसी भी स्थल पर पहुंचे और प्रार्थमिक उपचार करते हुए पार्षद ने सौ न पर सूचना की लेकिन एंबुलेंस एवम पुलिस समय से नहीं पहुंचने के कारण पार्षद अपनी गाडी से सरकारी अस्पताल में दोनो बच्चों को ले गए और तत्काल उपचार की व्यवस्था करते हुए दोनो बच्चों को भर्ती कराया। मोहित की हालत गंभीर बताई गई।

पार्षद दीपक मुदगल ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व में इस ट्रांसफॉर्मर से कई हादसे हो चुके हैं लेकिन बिजली विभाग इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है । वार्ड के स्थानीय निवासियों और पार्षद दीपक मुदगल ने अतिशीघ्र पार्क के पास से ट्रांसफार्मर हटाने की मांग की है यदि विभाग द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया गया तो वार्डवासी विभाग के खिलाफ आंदोलन करेंगे।इस मौके पर मथुरा गेट पुलिस दस्ता बिजली विभाग के अधिकारीगण घटनास्थल का मौका मायना करने पहुंचे।

कांग्रेस सरकार की विफलताओं को लेकर भाजपाईयों ने हल्लाबोला

बयाना। बयाना व उच्चैन के भाजपा कार्यकर्ता गुरूवार को प्रदेश भाजपा के कार्यक्रम के अनुसार जिला मुख्यालय भरतपुर पर आयोजित हल्लाबोल प्रदर्शन में शामिल हुए और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

भाजपा शहर मंडल के पूर्व महामंत्री डॉ.सुधीर भटनागर व उच्चैन के मंडल अध्यक्ष महावीरसिंह डागुर ने बताया कि राज्य की कांग्रेस सरकार की मनमानी नीतियों व विफलताओं और उसके विधायकों की मनमानी को लेकर आमजन में काफी रोश व आक्रोश है। जनता परेशान है और आमजन की आवाज उठाने वाले लोगों व कार्यकर्ताओं का उत्पीडन किया जा रहा है। जिसके विरोध में आज प्रदेश भाजपा के कार्यक्रम के अनुसार जिला भाजपा की ओर से भरतपुर में हल्लाबोल प्रदर्शन किया।

दौड़ प्रतियोगिता में एम.एस.जे. कॉलेज रहा चैम्पियन

भरतपुर, । महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय की छात्र एवं छात्रा वर्ग की अन्तर महाविद्यालय क्रॉस कन्ट्री दौड़ प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार सिंह धाकरे के मुख्य आतिथ्य में रतन सिंह पी.जी. महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुई अन्तर महाविद्यालय क्रॉस कन्ट्री दौड़ का शुभारम्भ खेल अधिकारी एवं पर्यवेक्षक निरंजन सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर किया।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेश कुमार सिंह धाकरे ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में खेल प्रतिभाओं को तराशने एवं विद्यार्थियों में खेल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही इन्डोर हॉल का निर्माण कार्य षुरू कराया जाएगा। विष्वविद्यालय परिसर में कुश्ती, जूडो, कबड्डी, बॉलीबॉल, हैण्डबॉल, बैडमिण्टन, टेबिल टेनिस, बास्केटबॉल खेलों की सुविधा विकसित होगी। इस अवसर पर कुलपति ने विजेता खिलाड़ियों को मैडल पहनाकर सम्मान किया। प्रतियोगिता के खेल पर्यवेक्षक निरंजन सिंह ने विजयी खिलाड़ियों की मंच से घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में 11 महाविद्यालयों ने भाग लिया। खेल पर्यवेक्षक निरंजन सिंह ने बताया कि अंतर महाविद्यालय क्रॉस कन्ट्री दौड प्रतियोगिता में एम.एस.जे. कॉलेज विजेता एवं रतन सिंह पी.जी. कॉलेज उपविजेता रही। विश्वविद्यालय द्वारा विजयी छात्रा वर्ग टीम में रितु, रिया, रजनी, पूजा, सोनिया, ममता एवं छात्र वर्ग टीम में रामपाल, दीपक, पंकज, श्रीराम, ओमवीर एवं सतवीर सिंह सदस्य रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंन्द्रों का निरीक्षण किया

करौली (निं.सं.) । जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सिहाग एवं पुलिस अधीक्षक मृदुल कछावा ने पंचायत चुनाव की तैयारियों के संबंध में गुरूवार को राजकीय उच्च माध्य विद्यालय डाबरा और डिकौली स्थित मतदान केंद्र का जायजा लिया ।

पंचायत चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण करवाने के मद्देनजर उपखंड कार्यालय सपोटरा में उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश मीणा को पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष करवाने के लिए तैयार प्रारंभ कर मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने केलादेवी वृताधिकारी महावीर प्रसाद को क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर सीडीपीओ जोगेंद्र सिंह,पुलिस निरीक्षक बनवारी लाल मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

साइकिल पाकर खिले छात्राओं के चेहरे

गंगापुर सिटी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बामन बडौदा में कक्षा 9 व 10 की 76 छात्राओं को समारोह पूर्वक साइकिल वितरित की।

गंगापुर सिटी (नि.स)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बामन बडौदा में गुरूवार को राज्य सरकार की ओर से बालिकाओं के लिए आई साइकिलों को विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रहलाद शर्मा, सरपंच अक्षिता शर्मा, पूर्व सरपंच विजय बोहरा, हनुमान शर्मा, एसएमसी अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं गांव के गणमान्य लोगों ने छात्राओं के तिलक लगाकर कक्षा 9 व 10 की 76 छात्राओं को समारोह पूर्वक साइकिल वितरित की।

साइकिलें पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे अब उनके स्कूल जाने की राह आसान होगी। कई छात्राऐं दो-तीन किलोमीटर दूर से भी विद्यालय जाती हैं। जिन्हें अब पैदल नहीं जाना पडेगा और आसानी से सुविधापूर्वक वो स्कूल आ जा सकेंगी।

समिति में भाजपा के चार प्रतिनिधि निर्वाचित

गंगापुर सिटी (नि.स)। जिला सवाई माधोपुर जिला परिषद के परिसर में संपन्न हुए। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के सदस्यों की चुनावी प्रक्रिया में गंगापुर सिटी के पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में जिला सवाई माधोपुर एवं नगर परिषद गंगापुर सिटी के समस्त पार्षदों के मत के आधार पर जिन पार्षदों को चुनावी प्रक्रिया में प्रत्याशी बनाया गया।

उनमें से भारतीय जनता पार्टी के चारों प्रत्याशी विजयी हुए। जिनमें से दो सवाई माधोपुर से पार्षद रमेश बैरवा, हनुमान सैनी व गंगापुर नगर परिषद से सुनील विजयवर्गीय व मोहम्मद ईस्माइल विजयी रहें। पूर्व विधायक के नेतृत्व में नगर परिषद में सभापति व उपसभापति तथा पंचायत समिति गंगापुर सिटी में प्रधान व उप प्रधान बनाकर अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया और अब समन्वय समिति में भी भाजपा के चारों पार्षदों को जिताकर भाजपा का परचम फहरा दिया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक को बधाईयां प्रेषित की हैं।

लोक अदालत ग्यारह को, तैयारियों की

करौली (निं.सं.)राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,जयपुर के निर्देशानुसार दिनांक 11 दिसम्बर को जिला मुख्यालय करौली,सपोटरा मुख्यालय,नादौती मुख्यालय व तालुका मुख्यालयों हिण्डौन, श्रीमहावीरजी, टोडाभीम पर आयोजित होने वाली सभी प्रकृति के विवादों से संबंधित चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले के समस्त न्यायाधिकारी के साथ सायकाल हारून अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) करौली की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जगमोहन अग्रवाल न्यायाधीश पारीवारिक न्यायालय, प्रशान्त अग्रवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,श्रीमती बीना गुप्ता अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश,सीताराम मीना अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या-01 हिण्डौनसिटी,दिनेश कुमार जलुथरिया अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या-02 हिण्डौनसिटी,श्रीमती सरिता धाकड मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,श्रीमती नीतू भारद्धाज अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, शैला फौजदार अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हिण्डौनसिटी,आशुतोष गोसिन्हा अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट टोडाभीम, भानू प्रिया सेहरा सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, डॉ. नीलम कुमारी सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सपोटरा,मुकेश सांवरिया सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हिण्डौनसिटी, अनिल पारवानी सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमहावीरजी,रजनीश सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नादौती, सुमन सिंहल सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट टोडाभीम,विनित कुमार अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट करौली, तुषार शर्मा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हिण्डौनसिटी व रविन्द्र कुमार न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय हिण्डौनसिटी उपस्थित हुए।

शिक्षक संघ का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 29 को

भरतपुर, (निस) । राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन को लेकर प्रदेश सभाध्यक्ष अशोक पाराशर के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश संरक्षक श्याम सिंह जघीना की अध्यक्षता में एसबीके राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राज्य सरकार के निर्देशानुसार 29 व 30 नवंबर को आयोजित होने वाला जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन, डाइट भरतपुर के सभागार में आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया ।

संघ के जिलाध्यक्ष बाबूलाल कटारा ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन सत्र 29 नवंबर को प्रात: 9 आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षा से संबंधित विभिन्न शैक्षिक नवाचार, विद्यालयी संसाधन, स्टाफिक पैटर्न एवं शिक्षक समस्याएं को लेकर खुला विचार मंथन किया जाएगा । दूसरे दिन 30 नवंबर को सम्मेलन का समापन सत्र आयोजित किया जाएगा ।

बाइक दुर्घटना में दम्पत्ती घायल

बयाना । बयाना भरतपुर स्टेट हाइवे स्थित उच्चैन मोड के पास यहां के गांव विड्यारी निवासी एक दम्पत्ती गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए निकट के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल दम्पत्ती को जिला अस्पताल भरतपुर रैफर कर दिया गया। घायल दम्पत्ती कोतवाली क्षेत्र के गांव विड्यारी निवासी भरतराम पुत्र रूपसिंह व उसकी पत्नी यषोदा बताई है। यह हादसा तब हुआ जब यह दोनों जनें अपने गांव से भरतपुर जा रहे थें तभी बाईक का संतुलन बिगड गया और हादसा हो गया।

घर के ताले तोड़े, चोरी की

बयाना । कस्बे के बामडा कॉलोनी निवासी एक अधिवक्ता की ओर से नामजद आरोपी के विरूद्ध उसके घर के ताले तोडकर चोरी करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार मिश्रीलाल रावत ने महावीर गुर्जर के विरूद्ध मामला दर्ज कराते हुए बताया है कि आरोपी ने उसके जयपुर जाने के बाद पीछे से उसके घर की उपरी मंजिल के ताले व दरवाजे तोड चोरी की।

सभी कार्य निर्धारित अवधि में पूरे करायें : डॉ. गर्ग

भरतपुर, (निस) । तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने गुरूवार को नगर विकास न्यास के सभागार में न्यास एवं नगर निगम के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित कर शहर में कराये जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिये कि सभी कार्यों को समय पर पूरा करायें तथा कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में डॉ. गर्ग ने निर्देश दिये कि शहर के जिन वार्डों में सडक निर्माण के कार्यों की निविदाऐं आमंत्रित कर ली गई हैं उन्हें शीघ्र प्रारम्भ करें । उन्होंने कहा कि आरबीएम चिकित्सालय की चारदीवारी , नाला निर्माण एवं मरम्मत के कार्यों को शीघ्र पूरा करायें तथा जनाना चिकित्सालय के वार्डों के मरम्मत के कार्यों को भी गति दिलायें। उन्होंने पार्कों के विकास के संबंध में निर्देश दिये कि चारदीवारी निर्माण के कार्य को पूर्ण कराकर पेड-पौधों की सिंचाई के लिये नलकूप लगाने के कार्य को भी समय पर पूर्ण कराया जाये। उन्होंने क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत के कार्य को शीघ्र शुरू कराने के निर्देश देते हुये कहा कि जिन स्थानों पर नालों का निर्माण कराया जाना है उनमें पानी के बहाव का विशेष ध्यान रखें ।

बैठक में नगर विकास न्यास के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि शहर में न्यास द्वारा 37 कार्य कराये जा रहे हैं जिनमें से 5 कार्य पूर्ण हो चुके हैं शेष को समय पर पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहर के वार्ड 1 से 17 एवं 52 से 58 में स्ट्रीट लाईट लगाने की निविदाऐं शीघ्र खोली जायेंगी। उन्होंने बताया कि जनाना चिकित्सालय में आश्रय स्थल के पास चारदीवारी निर्माण एवं इन्टरलॉकिंग के कार्य का निर्माण की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि सीएफसीडी एवं रणजीत नगर फ्लड ड्रेन एवं वर्षा जल निकासी के लिये बनाये जाने वाली ड्रेन की पुन: निविदाऐं आमंत्रित की गई है। इस बैठक में नगर निगम के अधिशाषी अभियंता ने भी निगम द्वारा कराये जाने वाले कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

इस बैठक में जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता , न्यास के सचिव केके गोयल , नगर निगम के आयुक्त कमलराम मीणा सहित दोनों संस्थाओं के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र निलंबित

करौली (निं.सं.)सवाईमाधोपुर के सहायक औषधि नियंत्रक अजय कुमार सबल ने मैसर्स संजय मेडिकल स्टोर ग्राम भायलापुरा तह0 हिण्डौन सिटी जिला करौली का निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर 29 नवम्बर से 30 नवम्बर तक 2 दिवस के लिये अनुज्ञापन निरस्त कर दिया गया है।इसके अलावा मैसर्स अर्पित मेडिकल स्टोर फकीरा की बगीची के सामने,कैलादेवी रोड,करौली का निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर 29 नवम्बर से 13 दिसम्बर 2021 तक 15 दिवस के लिये अनुज्ञापन निरस्त कर दिया गया है।

इंन्टरव्यू 26 को

करौली (निं.सं.)जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक भरतलाल मीणा ने बताया कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर के निर्देशानुसार जिले के जिला मुख्यालय पर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के संचालन हेतु अध्यापक एल-1 के दो पदो के लिये 26 नवम्बर को वॉक इन इन्टरव्यू जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट करौली में आयोजित किये जायेंगे।

उत्कृष्ठ कार्य करने वाली बैंक शाखाओं के प्रबन्धक सम्मानित

बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक क्षेत्र भरतपुर द्वारा सभी शाखाओं के शाखा प्रबन्धकों की व्यवसाय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

भरतपुर (निस) । बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक क्षेत्र भरतपुर द्वारा सभी शाखाओं के शाखा प्रबन्धको की व्यवसाय समीक्षा बैठक तथा उत्कृष्ठ कार्यकरने वाली शाखाओं के प्रबन्धकों का सम्मान समारोह गुरुवार को बैंक के अध्यक्ष आर.सी. गग्गड के मुख्य आतिथ्य में होटल गीतांजली में आयोजित किया गया ।

समारोह में बैंक अध्यक्ष गग्गड ने कहा कि प्रदेश में बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक पूरी निष्ठा के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है द्य इस समारोह में अध्यक्ष श्री गग्गड ने शाखा प्रबंधकों को और बेहतर तरीके से ग्राहक सेवा पर जोर दिया गया तथा बैंक स्तर व क्षेत्र स्तर पर व्यवसाय विकास एवं अन्य महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में लक्ष्य हासिल करने वाली व उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली कुल 15 शाखाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया द्य इस अवसर पर क्षेत्र की सभी 79 शाखाओं के शाखा प्रबन्धक एवं अन्य उपस्थित स्टाफ को संबोधित करते हुए बैंक अध्यक्ष द्वारा बैंक की डिजिटल सेवाओं का लाभ त्वरित रूप से जनसामान्य को उपलब्ध करने हेतु आह्वान किया गया । गग्गड़ ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान राज्य के 21 जिलों में 870 शाखाओं, 01 विस्तार पटल, 4311 बैंक मित्रों व 56 ऑनसाईट एटीएम के विस्तृत नेटवर्क के साथ ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में ग्राहकों को सेवाए दे रहा है ।

श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। ब्राह्मण धर्मशाला में गुरूवार को एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । .

जिसमें ब्राह्मण समाज हिंडौन सिटी में दिवंगत आत्माओं कप्तान कपूरचंद शर्मा घनश्याम शर्मा अमृतपुरी कॉलोनी घनश्याम शर्मा, केसर कॉलोनी हेमेंद्र शर्मा, हरिनारायण शर्मा, राधेश्याम पाठक एवं सुवालाल शर्मा जटवाड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस दौरान ब्राह्मण समाज के सभी कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारी वह समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद थे ।

जिनमें वासुदेव शर्मा अध्यक्ष, ओम प्रकाश पाठक, मनजीत मुद्गल, सुरेंद्र तिवारी, शंकर लाल चतुर्वेदी, राम भरोसी शर्मा, राम पंडा, विजय पांडे , केशव देव शर्मा, राधेश्याम शर्मा, दामोदर दत्तात्रेय, महेश चंद शर्मा, रमेश हरि रामपुरा, अवध बिहारी, शुभम तिवारी, जेपी शर्मा , रमेश चतुर्वेदी, पुष्पेंद्र पाठक, गंगा सहाय शर्मा, मुकेश सारस्वत, राजीव सहरिया, ज्योति सहारिया, मुकेश चंद शर्मा आदि ब्राह्मण बंधु मौजूद थे। इन्होंने इन सभी दिवंगत आत्माओं की आत्मा की शांति हेतु परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की एवं 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेक्सटिंग स्कैंडल की वजह से टिम पेन के टेस्ट कप्तान पद से इस्तीफा देना एशेज सीरीज के दौरान फैंस का ध्यान क्रिकेट से भटकाने के काम करेगा। उसने अपने लिए, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के भले के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। लेकिन ये आसानी से भुलाया नहीं जाएगा। – **रिकी पॉन्टिंग**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, टीम पेन के कप्तान पद से इस्तीफा देने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **रविचंद्रन अश्विन**

टीम इंडिया के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब हैं। रविचंद्रन अश्विन भारत के तीसरे सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज बनने की दहलीज पर हैं। दरअसल, रविचंद्रन अश्विन न्यूजीलैंड के खिलाफ कल कानपुर टेस्ट मैच में उतरेंगे, तो उनके निशाने पर हरभजन सिंह का रिकॉर्ड होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में कल से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में 5 विकेट लेते ही रविचंद्रन अश्विन भारत के तीसरे सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज बन जाएंगे। भारत में अश्विन का रिकॉर्ड शानदार है।

क्या आप जानते हैं ?... 2006 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत हॉकी महिला टीम ने न्यूजीलैण्ड की टीम को हराया।

पहले टेस्ट में श्रेयस अय्यर पास, भारत चार विकेट पर 258 रन

गिल के 52 व जडेजा के नाबाद अर्द्धशतक से भारत बड़े स्कोर की ओर

कानपुर, 25 नवंबर। पदार्पण टेस्ट में नवनियुक्त कोच मिस्टर भरोसेमंद राहुल द्रविड़ के भरोसे पर खरा उतरने वाले श्रेयस अय्यर (75 नाबाद) की शानदार अर्धशतकीय पारी और रविन्द्र जडेजा (50 नाबाद) के बीच 113 रनों की अविजित शतकीय साझीदारी की मदद से भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में गुरूवार को पहले दिन पहली पारी में चार विकेट पर 258 रन का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया।

ग्रीनपार्क स्टेडियम पर टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 145 रन पर चार विकेट गंवा कर दवाब की स्थिति में आ गयी थी मगर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रविन्द्र जडेजा ने पहला टेस्ट खेल रहे श्रेयस अय्यर के साथ सूझबूझ के साथ खेलते हुये न सिर्फ टीम को संकट से उबारा बल्कि दिन का खेल खत्म होने तक स्कोर को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचा दिया।

महानतम भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर से आज सुबह टेस्ट कैप पहनने वाले श्रेयस शाम को दिन का खेल खत्म होने पर नाबाद पारी खेलकर गर्व के साथ पवेलियन लौट रहे थे। अपने टेस्ट करियर की पहली पारी खेल रहे श्रेयस अब तक 136 गेंदे खेलकर सात चौके और दो छक्के लगा चुके है वहीं दूसरे छोर में अब तक 100 गेंदो की पारी में छह बार गेंद को सीमारेखा के पार पहुंचा चुके है।

इससे पहले खराब फार्म से जूझ रहे चेतेश्वर पुजारा (26) और कप्तान आंजिक्य रहाणे (35) आज भी लय मे नहीं लौट सके। सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (21) के आउट होने के बाद क्रीज पर आये पुजारा ने धीमे मगर संयमित अंदाज में बल्लेबाजी की। पहले से जमे शुभमन गिल (52) के साथ मिलकर उन्होने लंच तक टीम का स्कोर एक विकेट पर 82 रन पहुंचाया। शानदार तरीके से अपने करियर का चौथा अर्धशतक जमाने वाले शुभमन लंच के बाद के पहले ओवर में केल जेमिंसन की गेंद पर बोल्ड आउट हुये।

पुजारा ने बाद में कप्तान आंजिक्य रहाणे (35) के साथ स्कोरबोर्ड को चलाने का क्रम जारी रखा लेकिन इस बीच पारी के 38वें ओवर में वह टिम साउदी के बाहर जाती गेंद पर अपना बल्ला अड़ा बैठे और गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में समा गयी। दूसरे किनारे पर अच्छी लय में बल्लेबाजी कर रहे रहाणे तेज गेंदबाज केल जेंमिसन का तीसरा शिकार बने। उन्होने आउट होने से पहले 63 गेंद खेलकर छह चौके जमाये।

इससे पहले कप्तान अजिंक्या रहाणे ने टास जीतकर बल्लेबाजी के लिये मुफीद मानी जा रही पिच पर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय और न्यूजीलैंड की टीमे तीन स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के संयोजन के साथ मैदान पर उतरी हैं। चोटिल लोकेश राहुल के स्थान पर टीम में शामिल किये गये श्रेयस अय्यर को अंतिम एकादश में जगह दी गयी है। टेस्ट करियर का पदार्पण मैच खेलने उतरे श्रेयस अय्यर को पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने टेस्ट कैप पहना कर उनकी हौसलाफजाई की। मैच शुरू होने से पहले गावस्कर ने श्रेयस को टेस्ट कैप प्रदान की जिसे कुछ देर निहारने के बाद श्रेयस ने उसे चूमा और पहन लिया। गावस्कर ने उन्हे सफलता के लिये शुभकामनाये दी। बाद में टीम के सदस्यों ने श्रेयस को उनकी इस उपलब्धि के लिये बधाई दी।

पहले टेस्ट में नियमित कप्तान विराट कोहली के अलावा रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को आराम दिया गया है। ग्रीनपार्क के मैदान पर कीवी टीम के खिलाफ भारतीय टीम अब तक अजेय रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां खेले गये तीन मैचों में दो में भारत को जीत हासिल हुयी है जबकि एक मैच ड्रा रहा है।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
मयंक का ब्लंडेल बो जैमिसन	13	28	2	0
शुभमन बो जैमिसन	52	93	5	1
पुजारा का ब्लंडेल बो साउदी	26	88	2	0
रहाणे बो जैमिसन	35	63	6	0
अय्यर खेल रहे	75	136	7	2
जडेजा खेल रहे	50	100	6	0

अतिरिक्त : 07
कुल : 84 ओवर में चार विकेट पर 258 रन
विकेट पतन: 1-21, 2-82, 3-106, 4-145
गेंदबाजी : साउदी 16.4-3-43-1, जैमिसन 15.2-6-47-3, पटेल 21-6-78-0, सोमरविल 24-2-60-0, रवींद्र 7-1-28-0

सिंधू ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

बाली, 25 नवंबर। पीवी सिंधु का शानदार खेल जारी है। इंडोनेशिया के बाली में चल रहे बैडमिंटन टूर्नामेंट में दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में उन्होंने जर्मनी की खिलाड़ी युवोने लि को आसानी से हराते हुए अंतिम 8 में जगह बनाई। सिंधू ने गुरुवार को जर्मनी की युवोने लि पर आसानी से सीधे गेम में जीत दर्ज कर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

ड्रीम स्पोर्ट्स ने आठ अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 6,252 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई, 25 नवंबर। ड्रीम कैपिटल, फैनकोड, ड्रीम11, ड्रीमसेटगो, ड्रीम गेम स्टूडियो और ड्रीमपे जैसे ब्रांड्स के साथ भारत की प्रमुख स्पोर्ट टेक कंपनी ड्रीम स्पोर्टस ने आज 8 अरब डॉलर के मूल्याकंन पर फाल्कन एज, डीएसटी ग्लोबल, डी1 कैपिटल, रेडबर्ड कैपिटल और टाइगर ग्लोबल के नेतृत्व में 84 करोड़ डॉलर के निवेश चरण के पूरा होने की घोषणा की है। इस चरण में मौजूदा निवेशकों जैसे टीपीजी और फुटपाथ वेंचर्स ने भी भाग लिया, जिससे यह स्पोर्टस टेक क्षेत्र में विश्व स्तर पर सबसे बड़ा निवेश बन गया है।

मौजूदा 14 करोड़ भारतीय खेल प्रशंसकों के साथ ड्रीम स्पोर्टस दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्टस ईकोसिस्टम के निर्माण के मिशन पर है, जिसमें स्पोर्टस कंटेंट, कॉमर्स, अनुभव, फैन इंगेजमेंट (स्पोर्टस गेमिंग और ईस्पोर्टस सहित), वेब 3.0 समाधान, फैनटेसी स्पोर्टस और फिटनेस टेक शामिल है। इस साल की शुरुआत में, ड्रीम स्पोर्टस ने अपनी सीवीसी और एम एंड ए इकाई ड्रीम कैपिटल के माध्यम से 25 करोड़ डॉलर के कोष की घोषणा कर इस क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया था। ड्रीम कैपिटल ने 10 कंपनियों का एक शुरुआती पोर्टफोलियो बनाया है, जो मुख्यरूप से भारत में थीम आधारित शुरुआती स्तर के निवेश पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिनमें फिटर, सोस्ट्रोक, खेलोमोरे और एलेवर शामिल हैं। ड्रीम कैपिटल अब भारत और वैश्विक स्तर पर अपने खेल, प्रशंसक जुड़ाव और फिटनेस पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है।

ताजा निवेश पर हर्ष जैन, सीईओ और सह-संस्थापक, ड्रीम स्पोर्टस ने कहा हमारा लक्ष्य और मिशन स्पोर्टस ईकोसिस्टम में प्रशंसकों से लेकर खिलाड़ियों, टीम और लीग तक सभी हितधारकों के लिए निवेश, नवाचार और धन सृजन के लिए एक उद्यमी-नेतृत्व वाले चक्र का निर्माण करना है। हमारे निवेशकों के पास वैश्विक स्तर पर स्पोर्टस ईकोसिस्टम विकसित करने का गहरा अनुभव है, और एक अरब भारतीय खेल प्रशंसकों के लिए खेल को बेहतर बनाने में उनका मार्गदर्शन पाना हमारे लिए भाग्यशाली है।

डीएसटी ग्लोबल के मैनेजिंग पार्टनर राहुल मेहता ने कहा, हम भारत में प्रमुख एंड-टू-एंड स्पोर्टस टेक कंपनी बनने के दृष्टिकोण के साथ ड्रीम स्पोर्टस परिवार का हिस्सा बनने पर काफी उत्साहित हैं। हम उनके ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण, उत्पाद रणनीति और प्रशंसकों एवं उनके पसंदीदा खेलों के बीच सबंध को मजबूत बनाने की क्षमता से अत्यधिक प्रभावित हैं।

श्रीलंका ने पहला टेस्ट 187 रन से जीता, बनायी 1-0 की बढ़त

गाले, 25 नवम्बर। लेफ्ट आर्म स्पिनर लसिथ एम्बुलदेनिया (46 रन पर पांच विकेट) और ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस (64 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से श्रीलंका ने वेस्ट इंडीज को दूसरी पारी में पांचवें और अंतिम दिन गुरूवार को 160 रन पर ढेर कर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

श्रीलंका ने विंडीज के सामने 348 रन का लक्ष्य रखा था। विंडीज की हार कल चौथे दिन उसी समय सुनिश्चित हो गयी थी जब उसने अपने छह विकेट मात्र 18 रन पर गंवा दिए थे। विंडीज ने कल के अपने छह विकेट पर 52 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। एन्क्रुमाह बॉनर ने 18 और जॉशुआ डासिल्वा ने 15 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। डासिल्वा 129 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 54 रन बनाकर सातवें बल्लेबाज

के रूप में 118 के स्कोर पर आउट हुए। बैनर ने 273 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 68 रन बनाये लेकिन दूसरे छोर से बल्लेबाजों के विकेट गिरते रहे और श्रीलंका की पारी 160 रन पर सिमट गयी। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने को उनकी 147 और 83 रन की पारियों के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

हॉलैंड ने कोरिया को 12-5 से पीटा

भुवनेश्वर, 25 नवंबर। दोपहर में खेले गए जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले को एकतरफा बनाते हुए हॉलैंड ने कोरिया को गुरूवार को 12-5 से आसानी से हरा दिया। मैच में हालांकि कोरिया की शुरुआत रही, लेकिन अंत बेहद निराशाजनक रहा। जून सेओंग जेओंग ने सातवें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए कोरिया को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन इसके तुरंत बाद 10वें मिनट में गोल दाग कर नीदरलैंड ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह गोल शेल्डन स्काउटन के नाम रहा। माइल्स बुकेन्स ने 13वें मिनट में गोल दाग कर नीदरलैंड की बढ़त को 2-1 कर दिया, हालांकि पहला क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले जून सेओंग जेओंग ने एक और गोल करके स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। यह गोल 14वें मिनट में आया।

अर्जेंटीना ने मिस्त्र को 14-0 से रौंदा

भुवनेश्वर, 25 नवंबर। विश्व की बेहतरीन हॉकी टीमों में से एक अर्जेंटीना जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने यहां गुरुवार को एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2021 में पूल डी के दूसरे मैच में मिस्त्र को 14-0 से रौंद दिया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन का यह पहला मुकाबला पूरी तरह से एकतरफा रहा। अर्जेंटीना ने मैच में शुरुआत से ही दबदबा बनाया और विपक्षी मिस्त्र को दबाव में डाल दिया। फैकुंडो जराटे ने तीसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल दाग कर स्कोर का खाता खोला। इसके बाद अर्जेंटीनियाई खिलाड़ियों की ओर से लगातार गोल दागे गए, जबकि मिस्त्र के खिलाड़ी दबाव में दिखे और एक भी गोल नहीं कर पाए। अर्जेंटीना ने चारों क्वार्टर में गोल किए। तीसरे और चौथे क्वार्टर में सर्वाधिक नौ गोल आए, जबकि कुल 14 गोलों में से छह पेनल्टी कॉर्नर और दो पेनल्टी स्ट्रोक से आए।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं टिम पेन : नाथन लियोन

मेलबोर्न, 25 नवंबर। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर करार देते हुए कहा है कि एशेज सीरीज में उनकी मौजूदगी अहम होगी।

लियोन ने कहा कि उन्होंने टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया है, लेकिन वह एशेज में खेलना चाहते हैं, इसलिए उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीते हफ्ते एक अश्लील संदेश भेजने का मामला सामने आने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने वाले पेन को ऑस्ट्रेलिया टीम का 100 फीसदी समर्थन प्राप्त है।

400 टेस्ट विकेट की उपलब्धि हासिल करने से एक विकेट दूर लियोन ने गुरुवार को एक बयान में कहा, मेरी नजर में टिम देश और दुनिया में सबसे अच्छे विकेटकीपर हैं। मैं 100 प्रतिशत गारंटी दे सकता हूं कि उन्हें ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम का पूरा समर्थन प्राप्त है। मैं उन्हें एक व्याकुलता के रूप में बिल्कुल नहीं देखता। हम पेशेवर खिलाड़ी हैं और हम मैदान पर जाकर अपना काम करेंगे। टिम ने गलती की है, लेकिन मैं मानता हूं कि उन्होंने ईमानदार होने के लिए बहुत साहस दिखाया है। टिम को मेरा पूरा समर्थन है। जैसे ही हम क्वारंटीन से बाहर निकलेंगे मैं उनसे मिलन के लिए उत्सुक हूं।

लियोन ने कहा, पेन को आठ दिसंबर को ब्रिस्बेन में होने वाले एशेज के शुरुआती मुकाबले

में मौका देना अहम होगा, क्योंकि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन विकेटकीपर हैं। चयनकर्ताओं को उन्हें टीम में लेना चाहिए। चयनकर्ताओं ने हमेशा कहा कि वे सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध एकादश को चुनने जा रहे हैं और मेरी नजर में टिम पेन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं, इसलिए उन्हें टीम में चुना जाना चाहिए। हर गेंदबाज का उनके साथ असाधारण रिश्ता है। वह एक बहुत ही अच्छे इंसान हैं और ड्रेसिंग रूम के अंदर उनकी बहुत इज्जत है। उल्लेखनीय है कि 2017 में एक महिला सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने को लेकर पेन ने बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था।

दक्षिण अफ्रीका ए का विशाल स्कोर, भारत ए का ठोस जवाब

ब्लूमफोंटेन, 25 नवम्बर। कप्तान पीटर मलान (163) के शानदार शतक से दक्षिण अफ्रीका ए ने भारत ए के खिलाफ पहले गैर आधिकारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को तीन विकेट पर 343 रन से आगे खेलते हुए अपनी पहली पारी सात विकेट पर 507 रन का विशाल स्कोर बनाकर घोषित कर दी। भारत ए ने इसके जवाब में दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट खोकर 125 रन बना लिए।कप्तान प्रियंक पांचाल 45 और अभिमन्यु ईश्वरन 27 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ 45 गेंदों पर नौ चौकों के सहारे 48 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ए के कप्तान पीटर मलान 282 गेंदों में 19 चौकों के सहारे 163 रन बनाकर नवदीप सैनी का शिकार बने। सिनेतेम्बा केशिले और जॉर्ज लिंडे ने भी अर्धशतक बनाये। जैसन स्मिथ अपने 51 के स्कोर में एक रन का इजाफा कर 52 रन बनाकर अर्जन नागवसवाला की गेंद पर आउट हुए। सिनेतेम्बा केशिले ने 112 गेंदों पर नाबाद 82 रन में 10 चौके और दो छक्के लगाए जबकि लिंडे ने 80 गेंदों पर 51 रन में नौ चौके लगाए। भारत ए की तरफ से सैनी और नागवसवाला ने दो-दो विकेट हासिल किये।

द्रविड़ ने लौटायी टीम इंडिया की पुरानी परंपरा

कानपुर, 25 नवंबर। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुरुवार को श्रेयस अय्यर को भारत की 'टेस्ट कैप' प्रदान की। इस तरह से मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों से नये खिलाड़ियों को यह प्रतिष्ठित कैप (टोपी) दिलाने की पुरानी परंपरा फिर से जीवंत कर दी। अय्यर भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 303वें खिलाड़ी बने। न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस से पहले अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज गावस्कर ने उन्हें कैप प्रदान की। द्रविड़ ने गावस्कर को इस विशेष कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया था।

आकांक्षा बनीं पहली नेशनल फैंटेसी क्रिकेट चैम्पियन

नयी दिल्ली, 25 नवंबर । बल्लेबाज़ीडॉटकॉम पर आयोजित नेशनल फैंटेसी क्रिकेट चैम्पियनशिप (एनएफसीसी) की शुरूआत भारत में फैंटेसी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिये हुई थी। इसका जोरदार समापन हुआ सीए बनने की चाहत रखने वालीं मध्यप्रदेश की आकांक्षा गुप्ता के 783.5 पॉइंट्स के साथ इसका अल्टिमेट चैम्पियन बनने के साथ। बल्लेबाज़ीडॉटकॉम के यूजर्स में केवल 1 महिलाएं हैं और इसलिये यह उपलब्धि अनोखी है। लीडरबोर्ड पर नंबर 1 रहीं आकांक्षा को इनामी राशि के साथ-साथ क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की यात्रा करने का अवसर मिलेगा। 23 दिन चले इस मल्टी-टियर टूर्नामेंट को देशभर से कुल 1.8 लाख से ज्यादा एंट्रीज मिली थीं और टूर्नामेंट की अवधि के दौरान 62 लाख से ज्यादा टीमें बनाई गई थीं। अंत में, नौ राज्यों के 11 फैंटेसी क्रिकेट प्लेयर्स ने चैम्पियन का ताज पहना। यह राज्य थे दिल्ली, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल और हरियाणा। इस टूर्नामेंट की सफलता पर अपनी बात रखते हुए, बल्लेबाज़ीडॉटकॉम के को-फाउंडर और सीईओ सौरभ चोपड़ा ने कहा, एनएफसीसी सचमुच हमारी अपेक्षाओं से बढ़कर रहा है और इसने टूर्नामेंट के उन आगामी एडिशंस के लिये मापदंड निर्धारित कर दिये हैं, जो आईपीएल 2022 के साथ-साथ होने हैं। यह टूर्नामेंट का पहला एडिशन था और इसने निश्चित रूप से फैंटेसी स्पोर्ट्स के बारे में धारणा 'केवल पैसे के लिये" को बदलकर केवल शोहरत कमाने के लिये" कर दिया है। मैं आकांक्षा और दूसरे सभी 10 विजेताओं को उनकी उपलब्धि के लिये बधाई देता हूं। सभी 11 विजेता जल्दी ही बल्लेबाज़ीडॉटकॉम के ब्राण्ड एम्बेसेडर और वर्ल्ड कप 2011 के हीरो ज़हीर खान और महान बल्लेबाज एस. बद्रीनाथ से मिलेंगे। आकांक्षा को सबसे बड़ा पुरस्कार मिला है, लेकिन दूसरे दस विजेताओं को एक गोल्डन बैट के अलावा एक्सक्लूसिव लीडरबोर्ड कैश प्राइज मिलेंगे। अपनी जीत और अनुभव के बारे में आकांक्षा गुप्ता ने कहा, एनएफसीसी मेरे लिये वाकई एक अनोखा अनुभव था।

चोटिल शाकिब अल हसन पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे

ढाका, 25 नवम्बर। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ शुक्रवार से चटगांव में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से बंगलादेश की टीम से शाकिब अल हसन बाहर हो गए हैं। शाकिब टी20 विश्व कप के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर नहीं पाए।

प्रमुख चयनकर्ता मिन्हाजुल आबेदिन ने कहा कि शाकिब को ठीक होने में समय लग सकता है, इसका मतलब है कि वह पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पूरी टेस्ट सीरीज़ से बाहर रह सकते हैं। आबेदिन ने कहा, "शाकिब की हैमस्ट्रिंग की चोट पूरी तरह से सही नहीं हुई है। शाकिब को अभी रिहैब की आवश्यकता है। हमारे फ़िज़ियो लगातार उनकी देखरेख कर रहे हैं। वह पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हम इस बारे में भी आश्वस्त नहीं है कि वह दूसरा टेस्ट खेल पाएंगे। फ़िज़ियो ही हमें इसकी जानकारी देंगे। हमने जब से 16 सदस्यीय टीम चुनी है तब से हमने बिना उनकी स्थिति जाने शाकिब की जगह किसी को नहीं चुना है।"शाकिब टी20 विश्व कप में बंगलादेश के आख़िरी दो मैच भी नहीं खेले थे। इसके अलावा वह

पाकिस्तान के ख़िलाफ़ तीन टी20 मैचों की सीरीज़ में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। एक साल के प्रतिबंध से वापसी के बाद शाकिब ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का केवल एक टेस्ट फ़रवरी में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेला है, उस मैच में भी वह बीच में चोटिल हो गए थे। जुलाई में ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ शाकिब पिछली बार हरारे टेस्ट में उतरे थे। बंगलादेश पहले ही टेस्ट सीरीज़ में तमीम इक़बाल के बिना खेल रहा है, क्योंकि वह अपनी अंगूठे की चोट से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। तस्कीन अहमद और शरीफुल इस्लाम भी चोट के कारण चटगांव टेस्ट से बाहर हो गए हैं। तस्कीन को पाकिस्तान के ख़िलाफ़ तीसरे टी20 में हाथ में चोट लगी थी जबकि शरीफुल को दूसरे मैच में ही कमर की चोट लगी थी। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ यह टेस्ट सीरीज़ बंगलादेश की इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में पहली सीरीज़ होगी। उन्हें अगले साल घर में श्रीलंका और भारत की भी मेज़बानी करनी है। इसके अलावा उन्हें साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज़ और न्यूज़ीलैंड का दौरा करना है।

फ्रांस ने भारत को 5-4 से हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीतने होंगे दोनों मैच

भुवनेश्वर, 25 नवंबर। ओडिशा में चल रही जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। पूल बी के खेले गए मैच में फ्रांस ने भारत को 5-4 से हराया। फ्रांस की ओर से कप्तान क्लेमेंट टिमोथी ने हैट्रिक लगाई, जबकि मार्क बेंजामिन और कोरेंटिन सेलियन ने एक- एक गोल किए। वहीं भारत की ओर से वाइस कैप्टन संजय कुमार ने गोल की हैट्रिक लगाई। उनके अलावा उत्तम सिंह ने एक गोल किया।

इस मुकाबले में क्लेमेंट टिमोथी ने शुरुआती मिनट में ही गोल से फ्रांस को बढ़त दिला दी। इसके बाद मार्क बेंजामिन ने 7वें मिनट में टीम का दूसरा गोल किया। फिर उत्तम सिंह ने 3 मिनट बाद भारत का पहला गोल दागा। पहले क्वार्टर की समाप्ति से पहले संजय (15वें मिनट) ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

टिमोथी ने फिर कमाल दिखाया और हाफ टाइम से 7 मिनट पहले गोल से फ्रांस को 3-2 से बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक स्कोर 3-2 से फ्रांस के पक्ष में रहा। टिमोथी ने हाफ टाइम के बाद दूसरे ही मिनट (मुकाबले के 32वें मिनट) में फिर गोल दागा और स्कोर

4-2 कर दिया। मुकाबले के अंतिम क्वार्टर में सेलियर कोरेंटिन (48वें मिनट) ने गोल करते हुए स्कोर 5-2 कर दिया। मैच के 48 वें मिनट में स्कोर 5-2 होने से यह माने लगा कि भारत बुरी तरह से हारेगी। पर उप कप्तान संजय ने टीम को वापसी कराने की कोशिश की। संजय ने 57वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। अगले ही मिनट में फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला और संजय ने इसे भी गोल में तब्दील कर दिया। हालांकि फ्रांस के खिलाड़ियों ने इसके बाद कोई गलती नहीं की और 5-4 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

64वीं राष्ट्रीय राइफल शूटिंग चैंपियनशिप भोपाल में शुरू

भोपाल, 25 नवंबर। 64वीं राष्ट्रीय राइफल शूटिंग चैंपियनशिप आज यहां प्रारंभ हुयी, जिसमें देश के 3500 से अधिक खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं। प्रतियोगिता में लगभग 70 स्वर्ण पदक दाव पर रहेंगे।

भोपाल के समीप बिसनखेड़ी में अत्याधुनिक शूटिंग अकादमी में प्रारंभ हुयी यह प्रतियोगिता 10 दिसंबर तक चलेगी और इसमें 41 यूनिट के 3500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के शूटर (निशानेबाज) अपना कौशल दिखाएंगे। प्रतियोगिता के दौरान 10 मीटर और 50 मीटर के इवेंट खेले जाएंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया और अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। कुल 3500 खिलाड़ियों में से लगभग 2200 पुरुष और 1300 महिलाएं शामिल हैं। प्रतियोगिता में 18 साल से कम के पुरुष खिलाड़ियों की संख्या 706 और महिलाओं की संख्या 504 है। मुकाबले प्रतिदिन सुबह सवा आठ बजे से शाम पांच बजे तक खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का 256 सदस्यीय दल भी शिरकत कर रहा है।

सबसे बड़ा दल महाराष्ट्र का है, जिसके 518 सदस्य आए हैं। इसमें उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों के खिलाड़ी भी शामिल हो रहे हैं। राज्य के खेल एवं युवा कल्याण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस ने किया।

विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की है कि अगले 40 सालों सबकी प्रिय चॉकलेट गायब हो जाएगी क्योंकि कोको के पौधे गर्म जलवायु में जीवित रहने के लिये जूझ रहे हैं। ये पौधे सिर्फ 20 डिग्री तापमान में ही जीवित रह सकते हैं तथा भूमध्य रेखा के उत्तर व दक्षिण में ये खूब फलते-फूलते हैं क्योंकि यहां नमी व वर्षा काफी ज्यादा है। पर आगामी 30 वर्षों में यहाँ ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण तापमान में 2.1 डिग्री सैंटिग्रेड की वृद्धि हो जाएगी जिससे इनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा और इसका असर पूरी दुनिया में चॉकलेट उद्योग पर पड़ सकता है। यू.एस. नैशनल ओशैनिक एण्ड एटमॉस्फैरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया है कि, तापमान बढ़ने से जमीन और पौधों का पानी सूख जाएगा और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पर्याप्त वर्षा नहीं हो पाने का भी खतरा है, इसलिए कोको के उत्पादन में कमी आने की पूरी संभावना है। तब ब्राज़ील व घाना जैसे देशों, जहां कोको का उत्पादन सबसे ज्यादा होता है, के समक्ष दुविधा यह होगी कि वे विश्व भर में कोको की आपूर्ति करें या कोको का अस्तित्व बचाएं।

जयपुर के स्कूलों में बच्चों के करोना संक्रमित मिलने का क्रम जारी

राजधानी में लगातार तीसरे दिन 6 बच्चे संक्रमित मिले हैं, इनमें झालाना के सरकारी स्कूल, जयश्री पेड़ीवाल इंटरनैशनल और दो अन्य निजी स्कूलों के 2-2 बच्चे शामिल हैं

- गुरूवार को जयपुर में सबसे ज्यादा 17, जबकि प्रदेशभर में 29 नए संक्रमित पाए गए हैं।
- राज्य में नए संक्रमित बढ़ने और रिकवरी कम होने से एक्टिव केस 155 हो गए हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 नवम्बर। राजधानी जयपुर में स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के करोना संक्रमित मिलने का क्रम जारी है। इसके चलते शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी 6 स्कूली बच्चे संक्रमित मिले हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में संक्रमण के 29 नए मामले सामने आए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 17 रोगी जयपुर जिले में पाए गए हैं।

प्रदेश में जयपुर एक बार फिर करोना संक्रमण का हॉट स्पॉट बनता जा रहा है। इसके चलते यहां हर रोज नए संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। नवंबर में ही अब तक प्रदेश में 225 से ज्यादा नए मामले सामने आ चुके हैं। जिले में शुक्रवार को संक्रमण के 17 नए मामले सामने आए हैं। इनमें सरकारी और निजी स्कूलों के 6 बच्चे संक्रमित मिले हैं।

जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि शहर के झालाना इलाके में कच्ची बस्ती स्थित एक सरकारी स्कूल, जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल तथा दो अन्य निजी स्कूलों के ऑनलाइन पढ़ने वाले 2-2 बच्चे संक्रमित मिले हैं। जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल में संक्रमित मिली बच्ची के परिजन पहले ही संक्रमित हो चुके हैं। बच्चों के संक्रमित पाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें उनके संपर्क में आने वाले लोगों की सैम्पलिंग कर रही है। उन्होंने बताया कि झालाना के सरकारी स्कूल में 2 बच्चों के संक्रमित मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 237 लोगों के सैम्पल लिए हैं। वहीं निजी स्कूलों के बच्चों के नजदीकी संपर्क में आने वाले लोगों के भी सैम्पल लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया संक्रमित मिले सभी बच्चे एसिम्टोमैटिक है।

इधर स्कूलों में लगातार बच्चों के संक्रमित मिलने के बाद भी राज्य सरकार और शिक्षा विभाग ऑनलाइन क्लासेज चलाने का फैसला नहीं कर पाया है। वहीं सौ प्रतिशत क्षमता के साथ चल रहे स्कूलों में कोविड गाइडलाइन को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। जहां मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सैनेटाइजर को नजर अंदाज किया जा रहा है।

उधर दूसरी ओर राजधानी में 12 स्थानों पर नए संक्रमित मिले है। इनमें मालवीय नगर, सी-स्कीम, महेश नगर, भांकरोटा और झालाना में 2-2 तथा बनीपार्क, सिविल लाइंस, दुर्गापुरा, जमवारामगढ़, मानसरोवर, फागी और राजापार्क में 1-1 संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में और वृद्धि के बाद करोना के 29 नए रोगी पाए गए हैं। इनमें अजमेर व बीकानेर में 3-3, बाड़मेर, दौसा व नागौर में 2-2 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं जयपुर में 12, नागौर में 2 व करौली में 1 मरीज रिकवर हुआ है। उधर राज्य के 27 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें से 21 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में गुरूवार को 15 मरीज ठीक हुए हैं। पिछले चौबीस घंटों में रिकवर हुए मरीजों से करीब दोगुना नए संक्रमित मिलने से एक्टिव केस बढ़कर 155 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 92 मामले जयपुर और अजमेर में 20 तथा अलवर में 12 केस मौजूद हैं। वहीं 9 जिले बारां, बाड़मेर, बीकानेर, दौसा, जैसलमेर, जोधपुर नागौर, पाली और उदयपुर में 10 से भी कम केस बचे हैं। प्रदेश में गुरूवार को भी करोना से कोई मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से 8955 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

सोनिया गांधी ने ममता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को अपनी पार्टी में लेकर, ममता ने विपक्ष को बाँटने का काम करने की गलत कोशिश की है, लेकिन राहुल ने वहाँ एकत्रित नेताओं से कहा कि वे ममता की इन कोशिशें को मामूली हरकत मानते हुये, इनकी अनदेखी करें। राहुल ने नेताओं से कहा कि कुछ नेताओं के तृणमूल में चले जाने से कैसे निपटना है यह सोनिया गांधी पर छोड दें।

रणनीतिक मीटिंग में भाग लेने वालों में ए.के. एंटनी, मल्लिकार्जुन खड़गे, आनंद शर्मा, अधीर रंजन चौधरी, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, के. सुरेश और रवनीत बिट्टू शामिल थे। मीटिंग से बाहर आए नेताओं ने बताया कि टी.एम.सी. विपक्ष्ज्ञ के भीतर ही धौंस जमा सकती है, लेकिन ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार पर विपक्ष के हमले को तीष्ण करने में और अन्नत: टी.एम.सी. सांसदों की ममता बिग्रेड को इस हमले में शामिल होने के लिए बाध्य करने में कांग्रेस के एक प्रमुख विपक्षी पार्टी की भूमिका त्यागने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने मीटिंग के बाद पत्रकारों को बताया कि नेताओं ने मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए 15-16 मुद्दों का चयन किया है। इनमें प्रमुख हैं- कृषि कानून, मंहगाई और कोविड-19 से मरे लोगों के परिवारों को केन्द्र सरकार द्वारा उचित मुआवजा दिया जाना।

जब उनसे इस बारे में पूछा गया कि ममता अधिक आक्रामक हो रहीं हैं तो उन्होंने कहा कि "जो लोग हमेशा हमारे साथ रहे हैं, हम उनसे मिलकर भाजपा के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। क्या संसद के पूर्व सत्रों में ममता जी की टी.एम.सी. हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर नहीं खड़ी रही? कांग्रेस संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में कोविड-19 कुप्रबंधन, करोना क्षतिपूर्ति, महंगाई और किसान आंदोलन के मुद्दों को मजबूती से उठाने की योजना बना रही है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि मीटिंग में सोनिया ने पार्टी संगठन सचिव वेणुगोपाल को निर्देश दिए कि वे कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहें कि वे कोविड-19 पीड़ितों को अधिक क्षतिपूर्ति दिए जाने के लिए केन्द्र सरकार को लिखें।

आगामी 23 दिसम्बर तक चलने वाले संसद सत्र के दौरान दिल्ली में एक विशाल विरोध रैली आयोजित करने की संभावनाओं पर भी कांग्रेस नेताओं ने चर्चा की।

अब प्लेटफॉर्म टिकट फिर से 10 रु. का होगा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। भारतीय रेलवे के यात्रियों की सुविधा के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। रेलवे ने प्लेटफॉर्म टिकट के बढ़े हुए दाम वापस लेने का फैसला किया है। अब प्लेटफॉर्म टिकट पहले की तरह ही 10 रुपये का

- कोविड बढ़ने पर रेलवे प्लेटफॉर्म्स पर भीड़ को नियंत्रित करने के मकसद से सरकार ने प्लेटफार्म टिकट के दाम 5 गुना बढ़ाकर 50 रु. कर दिया था।

मिलेगा। भारतीय रेलवे ने करोना महामारी के समय में प्लेटफॉर्म टिकट की बढ़ी हुई कीमतों को वापस ले लिया है। पहले महामारी के दौरान रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को कम करने के उद्देश्य से कीमतों में वृद्धि की गई थी।

गौरतलब है कि, पिछले सप्ताह ही रेलवे मंत्रालय ने सभी रेल सेवाओं को कोविड से पहले की तरह ही सामान्य रूप से संचालन की घोषणा की थी।

मतदाताओं के बीच जाकर भाजपा के खिलाफ प्रचार करेंगे राकेश टिकैत

राकेश टिकैत ने कहा कि, बेहतर होगा कि प्रधानमंत्री मोदी चुनावी आचार संहिता लागू होने से पहले किसानों के मुद्दे को सुलझा लें

- उन्होंने आगे कहा कि, एम.एस.पी. हमेशा से संयुक्त किसान मोर्चा का मुद्दा था और रहेगा। केंद्र के साथ 11बार हुई बातचीत में हर बार हमने एम.एस.पी. पर चर्चा की। हम इससे पीछे नहीं हट रहे हैं। सरकार को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना चाहिए और बातचीत शुरू करनी चाहिए।
- इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान किया। इन कानून को वापस लेने के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को एक विधेयक को मंजूरी भी दे दी है और शीतकालीन सत्र के दौरान इसे संसद में पेश किया जाएगा

लखनऊ, 25 नवम्बर। भारतीय किसान यूनियन (बी.के.यू.) के नेता राकेश टिकैत ने गुरुवार को कहा कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) हमेशा से हमारा मुद्दा रहा है। टिकैत एक साल से अधिक समय से दिल्ली के गाजीपुर सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। गुरुवार को हैदराबाद पहुंचे राकेश टिकैत ने कहा कि एम.एस.पी. से किसानों को मदद मिलेगी। इसके साथ-साथ टिकैत ने कहा कि वो भाजपा को हराओ के नारे के साथ यू.पी. के मतदाताओं के पास भी जाएंगे।

उन्होंने आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि एम.एस.पी. हमेशा संयुक्त किसान मोर्चा का मुद्दा था। संयुक्त किसान मोर्चे में लगभग 40 किसान संगठन संघ शामिल हैं। राकेश टिकैत ने कहा केंद्र के साथ 11 दौर की चर्चा में हर बार हमने एम.एस.पी. पर चर्चा की। हम इससे पीछे नहीं हट रहे हैं। सरकार को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना चाहिए और बातचीत शुरू करनी चाहिए।

टिकैत ने आगे कहा कि हम भाजपा हराओ नारे के साथ यू.पी. के मतदाताओं के पास जाएंगे। बेहतर होगा कि भारत सरकार और पी.एम. मोदी आदर्श आचार संहिता (एम.सी.सी.) लागू होने से पहले इस मुद्दे को सुलझा लें।

टिकैत ने यह भी कहा कि बी.के.यू. समर्थकों को दिल्ली सीमा पर धरना स्थल को खाली करने की अभी कोई योजना नहीं है। टिकैत ने यह भी कहा कि संयुक्त किसान मोर्चे की रणनीति भाजपा को पराजित करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे उनको गांवों में बायकॉट का सामना करना पड़े और चुनाव प्रचार नहीं कर पाए। पश्चिम यू.पी. में यह पहले से ही शुरू हो चुका है।

इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान किया। इन कानून को वापस लेने के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को एक विधेयक को मंजूरी भी दे दी है और शीतकालीन सत्र के दौरान इसे संसद में पेश किया जाएगा।

राजे की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विस्तार से चर्चा की जायेगी कि मोदी सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं को प्रदेश के गांव, ढाणी और घरों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में प्रदेश की कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बड़े आंदोलन होंगे, जिसकी शुरूआत मंडल स्तर से हो चुकी है। राजस्थान के हम सभी कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि अमित शाह का हमें मार्गदर्शन मिले। हर महीने केंद्रीय वरिष्ठ नेता या केन्द्रीय मंत्री का दौरा कराने की योजना में अमित शाह से पहले प्रदेश का राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का दौरा भी प्रस्तावित था। नवंबर में यह दौरा होना था, लेकिन अभी जेपी नड्डा का कार्यक्रम अंतिम तौर पर तय नहीं हुआ है।

भारत वैक्सीन खरीदने के लिए दो अरब डॉलर का ऋण लेगा

मनीला, 25 नवंबर (वार्ता)। एशियन डवलपमैंट बैंक (ए.डी.बी.) करोना वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण के वास्ते भारत को 1.5 अरब डॉलर का ऋण मंजूर किया है।

ए.डी.बी. ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि इसके लिए एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक से भी 50 करोड़ डॉलर का ऋण मिलने का अनुमान है। बयान में कहा गया है कि इस ऋण से भारत को कम से कम 66.7 करोड़ टीके के डोज खरीदने में मदद मिलेगी। इससे 31.7 करोड़ लोगों को टीके लगाये जा सकेंगे। इससे भारत के राष्ट्रीय टीकाकरण प्लान को मदद की जायेगी जिसका उद्देश्य 18 वर्ष आयु से अधिक के 94.47 करोड़ लोगों को टीका लगाना है। यह भारत की कुल आबादी का 68.9 प्रतिशत है। ए.डी.बी. के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा ने कहा कि भारत को अपने नागरिकों को वैक्सीन लगवाने में इस लोन का उपयोग करेगा।

पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह मुंबई क्राइम ब्रांच के समक्ष प्रस्तुत हुये

क्राइम ब्रांच की टीम ने परमबीर सिंह से 7 घंटे पूछताछ की

- सूत्रों के अनुसार पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह छुट्टी पर थे और उन्होंने राज्य सरकार को महाराष्ट्र वापस लौटने की सूचना नहीं दी थी। राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है।

मुंबई, 25 नवम्बर। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह गुरुवार को मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए। इस दौरान उनसे सात घंटे तक पूछताछ हुई। क्राइम ब्रांच उनके खिलाफ जबरन वसूली के मामले की जांच कर रही है। परमबीर के वकील का कहना है कि उन्होंने क्राइम ब्रांच के सामने बयान दर्ज कराया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, वह जांच में सहयोग करना जारी रखेंगे।

राज्य सरकार के सूत्र ने बताया कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह छुट्टी पर थे और उन्होंने राज्य सरकार को अपने राज्य में लौटने की सूचना नहीं दी थी। राज्य सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। मुंबई पुलिस ने कहा कि परमबीर सिंह ने अपराध शाखा इकाई 11 कार्यालय कांदिवली में बिमल अग्रवाल द्वारा दर्ज रंगदारी मामले में अपना बयान दर्ज कराया। उनसे इस मामले में ही सवाल पूछे गए थे। उन्हें अभी दोबारा नहीं बुलाया गया है, लेकिन कहा गया है कि जब भी जरूरत होगी उन्हें बुलाया जाएगा।

वहीं, महाराष्ट्र के डिप्टी सी.एम. अजीत पवार ने आज कैबिनेट बैठक के बाद अमरावती हिंसा और परमबीर सिंह के मुद्दे को लेकर बैठक बुलाई। बैठक में राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल और गृह विभाग के अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के दबाव के बाद मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने बुधवार को खुलासा किया था कि वह चंडीगढ़ में हैं और जल्द ही मुंबई जाएंगे। उन्होंने कहा था कि मेरी जान को खतरा है इसलिए मैं यहां हूं। वहीं पुलिस व कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण के सवाल पर उन्होंने कहा था कि मैंने अभी अपने अगले कदम के बारे में निर्णय नहीं लिया है। आई.पी.एस. अधिकारी परम बीर सिंह बुधवार शाम को टेलीग्राम में दिखे थे। हालांकि बाद में उन्होंने सोशल मैसेजिंग एप से अपना अकाउंट डिलीट कर दिया। मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से स्थानांतरण और महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद सिंह ने इस साल मई से काम करने की सूचना नहीं दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने परमबीर सिंह से जांच में सहयोग करने को कहा था। कोर्ट ने फिलहाल परमबीर सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी और उनसे पूरे मामले की जांच के दौरान सहयोग बरतने का निर्देश दिया था। कोर्ट में उनके वकील ने कहा कि परमबीर सिंह को पूरे मामले में फंसाया जा रहा है।

त्रिपुरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैंग घर-घर जाकर लोगों को डरा रही और घर से बाहर नहीं निकलने को कह रही है। मतदान 770 बूथों पर हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने त्रिपुरा के गृह सचिव, राज्य चुनाव आयोग, और राज्य पुलिस प्रमुख से कहा है कि हरेक बूथ पर पर्याप्त मात्रा में सी.ए.पी.एफ. के जवान तैनात किए जाए और कहा कि किसी भी आपात स्थिति में मतदान कर्मी उनकी मदद ले सकते हैं। तृणमूल के एक पार्षद ने कहा था कि मतदान केन्द्रों पर सी.सी.टी.वी. नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह जरुरी है कि प्रिंट मीडिया व इलैक्ट्रॉनिक मीडिया को निर्बाध प्रवेश दिया जाए ताकि वे चुनाव का पूर्ण कवरेज कर सकें।

सत्तारूढ़ भाजपा, जो तृणमूल के साथ कांटे की टक्कर में है, 334 में से 112 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। पूर्वोत्तर राज्यों में त्रिपुरा में तृणमूल के कदम जमते हुए से लग रहे हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के मुकाबले एक ताकत के रुप में उभरने की कोशिश में है।

'शहीद हुए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसान शुक्रवार को दिल्ली की सीमाओं पर पहुँचेंगे तथा इन सीमाओं पर अपनी ताकत के सफल शान्तिपूर्ण प्रदर्शन के जरिये सरकार को बाध्य करेंगे कि वह इन कृषि कानूनों को बिना किसी शर्त के रद्द करने के लिये सहमत हो जाये।

एक संयुक्त बयान में मोर्चा के नेताओं ने कहा कि इस आंदोलन के दौरान पिछले एक वर्ष में 683 किसान शहीद हो गये तथा केन्द्र को उदारता दिखाते हुये, उनके परिवारों को हर्जाना देने के साथ ही उन्हें पुनर्वास उपलब्ध करानी चाहिये। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा सरकार को दिल्ली की किसी सीमा पर उनका स्मारक बनाने के लिये जमीन आवंटित करनी चाहिये ताकि वह स्मारक उन शहीद किसानों की कुर्बानी की याद दिलाता रहे।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि रविवार को मुम्बई के आज़ाद मैदान पर विशाल किसान-मज़दूर महापंचायत आयोजित होगी, जिसमें 100 से अधिक संगठन भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि एस.के.एम. 27 नवम्बर को सिंधु सीमा पर अपनी मीटिंग करेगा, जिसमें आगे की कार्यवाही की रुपरेखा तय की जायेगी। यह संयुक्त बयान बलवीर सिंह राजेवाल, डॉ. दर्शन सिंह, गौतम सिंह चरुनी, हन्नान मुल्ला, जगजीत सिंह डालीवाल, जोगिन्दर सिंह उग्राहन, शिव कुमार शर्मा "काकाजी" यदुवीर सिंह तथा योगेन्द्र यादव के नाम से जारी किया गया है।

मेघालय में एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता के रुप में उभरने के उद्देश्य को अपने सामने रखकर, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बड़ी तेजी से इस दिशा में बढ़ रहीं हैं कि पार्टी के साइन बोर्ड बंगाल के बाहर, अन्य राज्यों में भी लग जायें। पिछले दो दशकों से क्षेत्रीय दल के नेता के रुप में काम करने तथा सुस्थापित होने के बाद, बनर्जी ने अब तृणमूल कांग्रेस के पदचिन्ह पूरे भारत में पहुँचा देने का अपना एकमात्र ध्येय, इकलौता मिशन बना लिया है। दिल्ली विधानसभा चुनावों में जीत की पहली लहर के जोश में आप नेता अरविन्द केजरीवाल ने भी इसी तरह से अपने उम्मीदवार विभिन्न राज्यों, पंजाब और गुजरात शामिल हैं, में खड़े किये थे तथा उन्होंने स्वयं भी मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनाव लड़ा था। वे तो अपने प्रयासों में असफल रहे, लेकिन अब देखना यह है कि उसी प्रकार की नियति बनर्जी की प्रतीक्षा कर रही है अथवा नहीं।

मेघालय की इस घटना को लेकर, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आक्रोशपूर्ण प्रतिक्रिया देते हुये, ममता पर आरोप लगाया है कि वे पूर्वोत्तर में कांग्रेस को कमजोर करने की साजिश में लगी हुई हैं। चौधरी ने अप्रत्यक्ष रुप से कहा कि बनर्जी भाजपा के इशारे पर कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, क्योंकि उन्हें अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ जाँच शुरु हो जाने का डर है। चौधरी द्वारा किया गया इस स्थिति का यह विश्लेषण ऐसे मामलों का जरुरत से ज्यादा सामान्यीकरण जैसा है। दरअसल, कांग्रेस नेतृत्व पार्टी की वर्तमान तथा संवेदनशील खामियों को दूर करने में असमर्थ रहा है।

'बंटवारा खून की नदियां बहने से रोकने के लिए किया गया था, लेकिन कई गुना ज्यादा खून बह चुका है'

मोहन भागवत ने कहा कि, बंटवारे का दर्द तभी कम होगा जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन निरस्त होगा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भारत-पाकिस्तान बंटवारे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, अब खंडित भारत को अखंडित बनाना होगा। यह हमारा राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्तव्य है। हम इस कर्तव्य पथ पर चलेंगे तो विजय हमारी होगी। ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहीं।

वह सेक्टर-12 स्थित भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। विद्यालय में आयोजित लोकार्पण समारोह में उन्होंने लेखक कृष्णानंद सागर द्वारा लिखित एवं जागृति प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'विभाजनकालीन भारत के साक्षी' का विमोचन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि देश का विभाजन न मिटने वाली वेदना है। यह तभी मिटेगी, जब विभाजन निरस्त होगा। भारत एक जमीन का टुकड़ा नहीं हमारी मातृभूमि है। संपूर्ण दुनिया को कुछ देने लायक हम तब होंगे जब विभाजन हटेगा।

यह राजनीति नहीं हमारे अस्तित्व का विषय है। इससे किसी को सुख नहीं मिला। भारत की प्रवृत्ति विशिष्टता को अपनाने की है। अलगाव की प्रवृत्ति वाले तत्वों के कारण देश का विभाजन हुआ। हम विभाजन के दर्दनाक इतिहास का दोहराव नहीं होने देंगे।

आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा कि कैसे देश टूटा, उस इतिहास को पढ़कर आगे बढ़ना होगा। विभाजन के बाद भी दंगे होते हैं। दूसरों के लिए भी वही आवश्यक मानना जो खुद को सही लगे, यह गलत मानसिकता है। अपने प्रभुत्व का सपना देखना गलत है। राजा सबका होता है। सबकी उन्नति उसका धर्म है।

हिंदू समाज को संगठित होने की जरूरत है। हमारी संस्कृति विविधता में एकता की है, इसलिए हिंदू यह नहीं कह सकता कि मुसलमान नहीं रहेंगे। अनुशासन का पालन सबको करना होगा। अशफाक उल्ला खान जैसे क्रांतिकारी जन्नत की जगह भारत में दोबारा जन्म की चाह रखते थे। अत्याचार को रोकने के लिए बल के साथ सत्य आवश्यक है।

लेखक कृष्णानंद सागर ने कहा कि उनकी पुस्तक विभाजन के दौर में हुए षड्यंत्रों पर आधारित है। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शंभू नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि इतिहास को बदलकर प्रस्तुत किया गया है। विभाजन के दौर में भारी नरसंहार हुआ। इसके लिए पाकिस्तान पर मुकदमा होना चाहिए।

संधू के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी। इसके अलावा तीनों अफसरों के खिलाफ भी कोई शिकायत नहीं है और ना ही उनका नाम एफआईआर में है। आवेदन में कहा गया कि ऐसे मामलों में अनावश्यक तौर पर अभियोजन का सामना करने से राज्य के अफसरों का मनोबल गिरेगा, जो जनहित में नहीं होगा। इसलिए इनके खिलाफ लंबित केस वापस लेने की अनुमति दी जाए। परिवादी रामशरण सिंह की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि "यह भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है। एसीबी ने अनुसंधान कर तीनों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था, लेकिन अब एसीबी सरकार के इशारे पर केस वापस लेना चाहती है।" हाईकोर्ट भी संधू के मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए पेश याचिका को खारिज कर चुका है। संधू के अमेरिका जाने संबंधी प्रार्थना पत्र भी शुक्रवार को फैसला करेगी।

'क्या हर दिल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने के कारण कहीं अन्यत्र जगह ढूंढ रहे हैं।

अपने वर्तमान दुर्भाग्य के बावजूद कांग्रेस के प्रति अब भी देशभर में गहरी सहानुभूति है और एक राष्ट्रीय विपक्ष के रुप में वह हमेशा स्वीकार्य है।

यह बात धीरे-धीरे प्रकट हो रही है कि टी.एम.सी. एक ऐसी चुनावी अपील पर काम कर रही है जिससे भाजपा की संभावनाओं को सर्वाधिक बल मिलता है। कांग्रेस के कमजोर पड़ने से एक संयुक्त एक विपक्ष की संभावनाएं कमजोर पड़ती हैं। खंडित विपक्ष भाजपा को देश की एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी बना देगा। कोई आश्चर्य नहीं कि ममता बनर्जी और उनके भतीजे के खिलाफ भ्रष्टाचार और मनी मेकिंग के सभी केस संभवत: गुम से लग रहे हैं। यह भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच जीओ और जीने दो की एक दुनिया है। राजनीति में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर देने के भाजपा की निर्भीक प्रतिबद्धता के भी यह विपरीत है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908